मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, बुधवार, 26 नवंबर 2025

संवत 2082, मार्गशीर्ष शुक्लपक्ष 6 मूल्य-2 रुपये

वर्ष-9, अंक 77 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▶▶ धर्मेंद्र : वह सूरज, जो ढल कर भी पीढ़ियों को रोशन करता रहेगा

रजनीकांत की जेलर 2 में नजर आएंगी अपेक्षा पोरवाल ◀◀ 6

छत्तीसगढ़: जांजगीर-चांपा में ट्रक-स्कॉर्पियो की भीषण टक्कर, 5 की मौके पर मौत, 3 गंभीर

जांजगीर-चांपा : छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले के सुकली गांव के पास मंगलवार देर रात एनएच-49 पर एक दर्दनाक हादसा हुआ, जिससे हड़कंप मच गया। ट्रक और स्कॉर्पियो के बीच जबरदस्त टक्कर हो गई, जिसमें पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन लोग बेहद गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती हैं। हादसा इतना भयानक था कि स्कॉर्पियो का आगे का हिस्सा पूरी तरह पिचक गया और अंदर बैठे लोगों को निकालने में भी भारी मशक्कत करनी पड़ी। जानकारी के मुताबिक, स्कॉर्पियो में सवार सभी लोग नवागढ़ के शांति नगर के रहने वाले बताए जा रहे हैं। सभी एक बारात से वापस नवागढ़ लौट रहे थे। जैसे ही गाड़ी सुकली के पास पहुंची, सामने से आ रहे ट्रक से जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि स्कॉर्पियो कुछ मीटर तक घसीटती चली गई। आसपास के लोगों ने घटना की आवाज सुनते ही मौके पर पहुंचकर पुलिस को सूचना दी और घायलों को बाहर निकालने की कोशिश की।

स्थानीय पुलिस तुरंत घटनास्थल पर पहुंची और घायलों को नजदीकी अस्पताल भेजा। डॉक्टरों के मुताबिक, तीनों घायलों की हालत अभी भी नाजुक बनी हुई है। हादसे की जांच शुरू कर दी गई है। हालांकि प्राथमिक अनुमान यही है कि तेज रफ्तार और रात का समय हादसे की बड़ी वजह हो सकते हैं। पुलिस ट्रक ड्राइवर की भूमिका और घटना के सटीक कारणों की जांच कर रही है।

हादसे में जान गंवाने वाले लोगों की पहचान कर ली गई है। मृतकों के नाम विश्वनाथ देवागन, पिता सुखरु देवागन (43 वर्ष), राजेंद्र कश्यप, पिता कोमल कश्यप (27 वर्ष, पोमेश्वर जलतारे, पिता पुरुषोत्तम जलतारे (33 वर्ष), भूपेंद्र साहू, पिता रेशम साहू (40 वर्ष) और कमलनयन साहू, पिता रामचरण साहू (22 वर्ष) शामिल हैं। वहीं, अन्य तीन लोग गंभीर बताए जा रहे हैं, जिनका अस्पताल में इलाज जारी है।

वहीं, यह घटना पूरे इलाके के लिए बेहद दुखद है। गांव में मातम का माहौल है, क्योंकि जिस खुशी के माहौल से लोग बारात से लौट रहे थे, उसी सफर में अचानक ऐसी त्रासदी हो गई कि कई परिवारों की जिंदगी हमेशा के लिए बदल गई।

आग की दो अलग-अलग घटनाओं में 2 बच्चों की मौत

संवाददाता

गुमला: जिले में आग लगने की दो अलग-अलग अत्यंत दुखद घटनाओं में दो मासूम बच्चों की झुलसकर मौत हो गई। दोनों बच्चों को गंभीर रूप से झुलसी हुई अवस्था में बेहतर इलाज के लिए रिम्स रेफर किया गया था, लेकिन रिम्स पहुंचने से पहले ही उन्होंने रास्ते में दम तोड़ दिया। यह घटनाएं जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में हुईं, जिनमें खेलने के दौरान बच्चे आग की चपेट में आ गए।

पहली घटना कामडारा थाना क्षेत्र के सरिता गांव की है। जानकारी के अनुसार, नमन लुगून पुआल के ढेर में लेटा हुआ था। इसी दौरान साथ में खेल रहे दूसरे बच्चों ने गलती से माचिस जला दी और पुआल में आग लग गई। नमन इस आग की लपटों से बाहर नहीं निकल पाया और वह 90% तक झुलस गया।

दूसरी घटना पालकोट थाना क्षेत्र के बिलिंगबीरा गांव में हुई। शोभा कुमारी भी पुआल के पास खेलते समय अचानक आग की चपेट में आ गई। इस घटना में वह 80% तक झुलस गई। दोनों बच्चों को आनन-फानन में इलाज के लिए गुमला सदर अस्पताल लाया गया। उनकी गंभीर हालत को देखते हुए, चिकित्सकों ने तुरंत उन्हें बेहतर उपचार के लिए रांची के रिम्स अस्पताल रेफर कर दिया। रिम्स पहुंचने से पहले ही दोनों मासूमों ने रास्ते में ही दम तोड़ दिया।

बिजली तार के संपर्क में आने से धान का फसल जलकर खाक

लोहरदगा : बगड़ू थाना क्षेत्र के बड़चोरगाई में खेत से ट्रैक्टर में लादकर ले जा रहे धान का फसल पटवन के लिए लगाए गए चाइना तार के संपर्क में आने से पूरी तरह जलकर खाक हो गया।

ग्रामीणों ने बताया कि बड़चोरगाई निवासी विधवा महिला बसंती उरांव अपने खेत कुसुम गढ़ा से ट्रैक्टर में लादकर धान की फसल ला रही थी। इसी दौरान सिंचाई के लिए लगाए गए तार से सटते ही धान में आग लग गई। आग लगने के बाद ट्रैक्टर को जलने से बचा लिया गया। परंतु धान पूरी तरह जल गया।आग लगने से महिला को बडा नुकसान हुआ है।

संविधान केवल कानूनी दस्तावेज नहीं, बल्कि राष्ट्र की एकता और लोकतंत्र की आत्मा है : शिल्पी तिर्की

रांची : कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने बुधवार को पशुपालन निदेशालय में आयोजित संविधान दिवस कार्यक्रम में अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक पठन किया। कार्यक्रम की शुरूआत बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर और भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए हुई। समारोह को संबोधित करते हुए कृषि मंत्री ने कहा कि भारत का संविधान केवल कानूनी दस्तावेज नहीं, बल्कि राष्ट्र की एकता और लोकतंत्र की आत्मा है। उन्होंने कहा कि संविधान हमें अधिकारों के साथ कर्तव्यों के निर्वहन का संदेश देता है। मंत्री ने कहा कि लोकतंत्र, धर्मनिरपेक्षता और भाईचारा भारतीय संविधान की मूल भावना है, जिसे समझना और अपनाना हर नागरिक का दायित्व है। उन्होंने संविधान दिवस पर राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए अपने कर्तव्यों के प्रति सजग रहने की अपील की और कहा कि बाबा साहेब अम्बेडकर का योगदान भारत कभी नहीं भूल सकता। कार्यक्रम में विभागीय अधिकारियों और कर्मियों ने संविधान के मूल्यों की रक्षा करने का संकल्प लिया। समारोह में निदेशालय के अधिकारी, कर्मचारी और पदाधिकारी उत्साहपूर्वक शामिल हुए।

दिल्ली लाल किला बम धमाके में एनआईए की बड़ी कार्रवाई

आतंकी उमर को पनाह देने वाला 7वां आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता

नई दिल्ली : राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने 10 नवंबर को लाल किले के बाहर हुए भीषण कार बम धमाके के मामले में एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। हरियाणा के फरीदाबाद जिले के धौज क्षेत्र का रहने वाला सोयब अहमद इस केस में सातवां गिरफ्तार आरोपी है। एनआईए के अनुसार, सोयब ने मुख्य आरोपी आतंकवादी उमर उन नबी को धमाके से ठीक पहले सुरक्षित ठिकाना मुहैया कराया था और उसे लॉजिस्टिक सपोर्ट भी दिया था। एनआईए की जारी प्रेस रिलीज के मुताबिक, केस नंबर आर सी-21/2025/एनआईए/डीएलआई में पहले ही छह मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। इनमें आतंकी उमर उन नबी के करीबी साथी शामिल हैं, जो धमाके की पूरी साजिश में सक्रिय भूमिका निभा रहे थे। सोयब की गिरफ्तारी के बाद अब जांच का दायरा और व्यापक हो गया है।

एजेंसी के प्रवक्ता ने बताया कि सोयब ने उमर को न केवल अपने घर में पनाह दी थी, बल्कि उसे विस्फोटक सामग्री पहुंचाने, सुरक्षित रास्ते बताने और फरार होने में भी मदद की थी। उसकी लोकेशन और कॉल डिटेल्स की जांच से कई चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। एनआईए को शक है कि सोयब का ताल्लुक किसी बड़े आतंकी नेटवर्क से भी हो सकता है।

फिलहाल सोयब को दिल्ली लाया जा रहा है और उसे विशेष एनआईए अदालत में पेश किया जाएगा। एजेंसी ने 10 दिन की रिमांड की मांग की है ताकि उससे पूछताछ कर बाकी फरार आरोपियों तक पहुंचा जा सके।

एनआईए ने देश के कई राज्यों में छापेमारी तेज कर दी है। पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान में एक साथ सर्च ऑपरेशन चल रहे हैं।

बता दें कि दिल्ली में लाल किले के पास हुए आतंकी हमले में अब तक 13 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि कई लोग गंभीर रूप से घायल हैं। धमाका इतना शक्तिशाली था कि लाल किले के आसपास खड़ी कई गाड़ियां पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं और इलाके में अफरा-तफरी मच गई थी।

भारत-साउथ अफ्रीका ओडीआई से पहले विराट कोहली और क्विंटन डी कॉक पहुंचे रांची

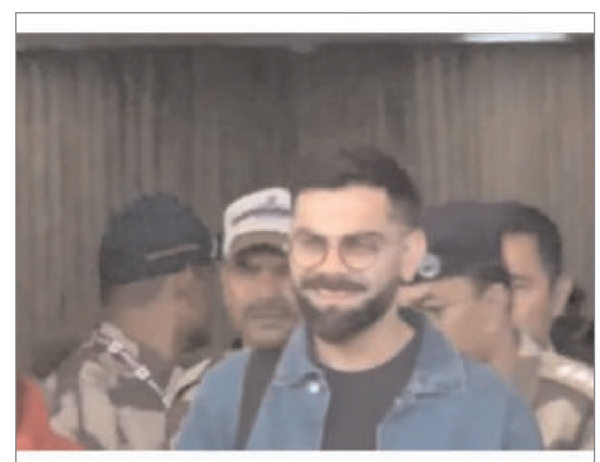

संवाददाता

रांची : रांची के खरउअ इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में आगामी 30 नवंबर को भारत और साउथ अफ्रीका के बीच रोमांचक ओडीआई मुकाबले होने वाला है। मैच से पहले टीम इंडिया के स्टार खिलाड़ी विराट कोहली रांची पहुंच चुके हैं। वहीं साउथ अफ्रीका के बल्लेबाज क्विंटन डी कॉक भी रांची आ चुके हैं। जहां जेएससीए के सदस्यों ने उनका स्वागत किया। हालांकि भारत और साउथ अफ्रीका टीम के बाकी सदस्य 27 नवंबर को चार्टर्ड प्लेन से रांची पहुंचेंगे।

ऑफलाइन टिकट की बिक्री जारी : इधर ओडीआई मुकाबले को लेकर शहर के क्रिकेट प्रेमियों का उत्साह चरम पर है। दर्शक टिकट खरीदने के लिए घंटों लाइन पर खड़े होकर अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं। टिकट की बिक्री के लिए कुल 6 काउंटर बनाए गए हैं। इनमें से एक काउंटर सिर्फ महिलाओं के लिए है, ताकि वो बिना किसी परेशानी के आसानी से टिकट ले सकें। टिकट की बिक्री सुबह 9 बजे से दोपहर 3 बजे तक होती है। ध्यान देने वाली यह है कि आपको गोद में लिए बच्चों के लिए भी टिकट लेना होगा। वहीं ऑनलाइन टिकट की बात करें तो कुल 6,500 टिकटों की बिक्री हुई है।

भीड़ को संभालने के लिए कड़ी सुरक्षा : टिकट खरीदने के लिए भारी संख्या में भीड़ जुट रही है, ऐसे में प्रशासन ने स्टेडियम में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं। स्टेडियम परिसर और आसपास के क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। भीड़ नियंत्रण के लिए बैरिकेडिंग की गई है। पार्किंग और प्रवेश मार्गों पर भी पुलिस की कड़ी निगरानी रखी जा रही है। टिकटों की कालाबाजारी रोकने के लिए विशेष निगरानी मौजूद हैं।

संसद में संविधान दिवस 2025 कार्यक्रम

राष्ट्रपति ने नौ भाषाओं में संविधान का अनुवादित संस्करण जारी किया

नई दिल्ली: संविधान दिवस 2025 आज है। संविधान को अपनाने की 76वीं वर्षगांठ है। 26 नवंबर, 1949 को भारतीय संविधान सभा ने औपचारिक रूप से संविधान को अपनाया जो 26 जनवरी, 1950 को लागू हुआ। यह दिन केंद्र सरकार द्वारा लोकतंत्र, न्याय और समानता के सिद्धांतों के उत्सव के रूप में मनाया जाता है। इस अवसर पर संसद में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मलयालम, मराठी, नेपाली, पंजाबी, बोडो, कश्मीरी, तेलुगु, ओडिया और असमिया समेत नौ भाषाओं में संविधान का अनुवादित संस्करण जारी किया। इस मौके पर उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला दोनों सदनों के संसद सदस्यों सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

नारी शक्ति बंधन अधिनियम महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास के एक नए युग की शुरूआत करेगा: राष्ट्रपति : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा, 'तीन तलाक से जुड़ी सामाजिक बुराई को खत्म करके, संसद ने हमारी बहनों और बेटियों के सशक्तिकरण और सामाजिक न्याय की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाए। देश के आर्थिक एकीकरण को बढ़ावा देने के लिए, आजादी के बाद सबसे बड़ा टैक्स सुधार, गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स लागू किया गया। आर्टिकल 370 को हटाने से वह रुकावट दूर हुई जो देश के पूरे राजनीतिक एकीकरण में रुकावट डाल रही थी। नारी शक्ति बंधन एक्ट महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास के एक नए युग की शुरूआत करेगा। इस साल, 7 नवंबर से हमारे राष्ट्रगान, वंदे मातरम की रचना के 150 साल पूरे होने के मौके पर पूरे देश में एक कार्यक्रम हो रहा है।'

पीएलआई स्कीम ग्लोबल मैन्युफैक्चरर को 'मेक इन इंडिया' की ओर कर रही आकर्षित : पीएम

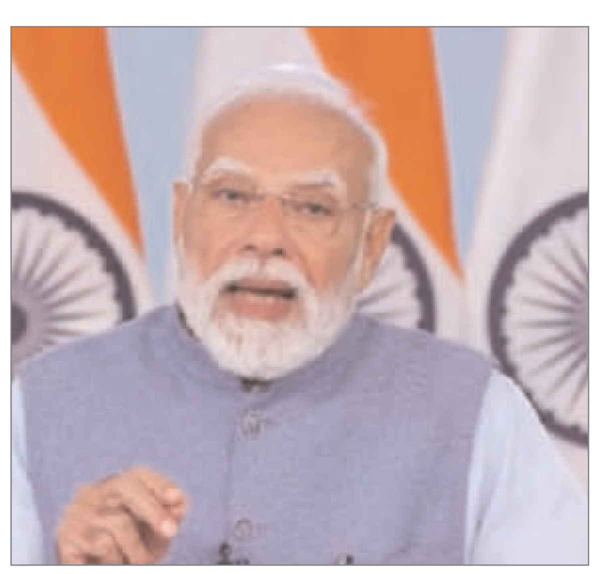

नई दिल्ली : पीएम मोदी ने बुधवार को कहा कि भारत ने दुनिया को संदेश दिया है कि देश निवेश और इनोवेशन का स्वागत करता है। उन्होंने कहा कि पीएलआई स्कीम ने ग्लोबल मैन्युफैक्चरर को 'मेक इन इंडिया' की ओर आकर्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। बीते 11 वर्षों में 40 हजार से अधिक अनुपालनों को कम किया गया है। नेशनल सिंगल विंडो सिस्टम ने अनेकों अप्रोच को एक ही प्लेटफॉर्म पर ला दिया है। पीएम मोदी ने हैदाराबाद में सफ्रान एयरक्राफ्ट इंजन सर्विसेज इंडिया (एसएईएसआई) फैसिलिटी के उद्घाटन पर अपने वर्चुअल संदेश में कहा, आज का भारत केवल बड़े सपने नहीं देख रहा, बड़े फैसले ले रहा है और उनसे भी बढ़कर बड़ी उपलब्धियां हासिल कर रहा है। भारत का फोकस ईज ऑफ डूइंग बिजनेस पर है। उन्होंने कहा कि आज से भारत का एविएशन सेक्टर एक नई उड़ान भरने जा रहा है। सफ्रान की नई फैसिलिटी भारत को एक ग्लोबल एमआरओ हब के रूप में स्थापित करेगी। हाई टेक और एयरो स्पेस की दुनिया में युवाओं के लिए नए अवसरों को पेश करेगी।

उन्होंने कहा कि वैश्विक निवेश और उद्योगों को आकर्षित करने के लिए स्वतंत्र भारत में कुछ बड़े सुधार किए गए हैं। अर्थव्यवस्था के दरवाजे खोले गए हैं, फंडामेंटल को मजबूत किया गया है और बिजनेस को आसान बनाया गया है।

पीएम मोदी के अनुसार, डिफेंस जैसे सेक्टर जहां पहले प्राइवेट सेक्टर की जगह नहीं थी वहां भी अब 74 प्रतिशत तक एफडीआई ऑटोमेटिक रूट से संभव हो गया है। स्पेस सेक्टर में बड़ी अप्रोच अपनाई गई है।

उन्होंने कहा, भारत के एविएशन सेक्टर में तेजी से विस्तार के चलते मेनटेनेंस, रिपेयर और ओवरहॉल (एमआरओ) की सुविधाओं की जरूरतें बढ़ रही हैं। भारत की एयरलाइन कंपनियों ने 1500 से ज्यादा एयरक्राफ्ट का ऑर्डर दिया है।

उन्होंने बताया कि भारत का 85 प्रतिशत एमआरओ का काम देश की सीमाओं के बाहर हो रहा था। जिससे खर्च बढ़ता था, समय भी अधिक लगता था और एयरक्राफ्ट लंबे समय तक ग्राउंडेड रहते थे। यह स्थिति भारत जैसे विशाल एविएशन मार्केट के लिए सही नहीं थी। इसलिए भारत सरकार दुनिया के एक बड़े एमआरओ केंद्र को तैयार कर रही है। उन्होंने कहा, सफ्रान की ग्लोबल ट्रेनिंग और नॉलेज ट्रांसफर और भारत के संस्थानों के साथ साझेदारी से देश में एक ऐसा वर्कफोर्स तैयार होगा, जो आने वाले समय में पूरे एमआरओ इकोसिस्टम को नई गति और दिशा देगी। इस फैसिलिटी से दक्षिण भारत के नौजवानों के लिए रोजगार के अवसर पैदा होंगे।

पीएम मोदी ने बताया कि देश शिपिंग से जुड़े एमआरओ, इकोसिस्टम पर भी एक बड़े पैमान पर काम कर रहा है।

उन्होंने सफ्रान की टीम से आग्रह किया कि वे भारत में एयरक्राफ्ट इंजन और कंपोनेंट डिजाइन की संभावनों की भी तलाश करें। जिसमें एमएसएमई का बहुत बड़ा नेटवर्क और युवा टैलेंट पूल उनकी मदद करेगा।

उन्होंने सफ्रान की टीम से कहा, मैं चाहूंगा कि आप प्रपोल्शन डिजाइन और मैन्युफैक्चरिंग के लिए भी भारत के टैलेंट का इस्तेमाल करें।

समाचार सार

खूंटी के जागु गांव में भीषण आग से किसान की उम्मीदें हुई राख

खूंटी : खूंटी के जागु बारकुली में मंगलवार, 25 नवंबर की दोपहर स्थानीय किसान सेम धनवार के लिए एक भयावह सपना लेकर आई, जब उनके खलिहान में रखा उनका सालभर का मेहनत से जुटाया धान और पुआल का ढेर देखते-ही-देखते आग की भेंट चढ़ गया। इस घटना से किसान को हजारों रुपये की आर्थिक क्षति के साथ-साथ एक गहरे संकट का सामना करना पड़ रहा है। दोपहर करीब 3 बजे अचानक खलिहान में लगी आग की सूचना मिलते ही गाँव के लोग सहायता के लिए जुट गए। उन्होंने धान के ढेर पर पानी डालकर आग पर काबू पाने का भरसक प्रयास किया। लेकिन तेज हवा के कारण आग की लपटें तेजी से फैलती चली गईं। ग्रामीणों के सामने बस कुछ ही पलों में धान और पुआल का पूरा ढेर जलकर राख का ढेर बन गया और उनकी सारी मेहनत पर पानी फिर गया। यह घटना किसान सेम धनवार और उनके परिवार के लिए दोहरी मुसीबत लेकर आई है। एक ओर जहाँ जलने वाला धान उनके पूरे परिवार के लिए वार्षिक खाद्यान्न का स्रोत था, वहीं पुआल के जलने से उनके मवेशियों के लिए चारे का गंभीर संकट पैदा हो गया है। ऐसे में परिवार के सामने अब अनाज और अपने पशुओं के लिए चारे का इंतजाम एक बड़ी चुनौती बनकर खड़ा हो गया है। इस विनाशकारी घटना के पीछे का सही कारण अभी तक एक रहस्य बना हुआ है। आग कैसे लगी, इस बारे में कोई जानकारी नहीं मिल सकी है। ग्रामीण इस घटना से स्तब्ध और चिंतित हैं। आग लगने की सूचना मिलते ही समाजसेवी एवं मुखिया पति शुकरा मुंडा तुरंत घटनास्थल पर पहुँचे और पीड़ित परिवार से मिलकर पूरे मामले की जानकारी ली। इस संकट की घड़ी में, पीड़ित परिवार ने क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों का ध्यान इस ओर खींचा है और सरकारी सहायता या आर्थिक मदद पहुँचाने की गुहार लगाई है, ताकि वह इस आपदा से उबर सके और अपने परिवार और पशुओं के लिए फिर से जीवन की व्यवस्था कर सके।

भीम ने लॉन्च किया यूपीआई सर्कल फुल डेलीगेशन फीचर

रांची : नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया की सहायक कंपनी एनबीएसएल ने भीम भुगतान ऐप पर नया ह्ययूपीआई सर्कल फुल डेलीगेशनह्न फीचर शुरू किया है। इसके तहत उपयोगकर्ता अपने भरोसेमंद संपर्कों को पंद्रह हजार रुपये तक के मासिक भुगतान की अनुमति दे सकते हैं। यह सुविधा परिवारों, आश्रितों और कर्मचारियों के बीच साझा वित्तीय प्रबंधन को आसान बनाती है। प्राथमिक उपयोगकर्ता खर्च सीमा और वैधता अवधि तय कर सकेंगे, जबकि सभी लेनदेन पर पूरा नियंत्रण और पारदर्शिता बनी रहेगी। एनबीएसएल की प्रबंध निदेशक ललिता नटराज ने कहा कि यह फीचर भारतीय परिवारों और व्यवसायों की भरोसे पर आधारित व्यवस्था को डिजिटल रूप में और सशक्त करेगा। नया फीचर अब भीम भुगतान ऐप के नवीन संस्करण पर उपलब्ध है, जिसमें खर्च विभाजन, परिवार मोड और नया उपयोगकर्ता इंटरफेस जैसी सुविधाएँ भी शामिल हैं।

दिसंबर माह में जिले के स्कूलों में सहायक आचार्य का होगा पदस्थापन

हजारीबाग : जिले के सरकारी प्राइमरी और मिडिल स्कूलों में शिक्षकों की कमी कुछ हद तक दूर हो सकेगी। जिले में चार सौ से अधिक सहायक आचार्य का पदस्थापन दिसंबर माह में होने की संभावना है। इस वर्ष के अंत तक स्कूलों में शिक्षक योगदान कर लेंगे। बताया जाता है कि जिले के लिए आवंटित सहायक आचार्यो को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन 28 नवंबर को नियुक्ति पत्र देंगे। इसके बाद सहायक आचार्यो की पोस्टिंग के लिए डीडीसी की अध्यक्षता में जिला शिक्षा स्थापना समिति की बैठक होगी। बताया जाता है कि शिक्षकों की कमी का असर बच्चों की शिक्षा पर पड़ रही थी।

कई स्कूल ऐसे है जहां एक शिक्षक है। एक शिक्षक के भरोसे स्कूलों को संचालित किया जा रहा है। जिले के कई स्कूल ऐसे भी है जहां जितने क्लास है उतने शिक्षक नहीं हैं। ऐसे में एक साथ दो या इससे अधिक क्लास के बच्चों को एक ही कक्षा में पढ़ाना पड़ता है। ऐसे में बच्चों की पढ़ाई का सहज अंदाजा लगाया जा सकता है। शिक्षकों की कमी होने से अभिभावक अपने बच्चों को सरकारी स्कूल में पढ़ाने से बचते है। इसका असर भी स्कूलों पर देखा जा रहा है। यदि आस-पास प्राइवेट स्कूल है और अभिभावक की आर्थिक स्थिति ठीक है तो वह अपने बच्चों का नामांकन प्राइवेट स्कूल में ही कराना चाहते है। सरकारी स्कूलों में बच्चों का नामांकन और उनकी दैनिक उपस्थिति से अंदाजा लगाया जा सकता है कि सरकारी स्कूल का हालत क्या है। अभिभावकों का कहना है कि सरकारी स्कूलों में पठन-पाठन में सुधार हो इसके लिए सरकार के स्तर से प्रयास करना चाहिए। शिक्षा विभाग को इसकी नियमित समीक्षा करने की जरूरत है।

शिविर में लोगों को मिला सरकारी योजनाओं का लाभ

विष्णुगढ़ : आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम के तहत मंगलवार को विष्णुगढ़ प्रखंड के नवाद, मड़मो तथा जोबर पंचायत में शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने को लेकर संबंधित दर्जनों हेल्प डेस्क बनाए गए थे। तीनों शिविरों में सबसे अधिक भीड़भाड़ मईयां सम्मान योजना का लाभ लेने को लेकर रही। नवादा में इस योजना के तहत 430 आवेदन आए। वहीं, मड़मो में 540 तथा जोबर में 550 आवेदन आए। इसके बाद सबसे अधिक आवेदन आय, जाति एवं आवासीय प्रमाण पत्र बनाने को लेकर रही। आय प्रमाण पत्र के लिए जोबर में 373, नवादा में 66, मड़मो में 196, आवासीय के लिए नवादा में 85, जोबर में 371, मड़मो में 186 तथा जाति प्रमाण पत्र के लिए नवादा में 88, जोबर में 373 तथा मड़मो में 199 आवेदन स्वीकार किए गए। वहीं, अबुआ आवास योजना को लेकर भी लोगों में काफी दिलचस्पी रही। नवादा में अबुआ आवास के लिए 210, मड़मो में 260 तथा जोबर में 155 लोगों ने आवेदन दिए। इसके अलावा आपूर्ति विभाग में राशन कार्ड, स्वास्थ्य विभाग, मनरेगा में जॉब कार्ड, पशुपालन, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, राजस्व रसीद के अलावा अन्य कई विभागों में भी लोगों ने बड़ी संख्या में योजना के लाभ के लिए आवेदन सौंपा। शिविर में खाद्य एवं आपूर्ति विभाग द्वारा धोती-साड़ी का वितरण भी किया गया। विष्णुगढ़ बीडीओ अखिलेश कुमार ने बताया कि बुधवार को प्रखंड के बनासो, अचलजामो तथा सिरय पंचायत में शिविर का आयोजन किया जाएगा। जिसमें लोग सरकारी योजनाओं का लाभ के लिए आवेदन दे सकते हैं।

झारखंड की परंपरा व संस्कृति को निभा रही है डांस झारखंड

रांची : झारखंड की सभ्यता, झारखंड की संस्कार ,झारखंड की माटी और झारखंड के परंपराएं के साथ चल रही है डांस झारखंड पलास ऑडिटोरियम में हुए कार्यक्रम में भाव रंगारंग कार्यक्रम झारखंड के कौन-कौन से आय हुए विभिन्न बच्चे । जिन्होंने अद्भुत हाय रे हमर सोना झारखंड में सभी का मनमोहन लिया ,पूर्व केंद्रीय मंत्री सुभदकांसाही जी ने कहा यह हमारी परंपरा है यह हमारा स्थान है और हमारा कलाकार ही झारखंड को एक पहचान की ओर ले जा रहा है जिससे हमें नहीं देश-विदेश से आए हुए सभी लोग बढ़-कर कर हिस्सा ले रहे हैं वहीं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दीपक प्रकाश जी ने समिति के डांस झारखंडी संचालक श्री राम जी को साल भेंट और मोमेंटो देकर सम्मानित किया ।साथी साथ सभी बच्चों को सर्टिफिकेट चीन देकर उन्हें पुरस्कृत किया ।

शहीद सोबरन सोरेन के शहादत दिवस समारोह में शिरकत करेंगे सीएम हेमंत

डीसी-एसपी ने कार्यक्रम स्थल का किया निरीक्षण

संवाददाता

रामगढ़ : दिवंगत दिशोम गुरु शिबू सोरेन के पिता और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के दादा सोबरन सोरेन का 68वां शहादत दिवस रामगढ़ जिले के गोला प्रखंड के बरलंगा लुकैयाटांड़ में 27 नवंबर को मनाया जाएगा। प्रत्येक वर्ष शहादत दिवस पर नेमरा गांव अंतर्गत लुकैयाटांड़ में कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। जिसमें हजारों की संख्या में लोग श्रद्धांजलि देने के लिए पहुंचते है। 27 नवंबर को सोबरन सोरेन के शहादत दिवस पर सूबे के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, गांडेय विधायक कल्पना सोरेन सहित कई विधायक और नेता शिरकत करेंगे। कार्यक्रम को लेकर भव्य पंडाल बनाया जाएगा। साथ ही सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएंगे। इसे लेकर मजिस्ट्रेट के साथ-साथ पुलिस बलों की तैनाती की जाएगी।

डीसी और एसपी ने किया कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण : गोला प्रखंड के लुकैयाटांड़ बरलंगा में प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर रामगढ़ डीसी फैज अक अहमद मुमताज, एसपी अजय कुमार के साथ जिले के तमाम पदाधिकारी के साथ जेएमएम के जिला अध्यक्ष ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया। जिसमें अतिथियों और आम लोगों के लिए बैठने की व्यवस्था, मंच, डी एरिया, हेलीपैड, पार्किंग व्यवस्था सहित कार्यक्रम के दौरान स्थल पर आवश्यक मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित करने सहित अन्य दिशा निर्देश दिए गए।

सुरक्षा के मद्देनजर एसपी ने दिए कई निर्देश : साथ ही साथ एसपी अजय कुमार ने भी मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर सुरक्षा के मद्देनजर शहीद स्थल, कार्यक्रम स्थल, हेलीपैड और अन्य महत्वपूर्ण स्थलों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सामान्य पार्किंग, वीआईपी पार्किंग, यातायात व्यवस्था, शहीद स्थल के समीप सुरक्षा, मंच और आसपास की सुरक्षा, डी एरिया, पब्लिक दीर्घा, प्रवेश और निकास द्वार, मुख्यमंत्री के नेमरा आवास का मुख्य द्वार और आसपास, हेलिपैड सुरक्षा, आवास के पास स्थित पहाड़ों की श्रृंखला पर पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था के दिशा निर्देश दिए हैं।

कौन थे सोबरन सोरेन : सोबरन सोरेन दिवंगत दिशोम गुरु शिबू सोरेन के पिता और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के दादा थे। सोबरन सोरेन पेशे से शिक्षक थे और उस दौरान जमींदारी प्रथा का विरोध करते थे। उन्होंने महाजनी शोषण और गांव में शराबबंदी के खिलाफ आवाज उठायी थी। तब पूरे इलाके में महाजनों का ही राज था। जमींदारों ने उनकी हत्या 27 नवंबर 1957 को लुकैयाटांड़ में कर दी थी।

बताया जाता है कि जिस वक्त सोबरन सोरेन की हत्या हुई थी वह अपने गांव नेमरा से गोला हाई स्कूल जा रहे थे। उस वक्त दिशोम गुरु शिबू सोरेन स्कूल के हॉस्टल में रह कर पढ़ाई कर रहे थे। शहीद सोबरन सोरेन उनके लिए चावल लेकर जा रहे थे। इसी दौरान पहाड़ी क्षेत्र लुकैयाटांड़ में घेर कर सोबरन सोरेन की महाजनों ने हत्या कर दी थी। उनकी याद में सोबरन सोरेन का शहादत दिवस इसी स्थान में हर वर्ष मनाया जाता है। जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धांजलि देने के लिए लोग पहुंचते हैं और एक बड़ा कार्यक्रम आयोजित किया जाता है।

पलामू में बच्चे को पिस्टल सटा कर लूटपाट करने वाले 3 गिरफ्तार

किराएदार बन कर रहा था आरोपी

संवाददाता

पलामू : जिले के मेदिनीनगर टाउन क्षेत्र के छेछानी टोला में 18 नवंबर को अपराधियों ने एक बच्चे की कनपटी में पिस्टल सटा कर लूट की घटना को अंजाम दिया था। इस घटना में शामिल तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जबकि एक नाबालिग को निरुद्ध किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों के पास से पुलिस ने लूट के सभी सोने के जेवरात को बरामद कर लिया है।

18 नवंबर को घटना को दिया था अंजाम : 18 नवंबर को पलामू के रेडमा के छेछानी टोला के इलाके में पूनम तिवारी के बच्चों को पिस्तौल सटाकर अपराधियों ने सोने के जेवरात एवं अन्य सामग्री को लूट लिया था। इस घटना का मास्टरमाइंड पूनम तिवारी के घर में रहने वाला किराएदार ही निकला है। किराएदार ने ही लूट की योजना तैयार की थी और घटना को अंजाम दिया था। पुलिस ने पूरे मामले में कार्रवाई करते हुए पलामू के चैनपुर थाना क्षेत्र के बंदुआ के रहने वाले राजकुमार, सचिन कुमार और विशाल कुमार नामक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

पीड़ित के घर किराए पर रहते थे आरोपीः एसपी : एसपी रीष्मा रमेशन ने बताया कि विशाल कुमार नामक आरोपी पीड़ित के घर में किराएदार के रूप में रहता था। विशाल कुमार ऑटो चलाता है और उसने ही अपने साथियों के साथ मिलकर घटना को अंजाम दिया था। घटना में शामिल राजकुमार नामक आरोपी का आपराधिक इतिहास रहा है और आधा दर्जन से अधिक घटनाओं का आरोपी है। वो हत्या और लूट समेत कई बड़े घटनाओं में शामिल रहा है।

एसपी ने बताया कि पलामू के इलाके में लगातार खबर आ रही है कि कई लोग किराएदार का सत्यापन नहीं करवा रहे हैं। कई घटनाओं में बाहर के गैंग की भूमिका निकलकर सामने आ रही है। छापेमारी अभियान में टाउन थाना प्रभारी ज्योति लाल रजवार, सब इंस्पेक्टर बालकृष्ण, संतोष गुप्ता, अनंत कुमार सिंह और एएसआई संदीप राम शामिल थे।

पुलिस अधीक्षक ने की समीक्षा बैठक, दिये कई दिशा-निर्देश

चतरा : पुलिस अधीक्षक कार्यालय चतरा में पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार अग्रवाल ने बुधवार को वीडियों कॉन्फ्रेसिंग के माध्यम से लंबित वारंट/कुर्की, कोर्ट परिवाद, पोस्ट-पिकेट की समीक्षा की। इसके अलावा सड़क दुर्घटनाओं से संबंधित लंबित कांडों की प्रविष्टि ईडीएआर में एवं सीईआईआर पोर्टल की क्रियान्वयन की भी समीक्षा की। समीक्षा के क्रम में पुलिस अधीक्षक ने निर्देश दिया कि फेज 01,02 एवं 03 में टॉरगेटेड वादो में सभी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिस उपाधीक्षक टॉरगेटेड वादो का निष्पादित कर सप्ताहिक रिपोर्ट उपलब्ध करायें तथा कोर्ट परिवाद 156(3) से लंबित मामलों को प्राथमिकता के आधार पर निष्पादित करें। बैठक में सभी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी/पुलिस उपाधीक्षक के साथ पुलिस पोस्ट/पिकेटो का समीक्षा की गई। बैठक में सड़क दुर्घटनाओं से संबंधित लंबित कांडों को ई डीएआर में ऑनलाईन प्रविष्टि कराना सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया गया।साथ ही निष्पादित दिखाये गये कांडों को आईआईएफ वी में अद्यतन व सभी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, पुलिस उपाधीक्षक(मु) को इस संबंध में प्रतिदिन अद्यतन प्रतिवेदन समर्पित करने का निर्देश दिया गया। समीक्षा बैठक में पुलिस अधीक्षक ने इस बात पर भी जोर दिया कि चोरी या गुम हुए फोन को सीईआईआर पोर्टल के द्वारा बरामदगी के दिशा में अग्रतर कार्रवाई करें। साथ ही साथ समकालीन अभियान चलाकर लंबित वारंट/कुर्की का निष्पादन एवं सड़क सुरक्षा के प्रति लोगो में जागरूकता अभियान चलाने का दिशा-निर्देश दिया गया।बैठक में जिला के सभी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी/पुलिस उपाधीक्षक(मु)/पुलिस निरीक्षक एवं सभी थाना प्रभारी/ओपी प्रभारी/परिचारी एवं संबंधित शाखा के पदाधिकारी उपस्थित थे।

सड़क किनारे मिला अधेड़ का शव

चतरा : जिले के सदर थाना क्षेत्र अंतर्गत उटा मोड़ स्थित लक्ष्मणपुर सड़क के किनारे सोमवार की देर रात एक 45 वर्षीय अधेड़ का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान भूपेंद्र कुमार यादव पिता स्व. बालदेव यादव के रूप में हुई है। मृतक के भतीजे टिंकू यादव ने बताया कि भूपेंद्र शराब का सेवन करते थे। कल शाम वह नशे की हालत में सड़क किनारे पड़े थे, जिसे उठाकर टिंकू ने किनारे सुला दिया था। हालांकि, आधे घंटे बाद उन्हें चाचा की हत्या की सूचना मिली। टिंकू यादव ने आरोप लगाया कि उनके चाचा के सिर को पत्थर से कुचला गया है। उन्होंने आपसी दुश्मनी के चलते हत्या किए जाने की आशंका जताई है, क्योंकि कुछ दिन पहले भूपेंद्र का किसी से नोकझोंक हुआ था। सदर थाना प्रभारी विपिन कुमार ने बताया कि उन्हें सोमवार की रात करीब दस बजे एक व्यक्ति का शव होने की सुचना प्राप्त हुई थी। पुलिस ने शव को बरामद करते हुए पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। उन्होंने कहा कि मामला जांच के दायरे में है और परिजनों के बयान लिए जा रहे हैं। जांच के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

35 वाहिनी सशस्त्र सीमा बल ने निकाली जन जागरूकता रैली

चतरा : सशस्त्र सीमा बल चतरा के द्वारा सार्वजनिक संपत्ति हमारी जिम्मेदारी, विषय पर लोगों को जागरूक कराने के लिए चतरा महाविद्यालय चतरा के छात्राओं के साथ रैली निकाली गई। जागरूकता रैली का आयोजन एसएसबी के द्वितीय कमान अधिकारी रमेश कुमार के दिशा-निर्देशानुसार पर किया गया। इसमें गृह मंत्रालय के निर्देश के अनुसार नागरिकों में नागरिक भावना, व्यवहार में सुधार लाने और उनमें सार्वजनिक संपत्ति के प्रति जिम्मेदारी की भावना पैदा करने के लिए एक सप्ताह तक जागरूकता अभियान चलाया गया। स्थानीय सार्वजनिक सम्पत्ति की जिम्मेदारी हमारी को लेकर जागरुकता अभियान में चतरा महाविद्यालय के प्रो विवेक आशीष बाखला, प्रो डॉ एल्विन बाखला, प्रो अतुल अनुराग तुर्की, प्रो बी राम, प्रो चंद्रकांत कमल, रवि मित्तल आदि शिक्षकों, छात्राओं एवं सशस्त्र सीमा बल के बल कर्मिको की उपस्थिति रही। जागरुकता रैली में स्कूली बच्चों व शिक्षकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। अभियान के उद्देश्य था लोगों को स्वास्थ्य, शिक्षा, और सामाजिक मुद्दों के बारे में जागरूक करना।

एकता कमेटी ने किया भोजन का वितरण

रांचीः भारतीय एकता कमेटी सामाजिक संस्था के तत्वाधान में संस्थापक अध्यक्ष गुलाम मुस्तफा ने करबला टैंक रोड नियर संत मारिया गिरजाघर के पास कई जरूरतमंद और भिक्षा मांगने वालों को भोजन का पैकेट वितरण किया। इस अवसर पर गुलाम मुस्तफा ने कहा की मानवता की सेवा ही सबसे बड़ी सेवा है। मैं सभी संपन्न लोगों से अपील करता हूं के मानवता इंसानियत के लिए गरीब, बीमार व जरूरतमंद लोगों के लिए सेवा का कार्य करते रहिए। यही हमारी आप सभी से अपील है। सब कुछ यही पड़ा रह जाएगा जब इंसान इस दुनिया को छोड़कर चला जाएगा। इसलिए नेक काम शुभ कार्य को करते रहिए इन शुभ कार्य को कभी भी छोटा मत समझिए यह बहुत बड़ा काम है कोई भूखा ना रहे सभी के पास खाना पहुंचाया जाए बीमार लोगों को दवा दीजिए जो प्यासा है उसको अपनी पिलाइए बहुत बड़ा शुभ कार्य है अभी ठंड का मौसम चल रहा है सभी संपन्न लोग जरूरतमंद लोगों को कंबल वितरण कीजिए।

महिला थाना ने चलाया जागरूकता अभियान

छात्राओं को लैंगिक अपराध, डायल 112, साइबर हेल्पलाइन 1930 तथा सड़क सुरक्षा के बारे में दी जानकारी

चतरा : पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार अग्रवाल के निर्देश पर महिला थाना प्रभारी सुषमा कुमारी ने राज्य संपोषित बालिका उच्च विद्यालय, चतरा का भ्रमण कर छात्राओं को महिला सुरक्षा एवं सामाजिक जागरूकता से संबंधित विषयों पर विस्तृत रूप से जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं को लैंगिक अपराध, घरेलू हिंसा एवं महिला उत्पीड़न से संबंधित कानूनों के बारे में जागरूक किया गया। साथ ही उन्हें यह भी बताया गया कि किसी भी प्रकार की आपात स्थिति या घटना की सूचना तुरंत डायल 112 पर दें, ताकि पुलिस द्वारा शीघ्र सहायता प्रदान की जा सके।महिला थाना प्रभारी ने छात्राओं को सड़क सुरक्षा से जुड़े आवश्यक नियमों का पालन करने की सलाह दी तथा उनके महत्व के बारे में विस्तार से समझाया। इसके अतिरिक्त, बढ़ते साइबर अपराधों के मद्देनजर डायल 1930, राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन के उपयोग के बारे में भी विस्तृत जानकारी दी गई। छात्राओं को यह सलाह दी गई कि किसी भी प्रकार के लालच में आकर अंजान लिंक पर क्लिक न करें, अंजान नंबरों से आए कॉल का उत्तर न दें और किसी के साथ अपना ओटीपी, बैंक विवरण या अन्य संवेदनशील जानकारी साझा न करें। कार्यक्रम के अंत में वरीय पदाधिकारियों के संपर्क नंबर उपलब्ध कराते हुए छात्राओं को आश्वस्त किया गया कि किसी भी प्रकार की समस्या या अपराध की स्थिति में वे तुरंत महिला थाना, डायल 112 या उपलब्ध कराए गए वरीय पदाधिकारियों के नंबरों पर संपर्क करें।

अल्पसंख्यक आयोगः जब रखवाले ही सो जाए तो दर्द कौन सुनेगा : गुलाम शाहिद

रांचीः झारखंड में अल्पसंख्यक समुदाय जिन हालातों से गुजर रहा है, वह किसी लोकतांत्रिक राज्य की सूरत पर सवालिया निशान लगाता है। लेकिन सबसे बड़ी विडंबना यह है कि जिन अधिकारों, आवाजों और समस्याओं को उठाने के लिए झारखंड अल्पसंख्यक आयोग बनाया गया था, वही आयोग आज सफेद हाथी बनकर खड़ा है—भारी-भरकम, खचीर्ला और पूरी तरह निष्क्रिय। राज्यभर में वक्फ संपत्तियों को उम्मीद पोर्टल पर अपलोड करने का हड़कंप मचा हुआ है। समुदाय में भय और भ्रम है। मगर आयोग के जिम्मेदारों के कान पर जूं तक नहीं रेंग रही। क्या आयोग का काम सिर्फ नाम भर का बोर्ड लगाकर बैठ जाना है? क्या यह संस्था सिर्फ प्रेस नोटों और बैठकों की फोटो खिंचवाने तक सीमित रह गई है?एसआईआर को लेकर अल्पसंख्यकों में दहशत है। 2003झ2023 की मदरसा आलिम-फाजिल डिग्रियों की मान्यता समाप्त करने की कोशिश की जा रही है। उर्दू के 3712 रिक्त पद बहाली का इंतजार करते-करते कब सरेंडर हो गए, किसी को पता ही नहीं चला। उर्दू स्कूलों का दर्जा धीरे-धीरे खत्म कर उन्हें सामान्य विद्यालयों में बदल दिया जा रहा है। क्या यह भाषा और संस्कृति को मिटाने की सोची-समझी शुरूआत है?यह सब कम था कि 10 जून 2022 की गोलीकांड घटना के पीड़ितों को आज तक न्याय नहीं मिला। मॉब लिंचिंग रोकथाम कानून अब भी फाइलों में धूल खा रहा है। और सबसे बड़ा सवाल—अल्पसंख्यक आयोग इन मुद्दों पर चुप क्यों है? किसके दबाव में है? या फिर इसकी संवेदनशीलता ही खत्म हो चुकी है?मुख्यमंत्री को इन सवालों का जवाब देना होगा। आयोग को जगाना होगा।क्योंकि जब रखवाले सो जाएँ, तो जंगलों में आग लगना तय है। अगर सरकार ने अब भी संज्ञान नहीं लिया, तो अल्पसंख्यक समुदाय अपने ही राज्य में खुद को अनाथ महसूस करेगा। और यदि हालात ऐसे ही बिगड़ते रहे, तो यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा कि झारखंड उस दिशा में बढ़ रहा है, जिसका अंजाम किसी को भी मंजूर नहीं—जहाँ उपेक्षा हक को दबा देती है और राज्य बिहार बनने की ओर फिसलता चला जाता है। अल्पसंख्यकों की चुप्पी उनकी कमजोरी नहीं, बल्कि व्यवस्था की विफलता है।अब वक्त है कि सत्ता जागे—वरना भरोसा टूटने में देर नहीं लगती।

भाजपा नेता सुनील कुमार सिंह भतीजे नवीन की शादी समारोह में शामिल होकर दी शुभकामनाएं

रांचीः भाजपा नेता सुनील कुमार सिंह बड़े भाई बिनोद सिंह के सुपुत्र एवम अपने भतीजे नवीन की शादी समारोह में शामिल होकर उनके सुखद वैवाहिक जीवन की शुभकामनाएं दी। नवीन कुमार सिंह (ग्राम रानी, पोस्ट थाना चौपारण, जिला हजारीबाग, झारखंड) निवासी श्री बिनोद सिंह एवं श्रीमती बेबी सिंह के सुपुत्र हैं जिनकी शादी (ग्राम परसावां, पोस्ट थाना ,, मयूरहंड, जिला चतरा, झारखंड) निवासी श्री मिथिलेश सिंह एवं श्रीमती आरती देवी की सुपुत्री सिमरन सिंह के साथ 22 नवंबर 2025 को सेलिब्रेशन बैंक्विट हॉल चौपारण, हजारीबाग में संपन्न हुई। उक्त शादी समारोह के मौके पर भाजपा नेता सुनील कुमार सिंह ने अपने भतीजे नवीन कुमार सिंह को आशीर्वाद दिया।

रांची समाहरणालय में सम्मान व उत्साह के साथ मनाई गई संविधान दिवस की प्लेटिनम जुबिली

रांची : रांची में संविधान दिवस की प्लेटिनम जुबिली (75वें वर्ष) हर्षोल्लास और गरिमा के साथ मनायी गयी. इस अवसर पर रांची समाहरणालय के ब्लॉक-अ के पोर्टिको क्षेत्र में कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसकी अध्यक्षता उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी मंजूनाथ भजंत्री ने की. इस दौरान भारतीय संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक पाठ किया गया।

संविधान में लिखे मूल्यों को अपनाएं : डीसी मौके पर उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने कहा कि भारतीय संविधान सिर्फ एक दस्तावेज नहीं, बल्कि यह हमारी लोकतांत्रिक परंपरा, समानता, न्याय और स्वतंत्रता का प्रतीक है. जरूरी है कि हम संविधान की प्रस्तावना में लिखे मूल्यों को अपने रोजमर्रा के कामों में अपनाएं.

कार्यक्रम में मौजूद अधिकारी : इस मौके पर उप विकास आयुक्त सौरभ भुवनिया, एडीएम (विधि-व्यवस्था) राजेश्वर नाथ आलोक, अपर समाहर्ता रामनारायण सिंह, डीआरडीए निदेशक सुदर्शन मुर्मू, आईटीडीए परियोजना निदेशक संजय कुमार भगत, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, आपूर्ति पदाधिकारी सहित कई अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

डोरंडा कॉलेज में जोरदार धमाका, मच गया हड़कंप

संवाददाता

रांची : रांची के एक प्रमुख कॉलेजों में शामिल डोरंडा कॉलेज परिसर में आज उस समय हड़कंप मच गया जब ब्लॉक-बी स्थित एक वॉशरूम (शौचालय) के भीतर एक जोरदार धमाका हुआ। घटना के बाद कॉलेज प्रशासन ने तुरंत कार्रवाई करते हुए स्थानीय डोरंडा थाने को इसकी सूचना दी है, जिसके बाद पुलिस टीम ने जांच शरू कर दी है। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. राजकुमार शर्मा ने इस अप्रत्याशित घटना की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि धमाके की आवाज जोरदार थी। डॉ. शर्मा के

अनुसार, यह धमाका किसी पटाखे के कारण भी हो सकता है।

इस मामले की जानकारी देते हुए प्राचार्य ने बताया कि इस घटना को अंजाम देने वाले संभावित आरोपियों को चिह्नित किया जा रहा है। उन्होंने तीन से चार लड़कों को संदेह के घेरे में रखा गया है। डॉ. शर्मा ने एक महत्वपूर्ण सुरक्षा खामी की ओर भी ध्यान दिलाया, जिसका फायदा आरोपियों ने उठाया। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिस तरफ वॉशरूम स्थित है, उधर कोई सीसीटीवी कैमरा नहीं लगा हुआ है। इस कारण, धमाका करते समय आरोपियों को सीधे कैमरे में कैद नहीं किया जा सका।

डोरंडा कॉलेज के ब्लॉक-बी वॉशरूम में हुए धमाके की पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। कॉलेज प्रशासन द्वारा दी गई सूचना के आधार पर पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए कैंपस में पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, शुरूआती जांच और धमाके के प्रकार को देखते हुए यह पुष्टि हुई है कि यह किसी व्यावसायिक या खतरनाक विस्फोटक का इस्तेमाल नहीं था। पुलिस ने बताया किसंभवतः किसी बड़े और तेज आवाज वाले पटाखे का इस्तेमाल किया गया होगा। जिससे वॉशरूम में उसकी आवाज गूंजने के कारण वह धमाके जैसा प्रतीत हुआ होगा। फिलहाल पुलिस हर बिंदू पर पूछताछ कर रही है।

कौशल विकास की आवश्यकता वर्तमान में सबसे अधिक हैः कुलपति

संवाददाता

रांची : राम लखन सिंह यादव कॉलेज, रांची का 53वां स्थापना दिवस मंगलवार को मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में रांची विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो धर्मेंद्र कुमार सिंह उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि इस कॉलेज ने शिक्षा की मजबूत नींव स्थापित की है और वर्षों से रांची विश्वविद्यालय के शैक्षणिक मानक को सशक्त किया है। कहा कि कौशल विकास की आवश्यकता वर्तमान में सबसे अधिक है। विद्यार्थियों और कॉलेज को समग्र विकास पर ध्यान देना चाहिए। कुलपति ने संस्थान के शिक्षकों और छात्रों के संयुक्त प्रयास की सराहना की और इसे विश्वविद्यालय का गौरव बताया। कॉलेज के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों- आशा किरण बारला, रामचंद्र सांगा, अमित ओहदार आदि को प्रोत्साहित किया।

विशिष्ट अतिथि रांची विश्वविद्यालय के सीसीडीसी डॉ प्रकाश झा ने कहा कि विश्वविद्यालय स्तर पर आयोजित कार्यक्रमों में इस कॉलेज के विद्यार्थी सक्रिय रहते हैं और हर आयोजन में सहयोग करने के लिए तत्पर मिलते हैं। उन्होंने इसे कॉलेज की एक मजबूत सांस्कृतिक और शैक्षणिक पहचान बताया। प्राचार्य डॉ विष्णु चरण महतो ने कॉलेज की उपलब्धियों और ग्रामीण पृष्ठभूमि से आनेवाले विद्यार्थियों की मेहनत और प्रतिभा को रेखांकित किया। प्राचार्य ने कहा कि यहां के विद्यार्थी पढ़ाई के साथ-साथ घर-परिवार की जिम्मेदारियां निभाते हुए भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हैं, जो इस संस्थान की सबसे बड़ी शक्ति है। मौके पर कई रंगारंग कार्यक्रम भी विद्यार्थियों ने प्रस्तुत किए गए। विशेष रूप से जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा विभाग की प्रस्तुति थी, जिसमें अलग अलग जनजातीय वेषभूषा व राज्यों की पारंपरिक वेषभूषा प्रतियोगिता हुई। कार्यक्रम में वैसे विद्यार्थियों को स्मृतिचिन्ह और प्रमाण पत्र प्रदान किए गए जिनकी अपने पिछले सेमेस्टर में शत-प्रतिशत उपस्थिति रही और जिन्होनें पढ़ाई के साथ पाठ्येतर कार्यक्रमों में भी अच्छा परफॉर्म किया। शिक्षकों व शिक्षकेतर कर्मचारियों के लिए म्यूजिकल चेयर व रस्साकशी प्रतियोगिता भी आयोजित हुई। संचालन डॉ सुबोध कुमार दास, डॉ पारुल खलखो ने किया। कार्यक्रम में डॉ जफर, आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन कोषांग की समन्वयक डॉ स्मिता किरण टोप्पो, बर्सर नीतु कुमारी, डॉ रीता कुमारी, कांति कुमारी, डॉ नीलू कुमारी, डॉ अहिल्या कुमारी, लवलिन होरो सहित अन्य शिक्षक व अन्य छात्र-छात्राएं मौजूद थे।

त्योहारों में उत्कृष्ट योगदान पर पांच रेलकर्मी सम्मानित

संवाददाता

रांची : रांची रेल मंडल की ओर से त्योहारों के दौरान उत्कृष्ट योगदान के लिए मंगलवार को पांच रेलकर्मियों को सम्मानित किया गया। मंडल कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) करुणा निधि सिंह ने रांची रेलवे स्टेशन के स्टेशन मैनेजर सतीश कुमार सिंह, चीफ कॉमर्शियल इंस्पेक्टर नीरज कुमार एवं संदीप कुमार, चीफ हेल्थ इंस्पेक्टर महेंद्र सिंह, और आरपीएफ पोस्ट रांची के प्रभारी शिशुपाल सिंह को प्रशस्ति-पत्र व नकद राशि देकर सम्मानित किया। सम्मानित किए गए इन रेलकर्मियों ने दीपावली एवं महापर्व छठ के मौके पर व्यस्ततम अवधि में रेल मदद प्लेटफॉर्म पर मिली शिकायतों में उल्लेखनीय कमी लाने में योगदान दिया था।

सभी ने यात्रियों की समस्याओं का त्वरित समाधान, समर्पण एवं उत्कृष्ट कार्यकुशलता का परिचय दिया। इस क्रम में सभी ने यात्रियों के लिए निर्बाध, सुरक्षित व संतोषजनक सेवाएं प्रदान कीं। सम्मान समारोह में अपर मंडल रेल प्रबंधक हेमराज मीणा, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सह मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शुचि सिंह, वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता राजीव रंजन, वरिष्ठ मंडल वित्त प्रबंधक लक्ष्मण कुमार, सहित कई अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद थे।

रांची नगर निगम ने दो होटलों का बैंक खाता फ्रीज करने की प्रक्रिया शुरू की

रांची : रांची नगर निगम की राजस्व शाखा ने होल्डिंग टैक्स नहीं भरने वाले दो प्रतिष्ठानों- होटल रेडियेंट और ए-वन गेस्ट हाउस के खिलाफ बड़ी कार्रवाई शुरू कर दी है। निगम द्वारा बताया गया कि 11 दिसंबर 2024 को झारखंड नगरपालिका संपत्तिकर निर्धारण एवं वसूली नियमों के तहत दोनों संस्थानों को नोटिस जारी किया गया था। इसके बाद 12 दिसंबर 2024 को दोनों धृतियों की मापी (मेजरमेंट) की गई और डिमांड की सुलभ प्रति भी अस्थायी धारकों को सौंप दी गई थी। इसके बावजूद दोनों द्वारा निगम कार्यालय में कोई भुगतान नहीं किया गया।

होटल रेडियेंट (होल्डिंग संख्याः 01400051 90000ए1) का बकाया राशि ?4,82,770 है। वहीं ए-वन गेस्ट हाउस (होल्डिंग संख्याः 0140005189000ए1) का बकाया राशि 2,04,096 है।

अब निगम की सख्ती : होल्डिंग टैक्स नहीं चुकाने पर नगर निगम ने झारखंड नगरपालिका अधिनियम 2011 की धारा 184 (ड़) के तहत दोनों धृतिधारकों के बैंक खाते और वित्तीय दस्तावेज फ्रीज करने के लिए लीड डेवलपमेंट मैनेजर को पत्र भेज दिया है।

नागरिकों से अपील : नगर निगम ने सभी नागरिकों से स्पष्ट अपील की है कि अपने होल्डिंग टैक्स का भुगतान समय पर करें, ताकि इस तरह की कड़ी कार्रवाई से बचा जा सके।

पड़ोसी के नाम पर 40 हजार की ठगी, केस दर्ज

रांची : रांची में हेसाग में रहने वाले अमित किरण प्रसाद का मित्र बनकर 40 हजार रुपए की ठगी कर ली गई है। इस संबंध में अमित ने साइबर क्राइम थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। उन्होंने पुलिस को बताया कि उनके पड़ोसी शैलेंद्र कुमार सिंह का 18 नवंबर को फोन हैक हो गया था। इसकी जानकारी उन्हें नहीं थी। किसी नंबर से उन्हें कॉल आया और शैलेंद्र बनकर बोला की उनका फोन-पे काम नहीं कर रहा है। उन्हें तुरंत 40 हजार रुपए की जरूरत है। इसके बाद उन्होंने संबंधित नंबर पर पैसे भेज दिए। बाद में उन्हें पता चला कि शैलेंद्र का फोन हैक हो गया है।

रांची नगर निगम का अवैध होर्डिंग्स के विरुद्ध अभियान

रांची : प्रशासक के निदेर्शानुसार रांची नगर निगम की टीम ने अवैध होर्डिंग्स के विरुद्ध कार्रवाई के लिए विशेष अभियान लगातार चलाया जा रहा है। इसी क्रम में सोमवार को नगर निगम की बाजार शाखा टीम द्वारा चर्च कॉम्प्लेक्स क े समीप, बहु बाजार चौक एवं भगवान बिरसा मुंडा बस टर्मिनल, खादगढ़ा क्ष ेत्र स े आठ अवैध होर्डिंग्स को काटकर हटाया गया। यह अभियान प्रतिदिन संचालित किया जाएगा तथा निगम क्षेत्रान्तर्गत लगाए गए सभी अवैध विज्ञापन पट्ट/होर्डिंग्स को हटाने के लिए कार्रवाई की जाएगी।

सदमा पंचायत में शिविर में पहुंचे वाणिज्य कर विभाग के सचिव

रांची : झारखंड सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और लाभुकों तक सेवाओं की त्वरित पहुँच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से ह्लआपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वारह्व कार्यक्रम अंतर्गत सेवा का अधिकार सप्ताह के तहत रांची जिले के विभिन्न प्रखंडों में जनसेवा शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में मंगलवार को ओरमांझी प्रखंड के सदमा पंचायत में आयोजित शिविर में सचिव, वाणिज्य कर विभाग, झारखंड सरकार श्री अमिताभ कौशल पहुंचे।

ग्रामीणों से सीधा संवाद, योजनाओं की विस्तृत जानकारी : शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। श्री अमिताभ कौशल ने लोगों से सीधा संवाद स्थापित करते हुए राज्य सरकार की प्रमुख योजनाओं की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने अबुआ आवास योजना, गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना, ग्राम गाड़ी योजना, मनरेगा, सामाजिक सुरक्षा पेंशन और अन्य कल्याणकारी योजनाओं की पात्रता, आवेदन प्रक्रिया तथा लाभ मिलने की प्रक्रिया को स्पष्ट रूप से समझाया। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य है कि प्रत्येक पात्र लाभुक बिना किसी मध्यस्थता या विलंब के योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकें।

ऑन-द-स्पॉट परिसंपत्ति वितरण, प्रसन्न नजर आये लाभुक : सचिव, वाणिज्य कर विभागअमिताभ द्वारा शिविर में कई योजनाओं के लाभुकों को मौके पर ही परिसंपत्तियाँ और स्वीकृति पत्र प्रदान किया गया। इसमें अबुआ आवास योजना, सामाजिक सुरक्षा पेंशन (वृद्धावस्था, निःशक्तजन, विधवा), सोना-सोबरन धोती-साड़ी योजना के तहत वस्त्र वितरण, दाखिल-खारिज शुद्धि प्रमाणपत्र तथा विभिन्न विभागों की अनुमोदन एवं स्वीकृति प्रतियाँ शामिल रहीं। ग्रामीणों ने प्रशासन द्वारा प्रदत्त इन त्वरित सेवाओं की सराहना की।

पात्र लाभुकों तक योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करना सर्वोच्च प्राथमिकता- श्री अमिताभ कौशल : सचिव ने शिविर स्थल पर उपस्थित विभिन्न विभागों के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए और कहा कि झारखंड सरकार की सभी योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ पात्र लाभुकों तक पहुँचना सुनिश्चित किया जाए।

उत्तर पश्चिम रेलवे
ई-निविदा सूचना
उप.मुख्य बिजली इंजी. (कारखाना), उत्तर पश्चिम रेलवे, अजमेर द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निचे दिए गए कार्य के लिए दी गयी तिथि को 15.00 बजे तक ई- निविदा आमंत्रित की जाती है। **1 निविदा संख्या** : EL/50/23/2025-26 **2 कार्य का नाम व स्थान** : Ajmer-Augmentation of Ancillaries shop with load Bearing Covered shed with solar panel including CMT lab Improvement and Digitization in HQ and Carriage workshop Ajmer. **3 अनुमानित लागत** रू 18218436.98/- **4 बयाना राशि** : रू. 241100/- **5 ई-निविदा बन्द होने की तिथि एवं समय** – 05.12.2025 at 15.00 Hrs एवं **ई-निविदा खोलने की तारीख एवं समय**– 05.12.2025 at 15.30 Hrs **6 वेबसाइट का ब्यौरा, जहां से ई-निविदा कि पूर्ण जानकारी प्राप्त कि जा सकती है** : **www.ireps.gov.in**
1506-DR/25
हमें /NWRailways NWRailways_पर फॉलो करें

उत्तर पश्चिम रेलवे
ई-निविदा आमन्त्रण सूचना
मंडल रेल प्रबन्धक, गति शक्ति, उत्तर पश्चिम रेलवे, जोधपुर द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से ई-निविदा के माध्यम से प्रचलित नियमो के अन्तर्गत निर्धारित प्रपत्रो में निविदा निम्न कार्यों के लिए क्रमानुसार आमंत्रित की जाती है– **ई-निविदा सूचना सं० 2025–26 : GSU-14 of 2025-26 कार्य का नाम व स्थान** : Appointment of Project Supervision service agency (PSSA) for providing project supervision services at various construction site/section in the jurisdiction of Chief Project Manager, Gati Shakri Unit, Jodhpur Division of North Western Railway **अनुमानित लागत रूपये** : 7,64,83,893.94 **बयाने की राशि रूपये**: 5,32,400.00 निविदा सूचना संख्या **GSU-14 of 2025-26** निविदा प्रस्तुत करने की तिथि **15.01.2026** को 15:00 बजे तक है। वेबसाईट का विवरण जहाँ पर ई-निविदा देखी व भरी जा सकती है – **www.ireps.gov.in**
1512-DR/25
हमें /NWRailways NWRailways_पर फॉलो करें

उत्तर पश्चिम रेलवे
खुली ई-निविदा सूचना
मण्डल रेल प्रबन्धक (बिजली) जयपुर द्वारा, भारत संघ के राष्ट्रपति के लिए तथा उनकी ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती है। **क्र सं.** 1. **एनआईटी संख्या** : ईल/जेपी/05आर–II/2024–25 **कार्य का नाम** : GSU-Electrical work in connection with development of Goods shed/Freight terminal with all facilities at Alwar Station. **अनुमानित लागत** : 2533256.84 **बयाना राशि** : 50700.00 **निविदा खोलने की तिथि** : 17.12.25 **क्र सं.** 2. **एनआईटी संख्या** : ईल/जेपी/05आर–II/2025–26 **कार्य का नाम** : JP Div.- Electrical work in connection with Augmentation of community hall at JP, FL, BKI and SIKR Station. **अनुमानित लागत** : 1764787.65 **बयाना राशि** : 35300.00 **निविदा खोलने की तिथि** : 17.12.25 **क्र सं.** 3. **एनआईटी संख्या** : ईल/जेपी/18आर/2025–26 **कार्य का नाम** : JP-Up gradation of infrastructure facilities in coaching Depot Jaipur . **अनुमानित लागत** : 9027700.85 **बयाना राशि** : 180600.00 **निविदा खोलने की तिथि** : 17.12.25 **क्र सं.** 4. **एनआईटी संख्या** : ईल/जेपी/49/2025–26 **कार्य का नाम** : JP Div.: Electrical work in connection with Improvement of PHOD colony, Rail Nikunj, tower colony at GTJT. **अनुमानित लागत** : 3322715.81 **बयाना राशि** : 66500.00 **निविदा खोलने की तिथि** : 17.12.25 **क्र सं.** 5. **एनआईटी संख्या** : ईल/जेपी/11आर–II/2025–26 **कार्य का नाम** : JP Div.: Replacement of overhead line network by underground cables over Jaipur division. **अनुमानित लागत** : 18859825.94 **बयाना राशि** : 244300.00 **निविदा खोलने की तिथि** : 15.12.25 **क्र सं.** 6. **एनआईटी संख्या** : ईल/जेपी/39आर–II/2025–26 **कार्य का नाम** : JP Gen : Rewiring of staff quarter on age cum condition basis over Jaipur division. **अनुमानित लागत** : 20760008.74 **बयाना राशि** : 253800.00 **निविदा खोलने की तिथि** : 15.12.25 **नोट** : **ई-निविदा की अंतिम तिथि एवं समय** : निविदा खोलने की तिथि को 15:00 बजे तक **ई-निविदा खोलने की तिथि एवं समय** : निविदा खोलने की तिथि को 15:00 बजे के बाद **सम्पूर्ण जानकारी के लिए वेबसाइट का पता** http://www.ireps.gov.in
1507-DR/25
हमें /NWRailways NWRailways_पर फॉलो करें

आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम

अब तक का सबसे बड़ा जनसेवा अभियान चलाया गया

संवाददाता

रांची : जिले में 'आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार' कार्यक्रम के विभिन्न स्थानों पर जनसेवा शिविरों का आयोजन किया गया। इसमें लाखों लोगों ने एक ही छत के नीचे पेंशन, आवास, धोती-साड़ी, दाखिल-खारिज, आधार-पैन, स्वास्थ्य सुविधाएं सहित सैकड़ों योजनाओं का लाभ लिया।

पूरे रांची जिले में ह्लआपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वारह्व कार्यक्रम के तहत अब तक का सबसे बड़ा जनसेवा अभियान चलाया गया।

ग्रामीण क्षेत्रों की पंचायतों से लेकर रांची नगर निगम के विभिन्न वार्डों तक कुल 100 से अधिक स्थानों पर सुबह से ही जनसेवा शिविर लगाए गए, जहाँ लोगों की भारी भीड़ देखी गई।

एक ही छत के नीचे 20 से अधिक विभागों की योजनाओं की जानकारी, आवेदन, स्वीकृति एवं मौके पर ही परिसंपत्ति वितरण की सुविधा उपलब्ध होने से लोगों में उत्साह का माहौल रहा। सुबह 10 बजे से शुरू हुए शिविर शाम तक चलते रहे और हजारों लाभुकों के चेहरों पर मुस्कान लौट आई।

शिविरों में प्रदान की गई मुख्य सुविधाएं

शिविर में सामाजिक सुरक्षा पेंशन (वृद्धावस्था, विधवा, दिव्यांग) के सैकड़ों नवीन एवं लंबित स्वीकृति पत्रों का वितरण, सोना-सोबरन धोती-साड़ी-लुंगी योजना के तहत हजारों लाभुकों को धोती, साड़ी एवं लुंगी का वितरण, दिव्यांगजनों को ट्राइसाइकिल, व्हीलचेयर, श्रवण यंत्र आदि का मौके पर वितरण किया गया। इसके अलावा दाखिल-खारिज शुद्धि पत्र, लगान रसीद, जाति, आय, आवासीय प्रमाण-पत्रों का त्वरित निष्पादन, आधार कार्ड नामांकन/सुधार, पैन कार्ड बनवाने की सुविधा, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण एवं शहरी), उज्ज्वला गैस कनेक्शन, किसान क्रेडिट कार्ड, मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना आदि के आवेदन एवं स्वीकृति व स्वास्थ्य विभाग द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य जांच, दवा वितरण एवं आयुष्मान भारत गोल्डेन कार्ड बनवाने की सुविधा उपलब्ध थी।

जिला स्तरीय वरीय अधिकारी, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी, विभागीय कर्मचारी एवं जनप्रतिनिधि सुबह से शाम तक डटे रहे और लाभुकों की हर छोटी-बड़ी समस्या का त्वरित समाधान किया।

मौके पर उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने कहा कि झारखंड की रजत जयंती का यह वर्ष हम सभी के लिए गर्व और संकल्प का वर्ष है। राज्य सरकार दृढ़ संकल्पित है कि अंतिम छोर के व्यक्ति तक हर योजना का लाभ पहुंचे। ह्यआपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वारह्न इसी संकल्प की जीवन्त अभिव्यक्ति है। आज का जनसैलाब और लोगों के चेहरों पर मुस्कान बता रही है कि हम सही दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं।

सेवा का अधिकार सप्ताह 28 तक जारी रहेगा : कोई भी पात्र व्यक्ति योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे, इसके लिए जिला प्रशासन राँची पूरी तरह कटिबद्ध है। 28 नवंबर तक जिले के शेष सभी पंचायतों एवं वार्डों में भी इसी प्रकार विशाल जनसेवा शिविर आयोजित किए जाएंगे।

झारखण्ड सरकार
कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, राँची पूर्व, राँची

अति अल्पकालिन निविदा सूचना –45/2025–26

1) विभाग का नाम :पेयजल एवं स्वचछता विभाग, झारखण्ड, रॉची ।
2) विज्ञापन दाता का नाम :कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वचछता प्रमंडल, रॉची पूर्व रॉची ।
3) परिमाण विपत्र की बिक्री की अंतिम तिथि एवं समय : 2.12.2025 अपराह्न 5 बजे तक।
4) निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय : 3.12.2025 अपराहन 3:30 बजे तक।
5) निविदा खोलने की तिथि एवं समय :3.12.2025 अपराह्न 4 बजे।
6) परिमाण विपत्र की बिक्री का स्थान : 1) कार्यपालक अभियंता, का कार्यालय,पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, रॉची पूर्व, रॉची।
2) अधीक्षण अभियन्ता, का कार्यालय, पेयजल एवं स्वच्छता, राँची अंचल, राँची।
7) निविदा प्राप्ति का स्थान :1) कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, राँची पूर्व, राँची।
8) कार्य विवरणी :

क्र0	कार्य का नाम	प्रा० राशि (लाख में)	अग्रधन की राशि (रु० में)	परिमाण वि० का मूल्य	कार्य समाप्ति की अवधि
1	Provision of water supply by construction of 3Nos. HYDT with Installation of 3Nos of 2.00 H. P. Submersible Pump Motor and necessary water supply pipe line, & Its allied works at paraid maidan and community building in the permises of JAP-1, Ranchi. under D. W. & S. Division, Ranchi East, Ranchi.	20,29,551.00	40600.00	5000.00	30 Days
2	Construction of 2 Nos. of toilet,2nos of bathroom & 1 Nos. Changing room with all arrangment of water supply and sewerage including construction of septic tank and soak pit near Football Ground in the permisses of JAP-1 Ranchi Under D. W. & S. Division Ranchi East, Ranchi.	16,19,031.00	32400.00	5000.00	30 Days

आवश्यक शर्तों के लिए देखें www.jharkhand.gov.in
Email ID- eedwsd.ranchieast@gmail.com
PR 367041 (Drinking Water and Sanitation)25-26*D
कार्यपालक अभियंता
पेयजल एवं स्व० प्र० रॉची पूर्व रॉची

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

धर्मेंद्र के साथ एक युग की विदाई

हिंदी सिनेमा ने अपने लंबे सफर में कई सितारों को जन्म दिया पर उनमें कुछ ऐसे हैं जिनकी रोशनी समय के साथ कम नहीं होती बल्कि हर पीढ़ी की आँखों में एक नई चमक लेकर जीवित रहती है। धर्मेंद्र उन्हीं दुर्लभ सितारों में से थे, जो सिर्फ अभिनेता नहीं बल्कि भारतीय समाज के भावनात्मक ताने-बाने का हिस्सा बन चुके थे। उनका जाना एक ऐसी खामोशी छोड़ गया है, जिसे शब्दों में बाँध पाना मुश्किल है। वे सिर्फ पर्दे पर दिखने वाली एक छवि नहीं थे; वे ऐसे इंसान थे, जिनकी गर्माहट और विनम्रता ने दर्शकों को अपने परिवारों के किसी सदस्य की तरह उनसे जोड़ दिया था। धर्मेंद्र की कहानी किसी फिल्मी पटकथा से कम नहीं। पंजाब के एक छोटे से गांव नसराली से शुरू हुई यह यात्रा संघर्ष, मेहनत और सपनों की शक्ति का जीवंत उदाहरण है। एक साधारण किसान परिवार में जन्मा लड़का जब फिल्मों की दुनिया की चमक-दमक में पहुंचता है, तो आमतौर पर व्यक्ति अपनी मूल पहचान खो बैठता है लेकिन धर्मेंद्र ऐसे नहीं थे। उन्होंने अपनी जड़ों को कभी नहीं छोड़ा। वही सादगी, वही देसीपन, वही अपनापन उनकी हर मुस्कान में दिखाई देता था। यही कारण है कि वे सिर्फ ह्यस्टारह्न नहीं बने, वे ह्यदिलों का हीरोह्न बने। 1960 के दशक में जब उन्होंने सिनेमा के परदे पर कदम रखा, तब दर्शकों ने यह अंदाजा नहीं लगाया होगा कि यह युवक अगले कई दशकों तक हिंदी फिल्मों का सबसे प्रिय चेहरा बनने वाला है। शुरूआत भले धीमी रही हो, पर उनकी आँखों में मौजूद मासूमियत और व्यक्तित्व में छिपा गहरा आत्मविश्वास बहुत जल्द ही लोगों के दिलों तक पहुँच गया। उनकी शुरूआती फिल्मों ने यह दिखाया कि उनमें संवाद की सरलता, भावनाओं की सहज अभिव्यक्ति और अपने किरदार के प्रति ईमानदार दृष्टिकोण जैसी विशिष्ट खूबियाँ हैं। समय के साथ धर्मेंद्र ने दिखाया कि वे सिर्फ एक रोमांटिक हीरो नहीं बल्कि हर शैली में फिट बैठने वाले अभिनेता हैं। उन्होंने अभिनय के हर रंग को जीया- रोमांस की कोमलता, कॉमेडी की सहजता, एक्शन की तीव्रता और भावुक दृश्यों की गहराई। ₹अनुपमा₹ और ₹अनपढ़₹ में उनकी रोमांटिक छवि दर्शकों का दिल चुरा लेती थी तो ₹मेरा गांव मेरा देश₹ और ₹शोले₹ में उनका एक्शन नुमा अंदाज उन्हें ह्यही-मानह्न की उपाधि दिलाता था। यह उपाधि किसी फैशन के कारण नहीं बल्कि उनके स्वाभाविक दृढ़ व्यक्तित्व का प्रमाण थी। ह्लशोलेह्व का वीरू भारतीय सिनेमा के इतिहास का वह चरित्र है, जो किसी परिचय का मोहताज नहीं। वीरू की मस्ती, दोस्ती, बेफिक्री और दिल की गहराई ने इस किरदार को अमर बना दिया। धर्मेंद्र कोई भूमिका निभाते नहीं थे, वे उसे जीते थे। यही कारण है कि वीरू आज भी दर्शकों के चेहरों पर मुस्कान ला देता है। लेकिन धर्मेंद्र का जादू सिर्फ वीरू तक सीमित नहीं था। ह्लचुपके चुपकेह्व में उनकी गंभीर-स्वभाव वाली कॉमेडी यह साबित करती है कि हास्य अभिनय हमेशा उछल-कूद या अतिरंजना से नहीं आता; वह शालीनता और समयबद्ध संवादों से भी पैदा हो सकता है। धर्मेंद्र इस बात का जीता-जागता उदाहरण थे।

उनके अभिनय का आधार हमेशा ह्यसच्चाईह्न रहा। वे अभिनय नहीं करते थे, वे सत्य को अभिव्यक्त करते थे। यह सत्य कभी प्रेम की कोमलता के रूप में जागता था, कभी संघर्ष की तल्खी के रूप में। आज के समय में जब अभिनय तकनीक और बाहरी सजावट पर अधिक निर्भर होता जा रहा है, धर्मेंद्र हमें याद दिलाते हैं कि अभिनय का सबसे बड़ा केंद्र ह्यदिलह्न होता है। यही वह विशेषता है, जिसने उनकी फिल्मों को समय की सीमाओं से मुक्त कर दिया। धर्मेंद्र की एक और महानता थी- जमीन से उनका जुड़ाव। उन्होंने कभी खुद को महान या बड़ा साबित करने की कोशिश नहीं की। सैकड़ों फिल्मों की सफलता, लाखों प्रशंसक और दशकों की लोकप्रियता के बाद भी वे साधारण ग्रामीण की तरह बात करते थे। उनकी विनम्रता किसी बनावटी विनम्रता का परिणाम नहीं थी; वह उनके स्वभाव का हिस्सा थी। यही कारण है कि वे उद्योग के भीतर और बाहर-दोनों जगह समान आदर के पात्र बने रहे। धर्मेंद्र ने अपनी निजी और राजनीतिक जिंदगी में भी अपने मूल्यों को नहीं छोड़ा। वे वर्ष 2004 में लोकसभा के लिए चुने गए और अपने तरीके से जनता की सेवा की। हालाँकि वे राजनीति में गहराई से सक्रिय नहीं रहे लेकिन यह साफ समझ आता है कि वे समाज के प्रति एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में अपनी भूमिका को समझते थे। उनका चरित्र उतना ही सीधा और स्पष्ट था जितना उनका अभिनय। उनकी जीवनशैली की सादगी ने भी लोगों को हमेशा प्रभावित किया। मुंबई की भीड़भाड़ से दूर उनका फार्म हाउस, धरती पर काम करना, खेतों को सींचना, पशुओं के साथ समय बिताना- ये सब उनकी आत्मा को सुकून देते थे। यह उस अभिनेता की तस्वीर है जो चमकते पर्दे से परे, असली जिंदगी में प्रकृति की गोद में अपने आप को पूरा महसूस करता था। यह गुण किसी अभिनेता में शायद ही देखने मिलता हो। उनका योगदान सिर्फ उनके समय तक सीमित नहीं। आज की पीढ़ी भी धर्मेंद्र की फिल्मों में वही ताजगी, वही मानवीय संवेदना और वही संवाद शक्ति महसूस करती है, जो 40-50 साल पहले दर्शक महसूस करते थे। यह बहुत कम कलाकारों के हिस्से आता है कि उनकी फिल्मों की ताकत पीढ़ियों की सीमाएँ लांघ जाए। धर्मेंद्र यह विरासत अपने साथ लेकर नहीं गए; वे इसे समाज में छोड़ गए हैं। आज जब हम उन्हें स्मरण करते हैं तो उनके चेहरे की वह सहज मुस्कान तुरंत आँखों के सामने आ जाती है। ऐसा लगता है जैसे वह अभी भी किसी दृश्य की तैयारी कर रहे हों या किसी इंटरव्यू में अपनी प्रसिद्ध विनम्रता के साथ कह रहे हों- ह्लअरे, मैं कौन-सा बड़ा कलाकार हूँ, बस अपनी कोशिश करता हूँ।ह्व उनकी यह बात ही उन्हें बड़ा बनाती थी। धर्मेंद्र का जाना भारतीय सिनेमा के लिए सिर्फ एक कलाकार की विदाई नहीं; यह एक युग का अवसान है। वह युग जिसमें सादगी, भावनाएँ और मानवीयता अभिनय की रीढ़ हुआ करती थीं। वह दौर जब सिनेमा सिर्फ मनोरंजन नहीं बल्कि समाज, परिवार और रिश्तों का आईना होता था। धर्मेंद्र उस आईने की सबसे चमकदार किरण थे। हर महान कलाकार की तरह धर्मेंद्र भी यह सिद्ध करके गए हैं कि शरीर भले चला जाए, कला कभी नहीं जाती। उनकी आवाज, उनकी हँसी, उनकी आँखों की चमक, उनकी फिल्मों के दृश्य- यह सब कहीं न कहीं हमारे भीतर जीते रहेंगे। वह इसलिए नहीं कि उन्होंने 300 से अधिक फिल्मों में काम किया बल्कि इसलिए कि उन्होंने लोगों के दिलों में जगह बनाई। सिनेमा की असली शक्ति यही है- जब दर्शक अभिनेता को सिर्फ अभिनेता न मानकर परिवार का हिस्सा मानने लगे। आज, जब हम श्रद्धांजलि देते हुए यह पंक्ति याद करते हैं- ह्लअभी न जाओ छोड़ केह्णह्व- तो यह सिर्फ एक गीत की पंक्ति नहीं रह जाती। यह एक युग की पुकार जैसी लगती है। लेकिन महान कलाकार कभी सचमुच नहीं जाते। धर्मेंद्र भी नहीं गए। वे हमारे गीतों में हैं, संवादों में हैं, फिल्मों में हैं और सबसे बढ़कर हमारे दिलों में हैं। भारतीय सिनेमा के उस ह्यही-मानह्न को शत-शत नमन, जिसकी सादगी ने हमें इंसान होना सिखाया और जिसकी मुस्कान ने पीढ़ियों को जीवन की सुंदरता का एहसास कराया।

धर्मेंद्र: वह सूरज, जो ढल कर भी पीढ़ियों को रोशन करता रहेगा

पंजाब के साहनेवाल गांव में 8 दिसंबर 1935 को जन्मा यह बालक शायद स्वयं भी नहीं जानता था कि एक दिन उसका नाम भारतीय सिनेमा के इतिहास में अमिट अक्षरों में दर्ज होने वाला है। गांव की मिट्टी, खेती की महक और सादगी से भरे जीवन ने उन्हें वह सहजता दी, जो आगे चलकर उनके अभिनय की सबसे बड़ी ताकत बनी।

योगेश कुमार गोयल

हिन्दी फिल्म उद्योग का वह चमकता सूरज, जिसने पीढ़ियों के सपनों को रोशन किया, जिसने कठिनाई में हिम्मत दी और जिसने अपने सहज व्यक्तित्व से अभिनय को जन-जन के जीवन से जोड़ दिया, वह धर्मेंद्र हमसे सदा के लिए विदा हो गए। यह क्षति केवल एक परिवार, एक पीढ़ी या एक उद्योग की नहीं बल्कि उस युग की विदाई है, जिसने भारतीय सिनेमा को स्वर्णकाल दिया। धर्मेंद्र सिर्फ अभिनेता नहीं थे, वे एक भावनात्मक धड़कन, एक सांस्कृतिक अनुभूति और करोड़ों भारतीयों की यादों में दर्ज वह ताकत थे, जो पर्दे पर आते ही कहानी को सजीव बना देती थी। पंजाब के साहनेवाल गांव में 8 दिसंबर 1935 को जन्मा यह बालक शायद स्वयं भी नहीं जानता था कि एक दिन उसका नाम भारतीय सिनेमा के इतिहास में अमिट अक्षरों में दर्ज होने वाला है। गांव की मिट्टी, खेती की महक और सादगी से भरे जीवन ने उन्हें वह सहजता दी, जो आगे चलकर उनके अभिनय की सबसे बड़ी ताकत बनी। उनके भीतर का कलाकार किसी कोने में सोया हुआ था पर दिल में एक स्वप्न जलता था कुछ कर दिखाने का, कुछ बनने का, कुछ ऐसा छोड़ जाने का जिसे पीढ़ियां याद रखें। साल 1954 में जब मात्र 19 वर्ष की उम्र में उन्होंने प्रकाश कौर से विवाह किया, उस समय उन्हें यह कल्पना भी नहीं थी कि दुनिया का सबसे बड़ा फिल्म उद्योग एक दिन उनके कदमों में होगा। जीवन संघर्षों से भरा था पर भीतर ऐसी ईमानदारी और अनुशासन था, जो किसी भी कलाकार को महान बना देता है। भाग्य ने उन्हें साल 1960 में वह क्षण दिया, जब निर्देशक अर्जुन हिंगोरानी ने उन्हें

फिल्म ह्यदिल भी तेरा हम भी तेरेह्न में मौका दिया। मेहनताना सिर्फ 51 रुपये, पर इस मामूली रकम ने भारतीय फिल्मों को वह धरोहर दी, जिसकी कीमत किसी मुद्रा में आंकी नहीं जा सकती। यह शुरूआत थी पर यात्रा लंबी और संघर्षपूर्ण होने वाली थी। शुरूआत में उन्होंने साधारण, आम आदमी के किरदार निभाए, अनपढ़, बंदिनी, अनुपमा, आया सावन झूम के- इन फिल्मों में उनकी मासूमियत, उनकी आंखों की भाषा और उनके संवादों की सरलता इतनी वास्तविक थी कि दर्शकों को लगा, वे किसी काल्पनिक नायक को नहीं बल्कि अपने जैसे इंसान को पर्दे पर देख रहे हों। धर्मेंद्र में किसी तरह का दिखावा नहीं था, वे अभिनय नहीं करते थे, वे जीते थे। शायद यही कारण था कि जनता ने उन्हें अभिनेता नहीं, अपने दिल का हिस्सा मान लिया। साल 1960 के दशक के अंत में जब हिन्दी सिनेमा बड़े परिवर्तन की ओर बढ़ रहा था, धर्मेंद्र ने उसी दौर में अपने भीतर छिपे ह्यही-मैनह्न को पहचाना। वे एक्शन फिल्मों के सबसे बड़े सितारे बने पर इस चमक के साथ भी उनकी विनम्रता कभी नहीं बदली। फूल और पत्थर, आई मिलन की बेला, आए दिन बहार के, इन फिल्मों ने उन्हें रातों-रात स्टार बनाया, पर असल चमत्कार अभी बाकी था। जब साल 1975 में शोले आई तो धर्मेंद्र का ह्यवीरूह्न सिर्फ एक किरदार नहीं रहा, वह भारतीय संस्कृति का प्रतीक बन गया। वीरू की दोस्ती, उसका हास्य, उसका गुस्सा, उसका प्रेम, धर्मेंद्र की सहज अदाकारी ने उसे अमर कर दिया। उनका प्रतिभा-क्षेत्र केवल एक्शन और रोमांस तक सीमित नहीं था। चुपके-चुपके जैसी फिल्में, जो हिंदी सिनेमा में हास्य की उत्कृष्ट कृति मानी जाती हैं, यह सिद्ध करती हैं कि धर्मेंद्र का अभिनय केवल मांसपेशियों नहीं बल्कि दिमाग, दिल और संवेदना से भी जन्म लेता था। वे जितने सशक्त एक्शन हीरो थे, उतने ही बेहतरीन कॉमेडियन और उतने ही भावपूर्ण रोमांटिक कलाकार थे। दिलचस्प बात यह है कि धर्मेंद्र ने तीन पीढ़ियों का मनोरंजन किया। जहां वे बलराज साहनी, राज कपूर, संजीव कुमार और अमिताभ बच्चन जैसे दिग्गजों के साथ काम कर चुके थे, वहीं वे रणवीर सिंह, शाहिद कपूर और आलिया भट्ट जैसे आज के सितारों के साथ भी पर्दे पर दिखे। 65 साल का करियर किसी कलाकार को किंवदंती बना देता है पर धर्मेंद्र की निरंतर सक्रियता उन्हें उससे भी कहीं ऊपर ले जाती है। वह एक जीवित विश्वविद्यालय थे अभिनय का, सहजता का, विनम्रता का। अपने परिवार के प्रति उनका प्रेम भी असाधारण था। सनी देओल और बॉबी देओल के प्रति उनका भावनात्मक रिश्ता, हेमा मालिनी के साथ उनके जीवन का अध्याय, उनकी बेटियां ईशा और अहाना, उनकी व्यक्तिगत कहानी किसी उपन्यास से कम नहीं। 13 नाती-पोते, बड़ी विरासत, जीवन के आखिरी दिन उन्होंने अपने फार्म हाउस में बिताई।

लाखों लोगों द्वारा पूजा जाने वाला यह कलाकार अंत में लौट गया अपने मूल की ओर, धरती, सादगी, प्रकृति। साल 2025 में उनकी आंख की कॉर्निया ट्रांसप्लांट सर्जरी हुई थी। कमजोर होते शरीर, टूटती ताकत, उम्र की थकान, इन सबके बावजूद वह कैमरे से दूर नहीं हुए। तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया और रॉकी और रानी की प्रेम कहानी जैसी नई पीढ़ी की फिल्मों में भी उनका वही पुराना करिश्मा दिखा, वही मुस्कान, वही गर्मजोशी। किसी भी महान कलाकार की पहचान यही होती है कि समय बदल जाए पर उसकी चमक न बदले, धर्मेंद्र इस कसौटी पर हमेशा खरे उतरे। 31 अक्टूबर 2025 को जब उन्हें मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया तो पूरे देश की धड़कनें मानो थम गई। 12 नवंबर को जब उन्हें घर भेजा गया तो उम्मीदों की किरण जग उठी थी। वे अपने घर में इलाज के बीच जीवन जी रहे थे पर नियति ने शायद फैसला कर लिया था। 24 नवंबर को वह खबर आई, जिसने पूरे देश को स्तब्ध कर दिया ह्यभारतीय सिनेमा का ह्यही-मैनह्न अब हमारे बीच नहीं है।ह्न लाखों लोगों ने रोकर उन्हें याद किया। फिल्मी दुनिया, राजनीति, खेल, साहित्य, हर क्षेत्र से श्रद्धांजलि की बाढ़ आ गई। सोशल मीडिया पर उनके संवाद, उनके वीडियो, उनकी पुरानी तस्वीरें उमड़ पड़ी। प्रधानमंत्री से लेकर सामान्य नागरिक तक, हर किसी ने स्वीकार किया कि धर्मेंद्र का जाना एक युग का अंत है। क्या महान लोग वास्तव में मर जाते हैं? शायद नहीं। धर्मेंद्र केवल चले गए हैं पर वे रहेंगे हर उस दिल में, जिसने कभी उनकी फिल्म देखी हो। धर्मेंद्र वह अध्याय हैं, जिसे समय कभी बंद नहीं कर सकेगा। उनकी फिल्में, उनका व्यक्तित्व, उनका विनम्र स्वभाव और उनका अटूट मानवीयपन सिनेमा के इतिहास में अमर रहेगा। वह जमीन से उठकर आकाश तक पहुंचने की वह कहानी हैं, जिसे हर माता-पिता अपने बच्चे को सुनाता रहेगा। हम, उनके चाहने वाले, उनकी फिल्मों, उनकी यादों और उनके संवादों में उन्हें सदा जीवित रखेंगे। सदाबहार, अद्वितीय, विलक्षण अभिनेता धर्मेंद्र को शत-शत नमन।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

संविधान और संसद: बिलों की मंजूरी में राज्यपाल की सीमाएँ

संविधान के अनुच्छेद 200 और 201 राज्यपाल और राष्ट्रपति को तीन स्पष्ट विकल्प देते हैं—बिल को मंजूरी देना, उसे विधानसभा को पुनर्विचार के लिए लौटाना, या उसे राष्ट्रपति के विचार के लिए आरक्षित करना। इन विकल्पों का स्वरूप बताता है कि संवैधानिक निमार्ताओं ने राज्यपाल को केवल एक ह्लरबर स्टैंपह्व की भूमिका नहीं दी थी, बल्कि एक विवेकाधारित जिम्मेदारी प्रदान की थी।

महेन्द्र तिवारी

भारतीय संविधान की संरचना संघवाद, शक्तियों के पृथक्करण और लोकतांत्रिक जवाबदेही की गहरी नींव पर टिकी है। इस ढांचे में राज्यपालों और राष्ट्रपति की भूमिका केवल औपचारिक नहीं, बल्कि एक संवैधानिक संतुलन बनाए रखने वाली जिम्मेदारी है। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट की पांच-सदस्यीय संविधान पीठ ने राज्यपालों और राष्ट्रपति की बिल मंजूरी संबंधी शक्तियों पर जो महत्वपूर्ण राय दी है, उसने न केवल संवैधानिक विमर्श को नया आयाम दिया है, बल्कि शासन प्रक्रिया में लंबे समय से चल रहे एक संवैधानिक तनाव को भी स्पष्ट रूप से रेखांकित किया है। यह फैसला बताता है कि राज्यपाल बिलों को अनिश्चितकाल के लिए लंबित नहीं रख सकते, लेकिन न्यायपालिका उनकी निर्णय-सीमा तय भी नहीं कर सकती। इस दोहरे निष्कर्ष ने केंद्रझ्रराज्य संबंधों और विधायी प्रक्रिया की गरिमा पर कई महत्वपूर्ण सवालों और उत्तरों को एक साथ सामने रखा है। संविधान के अनुच्छेद 200 और 201 राज्यपाल और राष्ट्रपति को तीन स्पष्ट विकल्प देते हैं—बिल को मंजूरी देना, उसे विधानसभा को पुनर्विचार के लिए लौटाना, या उसे राष्ट्रपति के विचार के लिए आरक्षित करना। इन विकल्पों का स्वरूप बताता है कि संवैधानिक निमार्ताओं ने राज्यपाल को केवल एक ह्लरबर स्टैंपह्व की भूमिका नहीं दी थी, बल्कि एक विवेकाधारित जिम्मेदारी प्रदान की थी। किंतु प्रश्न यह है कि क्या इस विवेक का उपयोग असीमित समय पर टिका रह सकता है? हाल के वर्षों में कई राज्यों–विशेष रूप से तमिलनाडु, केरल, पंजाब, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक और तेलंगाना–ने आरोप लगाया कि राज्यपाल राजनीतिक कारणों से विधेयकों को महीनों, कभी-कभी सालों तक लंबित रखते हैं, जिससे न केवल विधायिका की संप्रभुता प्रभावित होती है बल्कि शासन संचालन भी अवरुद्ध हो जाता है। यह राजनीतिक टकराव अंततः न्यायिक समीक्षा के दायरे में आया। अप्रैल 2025 में सुप्रीम कोर्ट ने एक अंतरिम आदेश दिया था कि राष्ट्रपति और राज्यपाल तीन माह के भीतर बिल पर निर्णय लें। यह आदेश राज्यों और केंद्र के बीच उत्पन्न तनाव को कम करने का एक व्यावहारिक प्रयास था। लेकिन राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने स्वयं इस पर सुप्रीम कोर्ट से राय मांगी, यह कहते हुए कि संवैधानिक पदाधिकारियों के विवेकाधिकार पर न्यायपालिका समयसीमा थोप सकती है या नहीं–यह खुद एक संवैधानिक प्रश्न है। इसी संदर्भ में 20 नवंबर 2025 को संविधान पीठ ने विस्तार से सुनवाई की और यह स्पष्ट किया कि न्यायपालिका किसी भी संवैधानिक पदाधिकारी पर समय सीमा लागू नहीं कर सकती। यह निष्कर्ष सेपरेशन ऑफ पावर्स के सिद्धांत को पुनः स्थापित करता है, जिसके अनुसार राष्ट्रपति और राज्यपाल की शक्तियाँ उनकी संवैधानिक स्वायत्तता के दायरे में आती हैं, और न्यायपालिका को इन शक्तियों का सूक्ष्म प्रबंधन नहीं करना चाहिए।

हालाँकि, पीठ ने यह भी उतनी ही स्पष्टता से कहा कि बिल को अनिश्चितकाल तक रोककर रखना संविधान की भावना के विपरीत है। यानी निर्णय लेना अनिवार्य है, पर उसकी समय सीमा न्यायपालिका तय नहीं करेगी। यह संतुलन संवैधानिक विवेक और लोकतांत्रिक जवाबदेही के बीच एक मध्य मार्ग प्रस्तुत करता है। अदालत ने यह भी साफ कर दिया कि 'डिम्ड असेंट' जैसी कोई व्यवस्था–जिसमें समयसीमा पूरी होने पर बिल को स्वचालित रूप से मंजूर माना जाए–संवैधानिक रूप से मान्य नहीं है। ऐसा प्रावधान संविधान में नहीं है और इसे न्यायपालिका द्वारा निर्मित करना संघीय ढांचे पर अनुचित प्रभाव डालता। इसलिए असहमति हो सकती है, लेकिन स्वचालित सहमति नहीं हो सकती।यह फैसला एक अन्य महत्वपूर्ण पहलू पर भी रोशनी डालता है–विवेकाधिकार के मूल स्वरूप पर। अदालत ने कहा कि वह राज्यपाल के निर्णय की मेरिट यानी गुण-दोष की समीक्षा नहीं करेगी। यदि राज्यपाल लंबे समय तक कोई कार्रवाई नहीं करते, तो न्यायालय प्रशासनिक निर्देश जारी कर सकता है कि राज्यपाल निर्णय लें, लेकिन वह यह नहीं कह सकता कि उन्हें मंजूरी देनी है या रोकनी है। यह रेखा सूक्ष्म जरूर है, पर संवैधानिक ढांचे की रक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक है। यह न्यायपालिका की अपनी सीमाओं का अहसास भी कराता है और पदाधिकारियों की संवैधानिक जिम्मेदारियों की याद भी दिलाता है।इस निर्णय के राजनीतिक निहितार्थ भी कम महत्वपूर्ण नहीं हैं। भारत की संघीय राजनीति लंबे समय से राज्यपालों की भूमिका को लेकर विवादों से घिरी रही है। कई बार राज्यपालों पर केंद्र की राजनीतिक इच्छाओं को लागू करने का आरोप लगता है, विशेषकर उन राज्यों में जहाँ विपक्षी दल सत्ता में हों। विधेयकों को लंबित रखना अक्सर राजनीतिक दबाव के एक उपकरण के रूप में देखा जाता है, जो न केवल राज्य सरकार की नीतिगत स्वतंत्रता का उल्लंघन करता है बल्कि जनता द्वारा चुनी गई विधानसभाओं की गरिमा को भी चोट पहुंचाता है। सुप्रीम कोर्ट ने इस संदर्भ में एक संवैधानिक मयार्दा तय कर दी है कि लंबित रखना विकल्प नहीं है। इस सरल टिप्पणी का राजनीतिक प्रभाव गहरा है–अब राज्यपालों को कार्रवाई करनी ही होगी, चाहे वह मंजूरी हो या पुनर्विचार। इस प्रकार राज्य सरकारों को अपनी नीतियाँ लागू करने में अनावश्यक अवरोधों का सामना कम होगा।

इस निर्णय का एक व्यापक प्रभाव यह है कि संवैधानिक संस्थाओं के बीच सम्मानजनक दूरी और आवश्यक संवाद, दोनों की जरूरत को फिर से रेखांकित किया गया है। न्यायपालिका ने जहाँ अपनी सीमा का सम्मान किया, वहीं राज्यपालों को भी उनकी संवैधानिक जिम्मेदारी की याद दिलाई। यह निर्णय सरकारों, राजनीतिक दलों और संवैधानिक पदाधिकारियों के लिए एक संदेश है कि शासन की प्रक्रिया दमित या बाधित होने के लिए नहीं, बल्कि सुचारु और संयमित ढंग से चलने के लिए बनाई गई है। किसी भी स्तर पर अवरोध लोकतांत्रिक व्यवस्था का अपमान है।अंततः यह फैसला भारतीय संघवाद की आत्मा के अनुरूप है। न तो न्यायपालिका सर्वशक्तिमान है, न राज्यपाल असीमित शक्तियों से लैस हैं। संविधान ने दोनों के कर्तव्यों और सीमाओं को परिभाषित किया है। सुप्रीम कोर्ट की यह राय उसी संवैधानिक मयार्दा की पुनः पुष्टि है। यह न केवल राज्यों की विधायी प्रक्रिया को गति देगा, बल्कि केंद्र और राज्यों के बीच आपसी विश्वास की राह भी कुछ हद तक आसान करेगा। लोकतंत्र का वास्तुशिल्प तभी स्थिर रहता है जब उसके सभी स्तंभ अपनी-अपनी सीमाओं और जिम्मेदारियों को समझकर कार्य करें। सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला उसी संतुलन को कायम रखने का एक सुविचारित प्रयास है–संविधान की गरिमा को अक्षुण्ण रखते हुए, शासन की प्रक्रिया को मजबूती प्रदान करने वाला।

मोबाइल: 9989703240
ईमेल: mahendratone@gmail.com

मार्गशीर्ष विनायक चतुर्थी व्रत से शीघ्र पूरी होती है सभी मनोकामनाएं

भा आज मार्गशीर्ष विनायक चतुर्थी व्रत है, हिंदू धर्म में प्रत्येक मास की चतुर्थी तिथि भगवान श्रीगणेश की आराधना के लिए अत्यंत शुभ मानी गई है, किंतु मार्गशीर्ष मास की विनायक चतुर्थी का महत्व इससे भी अधिक है। विघ्नहर्ता और बुद्धि के देवता के रूप में जाने जाने वाले भगवान गणेश की पूजा सफलता, समृद्धि, शांति और मन की स्पष्टता लाने के लिए की जाती है तो आइए हम आपको मार्गशीर्ष विनायक चतुर्थी व्रत का महत्व एवं पूजा विधि के बारे में बताते हैं।

जानें मार्गशीर्ष विनायक चतुर्थी व्रत के बारे में

मार्गशीर्ष मास देवताओं का प्रिय माना गया है, इसलिए इस दिन भगवान गणेश की पूजा करने से जीवन के समस्त विघ्न दूर होते हैं और मनुष्य को ज्ञान, बुद्धि व सौभाग्य का आशीर्वाद प्राप्त होता है। इस बार यह चतुर्थी 24 नवंबर को मनाई जाएगी। स्कंद पुराण में मार्गशीर्ष मास की विनायक चतुर्थी को विशेष सिद्धिप्रद बताया गया है। भगवान गणेश को समर्पित विनायक चतुर्थी, हर महीने शुक्ल पक्ष की चतुर्थी को मनाए जाने वाले सबसे शुभ दिनों में से एक है। यह एक बहुत ही शुभ महीने में पड़ने वाली विनायक चतुर्थी है जिसमें गहरी आध्यात्मिक शक्ति होती है।

मार्गशीर्ष विनायक चतुर्थी का धार्मिक महत्व भी है खास

गणेश पुराण, पद्म पुराण और स्कंद पुराण में मार्गशीर्ष मास की विनायक चतुर्थी को विशेष सिद्धिप्रद बताया गया है। पंडितों के अनुसार इस दिन श्रीगणेश की पूजा करने वालों की मनोकामनाएं शीघ्र पूर्ण होती हैं। नए कार्यों की शुरूआत, शिक्षा, करियर, व्यवसाय और पारिवारिक जीवन में आने वाली रुकावटों को दूर करने के लिए यह तिथि अत्यंत कल्याणकारी मानी जाती है। इस दिन की गई पूजा का प्रभाव कई गुना बढ़कर मिलता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार विनायक चतुर्थी का व्रत रखने और मध्याह्न काल में गणेश जी की पूजा करने से भक्तों के विघ्न या बाधाएं दूर होते हैं। यह दिन विशेष रूप से बुद्धि, ज्ञान, समृद्धि और व्यापार में सफलता के लिए बहुत शुभ माना जाता है।

भगवान गणेश को बुद्धि, ज्ञान, और सभी बाधाओं को दूर करने वाले देवता के रूप में पूजा जाता है। विनायक चतुर्थी का व्रत रखने का विशेष महत्व है। इस दिन व्रत रखने और गणपति की पूजा करने से जीवन की सभी बाधाएं, संकट और परेशानियां दूर हो जाती हैं। गणेश जी को ह्यविघ्नहर्ताह्न कहा जाता है। मान्यता है कि जो भक्त सच्ची श्रद्धा से यह व्रत करता है, उसके घर में सुख, समृद्धि और खुशहाली का वास होता है। गणेश जी को बुद्धि का देवता भी माना जाता है। छात्रों और ज्ञान की इच्छा रखने वाले व्यक्तियों के लिए यह व्रत बहुत ही फलदायी होता है। इस दिन उपवास रखने, पूजा करने और दुर्वा अर्पित करने से भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं।

मार्गशीर्ष विनायक चतुर्थी पर ऐसे करें पूजा

पंडितों के अनुसार मार्गशीर्ष विनायक चतुर्थी व्रत के दिन पूजन के लिए घर के मंदिर या किसी शुभ स्थान पर लकड़ी के पाटे पर लाल या पीला वस्त्र

टिप्स

बच्चों में बढ़ रहा प्री-डायबिटीज का खतरा

डायबिटीज लाइफस्टाइल से जुडी एक गंभीर बीमारी है। मधुमेह की बीमारी व्यस्कों में आसानी से देखने को मिलती है। हालांकि, अब बच्चों में इस बीमारी के लक्षण देखने को मिल रहे हैं। यदि बच्चों का पहले से डायबिटीज चेकअप कराएं, तो उन्हें इस समस्या से बचाया जा सकता है। हेल्थ एक्सपर्ट के अनुसार, डायबिटीज के पहले की कंडीशन को प्री–डायबिटीज कहा जाता है। इस परिस्थिति में ब्लड शुगर सामान्य से थोड़ा ज्यादा होता है, लेकिन यह डायबिटीज जितना नहीं होता।आइए आपको बताते हैं बच्चों में प्री–डायबिटीज बढ़ने के कारण और इसे कैसे मैनेज करने के तरीके बताएंगे।

बच्चों में प्री–डायबिटीज होने के कारण : NIH में छापी एक रिपोर्ट के मुताबिक, बच्चों में प्री–डायबिटीज 4 से 23 फीसदी तक बढ़ रही है, जो चिंताजनक है। इस बारे में लोगों में जागरुकता बढ़ाने की काफी जरुरी है, क्योंकि आजकल बच्चों में डायबिटीज के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। आइए जानते हैं कि क्यों बच्चों में इसके मामले बढ़ रहे हैं।

सही खान–पान न होना : आजकल के बच्चे जंक फूड का सेवन अत्यधिक करते हैं। बर्गर, फ्रेंच फ्राइज, चॉकलेट, पैक्ड जूस, सॉफ्ट ड्रिंक्स और शुगर वाले स्नैक्स रोजमर्रा की आदत बन गए हैं। इनमें कैलोरी बहुत होती है और न्यूट्रिशन नाममात्र ही होता है। इस कारण से शरीर इंसुलिन को सही तरह इस्तेमाल नहीं कर पाता है और प्री–डायबिटीज का खतरा बढ़ जाता है।

फिजिकल एक्टिविटी न होना : बच्चे सिर्फ मोबाइल गेम, टीवी और टैबलेट में ही बिजी रहते हैं। स्कूल भी कई बार ऑनलाइन क्लास लेते है। इस वजह से बच्चों की फिजिकल एक्टिविटी कम हो गई है। शरीर कम चलेगा, तो कैलोरी भी कम बर्न होती है। जिस वजह से वजन बढ़ता है और इंसुलिन रेजिस्टेंस बढ़ने लगता है, जो प्री–डायबिटीज को बढ़ा सकता है।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in **email : metrorays.ranchi@gmail.com**

समाचार सार

आवेदनों की भौतिक जांच कर समाधान करें : हेमंत सती

साहिबगंज: आमजन की सुनवाई में कोई पदाधिकारी कोताही न बरतें समाहरणालय स्थित अपने कार्यालय प्रकोष्ठ में जिला दंडाधिकारी -सह- उपायुक्त हेमंत सती ने जनता दरबार के माध्यम से आमजनों की समस्याएं सुनी। जनता दरबार में जिले के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों ने अपनी समस्याओं से उपायुक्त महोदय को अवगत कराया। उपायुक्त ने लोगों से एक-एक कर उनकी समस्याएं सुनी। साथ ही उनके सामाधान को लेकर उन्हें आश्वस्त कराया। संज्ञान में आए हुए शिकायतों की जांच कराते हुए जल्द से जल्द समाधान करने की बात कही। गौरतलब है कि जनता दरबार के दौरान शिकायत के रूप में आए आवेदन विभिन्न विभागों व योजना से संबंधित एवं असंबंधित रहे।जनता दरबार में शिकायतकर्ता की समस्याएं को सुनने के पश्चात उपायुक्त ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को उनका समाधान करने को लेकर निर्देशित किया। सभी आवेदनों की भौतिक जांच करते हुए उसका समाधान जल्द से जल्द सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए प्रतिपुष्टि उपायुक्त कार्यालय को समर्पित करें।

कुश्ती प्रतियोगिता 28 को

साहिबगंज: सांसद खेल महोत्सव के तहत शहर के भरतीया कॉलोनी स्थित महिला कॉलेज प्रांगण में 28 नवंबर को ओपन कुश्ती प्रतियोगिता पुरुष और महिला का आयोजन किया जा रहा है। जिसकी तैयारी को लेकर भाजपा नेताओं का एक दल महिला कॉलेज प्रांगण पहुंचकर तैयारियों का जायजा लिया।भाजपा नेता व कार्यक्रम संयोजक गौतम यादव ने बताया कि यह आयोजन राज्यसभा सांसद आदित्य साहू की पहल पर खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने और युवाओं में खेलकूद को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किया जा रहा है।इस प्रतियोगिता में जिला व आसपास के क्षेत्रों के कुश्ती प्रतिभागी हिस्सा लेंगे। प्रतियोगिता में भाग लेने के इच्छुक प्रतिभागी भाजपा नेता अवधेश यादव 8935996138,सुशांत कुमार 7488353724,अंगद यादव 7050611384 से संपर्क करे। जिला के खेल प्रतिभाओं को राष्ट्रीय स्तर पर तैयार करना तथा युवाओं में खेल के प्रति रुचि बढ़ाना है।मौके पर उपाध्यक्ष रामानंद साह,नगर अध्यक्ष संजय पटेल, नगर संयोजक अवधेश यादव,बजरंगी गोप,अंगद यादव,सुशांत कुमार ,विराट कुमार सहित अन्य थे।

सतबरवा के सात पंचायतों में लगी शिविर

सतबरवा : प्रखंड मुख्यालय सतबरवा समेत सात पंचायतों में मंगलवार को सेवा का अधिकार शिविर लगाया गया। बड़ी संख्या में लोग शिविर में शामिल हुए। मुखिया और अन्य जनप्रतिनिधियों के माध्यम से सरकारी कमियों के पास परेशानी आदि से संबंधित आवेदन दिया। जिला से नियुक्त प्रभारी एनडीसी नीरज कुमार, एपीओ अनुप्रिया, बीडीओ कृष्ण मुरारी तिर्की, मुखिया रीना साहू, बीपीओ आरजू तमन्ना, कांति कुमारी, कमलेश प्रसाद, राजीव रंजन ने संयुक्त रूप से शिविर का उदघाटन किया। बारी पंचायत के शिविर में 450 से ज्यादा मामला आए हैं। प्रखंड में मंगलवार को कुल 1400 मामले पंजीकृत हुए हैं।

रोजगार की मांग जाएगी : आदित्य मिश्रा

साहिबगंज: अखिल भारतीय शिक्षित बेरोजगार युवा मंच के संस्थापक अध्यक्ष मो0 शाह कमर मुर्शाद ने कल रात्रि फरक्का एक्सप्रेस के द्वारा अखिल भारतीय शिक्षित बेरोजगार युवा मंच के संरक्षक आदित्य मिश्रा को संगठन विस्तार और संघटनीक क्रियाकल्प हेतु दिल्ली भेजा गया।मो0 शाह कमर मुर्शाद एवम आदित्य मिश्रा ने संयुक्त रूप से बयान दिया की बहुत जल्द शिक्षित बेरोजगारों के लिए एवम सरकार से रोजगार की मांग पर कदम उठाएगी और कार्यवाही हमारा संगठन करेगी और इसे राष्ट्रव्यापी सिद्धांत के रूप में शिक्षित बेरोजगारों के हक एवम अधिकार के संरक्षण के लिए हमारी संघ संघर्ष करेगी शिक्षित बेरोजगारों को आप घबराने की जरूरत नहीं है अब कदम से कदम मिलाकर चले मौलिक अधिकार के साथ अपने भविष्य के लिए संकल्पित होकर कदम से कदम आगे बढ़ाएं चले।अखिल भारतीय शिक्षित बेरोजगार युवा मंच अब तक पांच राज्यों में अपनी टीम के साथ कार्य शुरू कर चुकी है साथ ही अब तक लगभाग कई दर्जन शिक्षित बेरोजगारों को रोजगार मिल चुका है और रोजगार दिलाने के लिए पूर्ण मेहनत के साथ लगी हुई है।मौक पर आलोक कुमार,सोनू अंसारी,अभिजीत आनंद,गुफरान आलम और सुलेमान हंसदा उपस्थित थे।

सड़क दुर्घटना में बाइक सवार युवक की मौत

साहिबगंज: गंगा नदी थाना क्षेत्र अंतर्गत बाबूपुर-किशन प्रसाद के बीच मंगलवार को सड़क हादसा में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों ने घायल युवक को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां जांच के दौरान डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार रामपुर दियारा निवासी अरुण सिंह 36 अपने ससुराल बाबूपुर शादी समारोह में गया था। उधर से लौटने के दौरान बाबूपुर-किशन प्रसाद के बीच दुर्घटना का शिकार हो गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। मृतक अपने पीछे पत्नी संवरती देवी समेत दो पुत्र व दो पुत्री छोड़ गया है। जबकि उसकी एक पुत्री की शादी हो चुकी है। परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। वहीं दूसरी ओर मुफस्सिल थाना क्षेत्र में बलुआ दियारा में तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दिया। जिससे बाइक पर पीछे बैठी लालबथानी निवासी मो. नाजिर हुसैन की पत्नी फुलसुन खातून(35) गंभीर रूप से घायल हो गई। परिजनों के अनुसार महिला अपने पति के साथ अपने बच्चा का इलाज करा साहिबगंज से घर लौट रही थी।इस दौरान बलुआ दियारा में पीछे से एक ट्रक ने ओवरटेक कर बाईक को टक्कर मार दी।इधर प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टर ने उसे बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर किया गया है।हादसे के बाद ग्रामीणों ने ट्रक को पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

योजनाओं के लाभ लेने के लिए लगाए गए स्टॉल पर आवेदन जमा कर सकते हैं : विधायक

साहिबगंज: राजमहल व उधवा के विभिन्न ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में मंगलवार को आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम में राजमहल विधायक मो ताजुद्दीन उर्फ एमटी राजा शामिल हुए। जानकारी के अनुसार नगर पंचायत राजमहल के अंतरराज्यीय बसअड्डा परिसर व पूर्वी जामनगर पंचायत सचिवालय परिसर तथा उधवा प्रखंड के दक्षिण सरफराजगंज व दक्षिण पलासगाछी पंचायत के इंग्लिश खेल मैदान में आयोजित आपकी योजना- आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम में शामिल हुए है। वहीं कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक मो ताजुद्दीन उर्फ एमटी राजा, विधायक प्रतिनिधि मो मारूफ उर्फ गुड्डू जिला भू अर्जन पदाधिकारी सी दास,उधवा बीडीओ जयंत कुमार तिवारी,राजमहल बीडीओ मो यूसुफ राजमहल नगर अध्यक्ष मो आजाद, प्रखंड अध्यक्ष अनिसुर रहमान,मुखिया गुलनाज खातून,नफीसा खातून,राधानगर थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज,झामुमो महिला मोर्चा के जिलाध्यक्ष बसंती हांसदा,प्रखंड अध्यक्ष अयूब अली,अब्दुल कादिर, सन्नी,नपं प्रशासक दानिश हुसैन,डॉ सद्दाम, केंद्रीय समिति सदस्य एखलाकुर रहमान आदि ने दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम के दौरान विधायक को फूल माला-पहनाकर व गुलदस्ता देकर उनका जोरदार स्वागत किया गया। शिविर में अबुआ आवास,मईया सम्मान योजना, सर्वजन पेंशन, जाति, आय, निवास, जमीन में जुड़ी मामले,स्वास्थ्य विभाग,कृषि विभाग,शिक्षा विभाग,खाद्य विभाग सहित अन्य विभाग के अलग अलग स्टॉल लगाए गए।

शिविर में सैकड़ो की संख्या की भीड़ उमड़ पड़ी। कार्यक्रम के दौरान विधायक ने परिसंपत्तियों का वितरण किया गया। वहीं विधायक ने दिव्यांगों के बीच ट्राई साईकिल,धोती साड़ी,गरीबों के बीच कंबल आवास लाभुकों को चाबी सौंपकर गृह प्रवेश,जॉब कार्ड तथा छात्र-छात्राओं के बीच साइकिल वितरण किया। इस दौरान विधायक एमटी राजा ने संबोधित करते हुए कहा कि सरकार आपके द्वार आपके घर तक पहुंची है। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। कहा कि अलग-अलग विभागों के स्टॉल लगाए गए है। कहा कि विभिन्न प्रकार के योजनाओं के लाभ लेने के लिए लगाए गए स्टॉल पर आवेदन जमा कर सकते है। आगे कहा कि जनप्रतिनिधि व पदाधिकारी सीधे जनता के कार्य एवं समस्या का सीधे निष्पादन करेंगे.कहा कि ब्लॉक व थाना में बिचौलिया प्रथा बर्दाश्त नहीं होगी। यदि किसी प्रकार की बिचौलिया की सुचना मिली तो सख्ती से कार्रवाई की जाएगी। मौके पर प्रभारी जीपीएस जनकदेव यादव, बीपीएम हारून रशीद,मनरेगा बीपीओ सत्यप्रकाश, प्रियरंजन कुमार,सहायक अभियंता प्रवीण कुमार,काजू मल्लिक,ऐनुल हक अंसारी,ताजेरूल हक,भैया किस्कू,इकबाल हुसैन,अब्दुल शेख,सलाम शेख,गुलाब शेख, दिनेश मंडल,शशि आनंद,रबीउल शेख,कनीय अभियंता साहिन रेजा,रंजन कुमार,ग्राम रोजगार सेवक राम प्रसाद यादव,मोजामिल अंसारी,विद्युत मिर्धा,बाबूलाल मंडल,हफीजुर रहमान सहित अन्य मौजूद थे। दक्षिण पलासगाछी पंचायत सचिवालय में आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के दौरान विधायक मो ताजुद्दीन ने उधवा अंचल अधिकारी जयंत कुमार तिवारी को निर्देश देते हुए कहा कि जमीन से जुड़े मामले दाखिल - खारिज,म्यूटेशन,एलपीसी सहित अन्य मामले नियम संगत समयांतराल पूर्ण करें। कहा कि कोई भी मामला अधिक समय तक पेंडिंग ना करें।

हज यात्रियों से पासपोर्ट के नाम पर थाना में पैसा लिया गया तो होगी कार्रवाई : विधायक मो ताजुद्दीन उर्फ एमटी राजा जी ने हज यात्रियों के पासपोर्ट वेरिफिकेशन के नाम पर थाना में किसी प्रकार की शुल्क लिए जाने वाले पुलिस पदाधिकारी पर सख्त कार्रवाई करने की बात कही। वहीं थाना प्रभारी को निर्देश देते हुए कहा कि पासपोर्ट वेरिफिकेशन के नाम बेवजह किसी को परेशान न करे। साथ ही कहा कि कार्य में लापरवाही हो या थाना में विलंब हो तो त्वरित एसडीपीओ से मिले।

पाकीजा मोड़ में बियर बार की दुकान खोलने का ग्रामीणों ने किया विरोध,प्रशासन से की कार्रवाई की मांग

धार्मिक सामाजिक माहौल पर पड़ने वाली संभावित असर की जताई चिंता

संवाददाता

साहिबगंज/उधवा: राधानगर थाना क्षेत्र के पाकीजा मोड़ और मिर्जानगर गांव में प्रस्तावित बियर बार को लेकर स्थानीय ग्रामीणों में नाराजगी तेज हो गई है। क्षेत्र के दर्जनों ग्रामीणों ने मंगलवार को उपायुक्त साहिबगंज को आवेदन सौंपकर बियर बार की अनुमति रद्द करने की मांग की। ग्रामीणों ने आवेदन की प्रतिलिपि बीडीओ उधवा, राधानगर थाना, अनुमंडल पदाधिकारी, पुलिस अधीक्षक, मुख्यमंत्री एवं राज्यपाल को भी भेजी है।ग्रामीणों का कहना है कि पाकीजा मोड़ बाजार क्षेत्र में बियर बार खोलने से सामाजिक वातावरण प्रभावित होगा। प्रतिदिन बड़ी संख्या मे आमजन, महिलाएं और स्कूली बच्चे इसी मार्ग से गुजरते हैं। इसके अलावा इसी इलाके में एक हनुमान मंदिर भी स्थित है, जहां सुबह-शाम महिलाएं पूजा-अर्चना के लिए पहुंचती हैं। ऐसे में बियर बार खुलने से धार्मिक माहौल और सामाजिक व्यवस्था पर विपरीत प्रभाव पड़ने की आशंका जताई गई है। ग्रामीणो में अमर मंडल, पिंकी कुमारी, स्वीटी कुमारी, रीना देवी, अजय मंडल, राधिका मंडल सहित कई लोगों ने आरोप लगाया कि स्थानीय दुकानदार नुकुल मंडल अपनी दुकान में बियर बार खोलने की तैयारी कर रहा है। ग्रामीणों का कहना है। कि एनएच से सटे भीड़भाड़ वाले क्षेत्र में शराब की दुकान संचालित होने से विवाद, असामाजिक गतिविधियों और दुर्घटनाओं की संभावना बढ़ सकती है। ग्रामीणों की शिकायत पर प्रशासन तुरंत सक्रिय हुआ। मंगलवार को उधवा बीडीओ सह सीओ जयंत कुमार तिवारी एवं राधानगर थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज टीम के साथ मौके पर पहुंचे और स्थानीय लोगों से विस्तृत पूछताछ की। बीडीओ जयंत कुमार तिवारी ने बताया कि ग्रामीणों द्वारा दिए गए आवेदन के आधार पर स्थल का निरीक्षण कर लिया गया है। तथ्यों की जांच की जा रही है और नियम के अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। हालाकी ग्रामीणों ने स्पष्ट कहा है कि वे गांव और बाजार क्षेत्र में शराब संबंधी किसी भी प्रतिष्ठान को खुलने नहीं देंगे। मामला अभी प्रशासनिक जांच के अधीन है।

रक्तदान से कोई कमजोरी नहीं होती है

साहिबगंज: बिहार निवासी लकड़ाकोल के सोनी देवी को डिलीवरी पेशेंट को रक्त की कमी का सूचना महादेवगंज निवासी विकास कुमार यादव को इसकी जानकारी हुई।उन्हें तुरंत संपर्क अनुराग राहुल से संपर्क किए।जिसकी सूचना महादेवगंज श्रीराम चौकी बाजार निवासी अमित कुमार को मिला।उन्होंने तुरंत सदर अस्पताल पहुंचकर रक्तदान करते हुए नजर आए। जबकि मौके पर विकास कुमार ने और सोनी देवी के परिवार में रक्तबी अमित कुमार को बहुत-बहुत धन्यवाद और आभार व्यक्त किया मौके पर विकास कुमार यादव ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि आगे जाकर रक्तदान करने की सलाह दी उन्हें समाज सेवी अनुराग राहुल ने युवा साथियों से अपील किया कि रक्तदान से किसी प्रकार के लिए कोई कमजोरी नहीं होती है जिनकी उम्र 18 से 50 वर्ष के हैं और स्वस्थ हैं।वह कम से कम साल में दो या तीन बार रकम कर सकते हैं।

तीन लोगों ने लाठी डंडे से मारपीट कर युवक को किया घायल

साहिबगंज: मिजाचौकी थाना क्षेत्र के नयाटोला निवासी युवक कमल किशोर उम्र 38 वर्ष पिता जितेंद्र प्रसाद सिंह के साथ थाना क्षेत्र के बड़तल्ला के रहने वाले 3 अन्य युवकों ने लाठी डंडे से सिर पर मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। जहां इस घटना के बाद घायल युवक ने मारपीट करने वाले एक युवक को पकड़कर थाना लेकर गए और उसे पुलिस के सुपुर्द कर दिया। उधर मिजाचौकी थाना में ड्यूटी पर तैनात पुलिस पदाधिकारी ने फौरन घायल युवक कमल किशोर को बेहतर इलाज हेतु साहिबगंज सदर अस्पताल भेज दिया गया जहां सदर अस्पताल में ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक ने फौरन इलाज किया। वही मारपीट मामले को लेकर घायल युवक कमल किशोर ने बताया कि वो दुकान चलाता है जहां दुकान बंद करके वो अपने घर वापस लौट रहा था कि तभी बड़तल्ला के रहने वाले 3 अन्य युवक उसके दुकान पर आए और कुछ सामान देने की मांग करने लगे। जहां घायल युवक कमल किशोर ने उन तीनों लड़कों से कहा कि दुकान बंद कर दिया गया है अब सामान नहीं दे सकते हैं। इसी बात पर तीनों युवकों ने एकाएक लाठी डंडे से सिर पर मारकर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। उधर मिजाचौकी थाना क्षेत्र की पुलिस ने घायल युवक के द्वारा मारपीट करने वाले युवक के खिलाफ बिना कानूनी कार्रवाई किए बगैर उसे छोड़ दिया है जिसको लेकर घायल युवक ने पुलिस से मारपीट करने वाले युवकों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है।

जाली नोट के संदेह पर दो युवक पुलिस हिरासत में

अकुनबन्ना तीन मोहानी चौक की घटना, वायरल वीडियो से बढ़ी हलचल

साहिबगंज/उधवा: राधानगर थाना क्षेत्र के अकुनबन्ना तीन मोहानी चौक के पास दो युवक के पास से 500 रुपए का कथित जाली नोट मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। दुकानदार द्वारा नोट की गुणवत्ता पर संदेह होने पर दोनों युवक को पकड़ लिया। जानकारी के अनुसार दो युवक मोटरसाइकिल पर सवार होकर दुकान पर पेट्रोल भरवाने पहुंचे थे। भुगतान के दौरान दिए गए नोट पर दुकानदार को जालसाजी का शक हुआ। संदेह गहराने पर दुकानदार ने दोनों युवकों को मौके पर ही रोक लिया और तुरंत राधानगर थाना को सूचना दी। बताया जा रहा है कि पकड़े गए दोनों युवक गोबरगाड़ी गांव के निवासी हैं। घटना का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।जिसमें ग्रामीणों द्वारा युवकों से पूछताछ करते हुए गांव का नाम

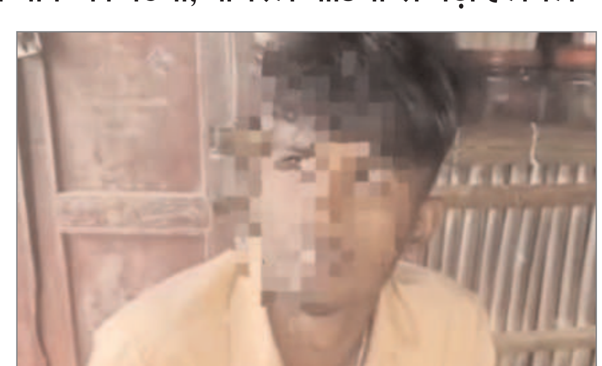

लेते हुए सुना जा सकता है। हालांकि वायरल वीडियो की सत्यता की पुष्टि यह अखबार नहीं करता। सूचना मिलते ही राधानगर थाना पुलिस तत्परता दिखाते हुए मौके पर पहुंची और भीड़ भाड़ के बीच दोनों युवकों को सुरक्षित अपने कब्जे में लेते हुए थाने लेकर गई।समाचार लिखे जाने तक पुलिस दोनों से पूछताछ कर रही थी तथा नोट की वास्तविकता की जांच की जा रही है।

हावड़ा मंडल पर नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य के लिए ट्रेनों का विनियमन

संवाददाता

साहिबगंज: 27 नवम्बर 2025 से 30 नवम्बर 2025 तक हावड़ा डिवीजन के खाना-गुमानी सेक्शन में पाकुड़ स्टेशन पर यार्ड रिमॉडलिंग कार्य के संबंध में प्री-नॉन इंटरलॉकिंग,नॉन इंटरलॉकिंग कार्य के कारण, निम्नलिखित ट्रेनों को निम्नानुसार विनियमित किया जाएगा । जिसमें एमईएमयू ,यात्री ट्रेनों का रद्दीकरण

बर्द्धमान से 63063 बर्द्धमान-तीनपहाड़ मेमू ट्रेन रद्द रहेगी28 नवम्बर से 30 नवम्बर 2025 तक,तीनपहाड़ से63064 तीनपहाड़-बर्धमान मेमू ट्रेन 28 नवम्बर 30 नवम्बर 2025 रद्द रहेगी। और मेल एक्सप्रेस ट्रेनों का मार्ग परिवर्तन यूपी दिशा में जाने वाल ट्रेन 13053 अप हावड़ा-राधिकापुर कुलिक एक्सप्रेस (यात्रा 26 नवम्बर, 27 नवम्बर व 30 नवम्बर 2025 को बंदेल में ठहराव के साथ बंदेल-कटवा-अजीमगंज-न्यू फरक्का के रास्ते मोड़ दिया जाएगा। नबद्वीप धाम, कटवा, सालार, खगराघाट रोड,अजीमगंज, जंगीपुर रोड और न्यू फरक्का स्टेशन। 12363 अप कोलकाता-हल्दीबाड़ी सुपरफास्ट एक्सप्रेस जेसीओ 27 नवम्बर और 13173 अप सियालदह-सबरूम,कंचनजंघा एक्सप्रेस जेसीओ 30 नवम्बर को नैहाटी लिंक केबिन-बंडेल-कटवा के रास्ते डायवर्ट किया जाएगा-अजीमगंज-न्यू फरक्का बैंडेल, नबद्वीप धाम, कटवा, सालार, खगराघाट रोड पर स्टॉपेज के साथ, अजीमगंज, जंगीपुर रोड और न्यू फरक्का स्टेशन। जबकि 12364 डाउन हल्दीबाड़ी-कोलकाता सुपरफास्ट एक्सप्रेस जेसीओ 28 नवम्बर 2025 और 30 नवम्बर 2025 को अजीमगंज, कटवा, नबद्वीप धाम, बंडेल और नैहाटी स्टेशनों पर ठहराव के साथ अजीमगंज-कटवा-बंदेल-नैहाटी लिंक केबिन के माध्यम से डायवर्ट किया जाएगा। 13434 डाउन मालदा टाउन-एसएमवीटी बेंगलुरु अमृत भारत एक्सप्रेस जेसीओ 30 नवम्बर को अजीमगंज-नलहटी-रामपुरहाट के रास्ते चलाया जाएगा और अजीमगंज एवं नलहटी स्टेशनों पर रुकेगी। 13054 डाउन राधिकापुर-हावड़ा कुलिक एक्सप्रेस जेसीओ 30 नवम्बर को अजीमगंज, कटवा, नबद्वीप धाम और बंडेल स्टेशनों पर ठहराव के साथ अजीमगंज-कटवा-बंडेल के रास्ते डायवर्ट किया जाएगा। 13032 डाउन जयनगर-हावड़ा एक्सप्रेस जेसीओ 29 नवम्बर को भागलपुर और दुमका स्टेशनों पर ठहराव के साथ भागलपुर-दुमका-रामपुरहाट के रास्ते डायवर्ट किया जाएगा। 13174 डीएन सबरूम-सियालदह कंचनजंघा एक्सप्रेस जेसीओ 29 नवम्बर को जंगीपुर रोड, अजीमगंज, कटवा, नबद्वीप धाम और बंडेल स्टेशनों पर ठहराव के साथ अजीमगंज-कटवा-बंडेल-नैहाटी लिंक केबिन के माध्यम से डायवर्ट किया जाएगा। 22512 डीएन कामाख्या-लोकमान्य तिलक टी कर्मभूमि एक्सप्रेस जेसीओ 29 नवम्बर 2025 को डायवर्ट किया जाएगा ।अजीमगंज-कटवा-बंडेल-हावड़ा-अंदुल के माध्यम से अजीमगंज, कटवा, नबद्वीप धाम में ठहराव के साथ,बंदेल और हावड़ा स्टेशन।ट्रेनों का अल्पकालीन समापन,अल्पकालीन आरंभ 53408 जमालपुर-रामपुरहाट पैसेंजर ट्रेन दिनांक 29 नवम्बर 2025 को साहिबगंज में समाप्त होगी। 53403 रामपुरहाट-गया पैसेंजर ट्रेन को साहिबगंज से रवाना किया जाएगा।रामपुरहाट दिनांक 30 नवम्बर से ट्रेनों का नियंत्रण 12507 अप तिरुवनंतपुरम सेंट्रल-सिलचर अरोनई एक्सप्रेस जेसीओ 25 नवम्बर को मार्ग में 90 मिनट तक नियंत्रित किया जाएगा।15227 अप एसएमवीटी बेंगलुरु-मुजफ्फरपुर एक्सप्रेस जेसीओ 27 नवम्बर को मार्ग में 60 मिनट तक नियंत्रित किया जाएगा। 12509 अप एसएमवीटी बेंगलुरु- गुवाहाटी सुपरफास्ट एक्सप्रेस जेसीओ 28 नवम्बर को मार्ग में 180 मिनट तक नियंत्रित किया जाएगा।इसके अलावा, 13425 मालदा टाउन-सूरत साप्ताहिक एक्सप्रेस जेसीओ 29 नवम्बर मालदा टाउन से 12:55 बजे के बजाय 15:55 बजे रवाना होगी।

रजनीकांत की जेलर 2 में नजर आएंगी अपेक्षा पोरवाल

अ तेज़ रफ़्तार से ऊपर उठ रहीं अपेक्षा पोरवाल, जो अनदेखी, हनीमून फ़ोटोग्राफ़र और इंटरनेशनल हिट स्लेव मार्केट में अपने दमदार और अलग–अलग किरदारों से छा चुकी हैं, अब रजनीकांत की बहुचर्चित जेलर 2 में एक अहम रोल झटक ले गई हैं। पहली जेलर, जिसे सन पिक्चर्स ने बनाया और नेल्सन दिलीपकुमार ने डायरेक्ट किया था, ने दुनिया भर में 600 करोड़ से ज़्यादा की कलेक्शन पर तिलक लगाया था। ऐसे में इसकी सीक्वल की गूंज तो पैन–इंडिया फ़िल्म ब्रह्मांड में पहले से ही मचा रही है। और इसी शोर के बीच, यह फ़िल्म अपेक्षा का साउथ में पहला कदम भी बन रही है — यानी उनके करियर की कहानी का एक नया और दिलचस्प पन्ना खुल रहा है। अपनी बारीक और असरदार परफॉर्मेंसेज़ के लिए पहचानी जाने वाली यह युवा एक्ट्रेस अब इंडिया और ग्लोबल, दोनों स्क्रीन पर एक मजेदार सफ़र जारी रखे हुए है। पैन–इंडिया फ़िल्म लीग में बड़े–बड़े सितारों के साथ कदम मिलाते हुए, अपेक्षा बिल्कुल सही मोड़ पर जेलर 2 में एंट्री मार रही हैं — और यह एंट्री उनके सफ़र को एक नई सुपरचार्ज्ड स्पीड देने वाली है।

अनुपम खेर ने जिसे कभी कहा था धोखेबाज, वो बन गया उनकी ताकत, एक्टर ने कहा-शुक्रिया

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता अनुपम खेर ने हिंदी सिनेमा में 500 से अधिक फिल्मों में काम किया है। उन्होंने हमेशा अपनी सफलता का श्रेय भारतीय फिल्म निर्माता और निर्देशक महेश भट्ट को दिया है, हालांकि 90 के दशक में एक समय ऐसा भी आया जब दोनों के बीच मनभेद की खबरें आईं, लेकिन समय के साथ सब कुछ ठीक हो गया। हाल ही में महेश भट्ट और अनुपम खेर की मुलाकात एयरपोर्ट पर हुई। अनुपम खेर ने इंस्टाग्राम पर अपनी और महेश भट्ट की फोटो शेयर की, जिसमें दोनों एक साथ बहुत खुश दिख रहे हैं। एक्टर ने फोटो के कैप्शन में लिखा, 'अगर आपको समझ नहीं आ रहा कि आप कहां जा रहे हैं, तो किसी ऐसे व्यक्ति से पूछिए जो पहले वहां गया हो। हमेशा साथ रहने के लिए शुक्रिया भट्ट साब। आप मेरे लिए बहुत बड़ी ताकत रहे हैं। स्क्रीन पर और स्क्रीन के बाहर! आपसे प्यार करता हूं।' महेश भट्ट की फिल्म 'सारांश' से ही अनुपम खेर को हिंदी सिनेमा में पहचान मिली थी, लेकिन इसी फिल्म के समय महेश भट्ट और अनुपम खेर के बीच बड़ा विवाद हो गया था। अनुपम खेर अपने इंटरव्यू में इस बात का जिक्र कई बार कर चुके हैं कि महेश भट्ट उनके लिए पिता समान हैं और हमेशा उनका गुस्सा सिर-माथे पर है। एक बार एक्टर ने बताया था कि जब उन्हें 'सारांश' फिल्म ऑफर हुई थी, तो वे बहुत खुश थे।

फिल्म की शूटिंग शुरू होने वाली थी, तभी मुझे पता चलता है कि मुझे फिल्म से हटाकर संजीव कुमार को कास्ट कर लिया गया है। ये सुनकर मैं आग बबूला हो गया था और मैंने मुंबई शहर को ही छोड़ने का फैसला कर लिया था। अनुपम ने आगे बताया कि गाड़ी में अपना सामान पैक करके वे महेश भट्ट के घर पहुंचे और उन्हें धोखेबाज से लेकर चालबाज तक कह दिया। उन्होंने कहा, 'मेरी आंखों में आंसू थे और मैं कह रहा था कि आपने मेरे साथ गलत किया।' इसके बाद महेश भट्ट ने फिल्म के प्रोड्यूसर को फोन किया और कहा कि अनुपम ही रोल करेगा, संजीव कुमार को मना कर दो। बहुत सारे लोगों को लगता है कि अनुपम खेर की पहली फिल्म 1984 की 'सारांश' थी, लेकिन उनके करियर की पहली फिल्म 1982

'पति, पत्नी और पंगा' विनर

'पति, पत्नी और पंगा' की विनर बनी रूबिना-अभिनव की जोड़ी, देबिना-गुरमीत को फिनाले में दी मात

शो 'पति, पत्नी और पंगा' के विनर मिल चुके हैं। टॉप 2 में रुबिना-अभिनव और गुरमीत और देबिना थे जिनके बीच फाइनल टक्कर हुई। कलर्स टीवी का चर्चित रियलिटी शो 'पति पत्नी और पंगा' अब खत्म हो चुका है। तीन महीने से ज्यादा समय तक दर्शकों को मनोरंजन, भावनाओं और रिश्तों की जटिलताओं से रूबरू कराने के बाद इस शो का विनर अब मिल चुका है। शो की विनर टीवी की लोकप्रिय जोड़ी बनी है।

पति, पत्नी और पंगा के विनर बनी ये जोड़ी

'पति, पत्नी और पंगा' के विनर रुबिना दिलैक और अभिवन शुक्ला बन गए हैं। जी हां, फैंस को लंबे समय से शो के विनर का इंतजार था और अब रुबिना और अभिवन शो के विजेता के तौर पर सामने आ चुके हैं।

टॉप 2 में थे डेबिना-गुरमीत और रुबिना-अभिनव

बता दें शो के फिनाले टास्क में टीवी की दो बड़ी जोड़ियों देबिना-गुरमीत और रुबिना और अभिनव के बीच मुकाबला हुआ। यही शो की टॉप 2 जोड़ियां थीं। इन्हीं में फाइनल टास्क में एक जोड़ी को जीतने के लिए कुल मिलाकर 10 सवालों का सही जवाब देना था। टास्क कुछ ऐसा था जिसमें पति और पत्नी को एक दूसरे से बिना शब्द का इस्तेमाल किए वो गेस अपने पति या पत्नी से गेस करवाना था।

टॉप 4 में पहुंचे थे ये कपल्स

शो के टॉप 4 फाइनलिस्ट इससे पहले सामने आए थे, जिन्होंने अपने शानदार प्रदर्शन और दर्शकों की पसंद के दम पर जगह बनाई है। ग्रैंड फिनाले में पहुंची चार जोड़ियों ने पूरे सीजन में अपने रिश्तों, केमिस्ट्री और परफॉर्मेंस से दर्शकों का दिल जीता। इनमे स्वरा भास्कर-फहाद अहमद 34 पॉइंट्स के साथ देबिना बनर्जी - गुरमीत चौधरी 33 पॉइंट्स के साथ, गीता फोगाट - पवन कुमार 31 पॉइंट्स के साथ और रुबीना दिलैक - अभिनव शुक्ला 27 पॉइंट्स के साथ पहुंचे थे।

शो में कौन-कौन था शामिल?

फिनाले एपिसोड को पूरी तरह सेलिब्रेशन मोड में शूट किया गया। होस्ट सोनाली बेंद्रे और मुनव्वर फारूकी के अलावा शो में टीवी की पॉपुलर जोड़ियां- हिना खान-रॉकी, सुदेश लहरी-ममता लहरी और अविका गौर-मिलिंद शामिल थे। इसके अलावा वाइल्ड कार्ड के तौर पर अभिषेक कुमार और ईशा मालवीय थे।

परिधि ने बड़ी मुश्किल बाबा बड़ी मुश्किल गाने पर किया डांस

● फैंस ने कमेंट सेक्शन में भेजे हार्ट इमोजी

लोकप्रिय धारावाहिक जोधा-अकबर से घर-घर में मशहूर होने वाली अभिनेत्री परिधि शर्मा इन दिनों फिल्म 'हक' को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। शनिवार को अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया। वीडियो में अभिनेत्री 'बड़ी मुश्किल बाबा बड़ी मुश्किल' गाने पर शानदार एक्सप्रेशन के साथ डांस करती दिखीं। वीडियो में परिधि पीले रंग की साड़ी पहनी हुई है। उन्होंने वीडियो शेयर कर लिखा, 'बड़ी मुश्किल बाबा बड़ी मुश्किल' फैंस को उनका ये खास अंदाज काफी पसंद आ रहा है। फैंस कमेंट सेक्शन पर उन्हें 'हार्ट', 'फायर', और 'स्माइली' इमोजी शेयर कर रहे हैं। 'बड़ी मुश्किल बाबा बड़ी मुश्किल' गाना साल 2001 में रिलीज हुई फिल्म 'लज्जा' का है। इस गाने को अल्का यागनिक ने गाया है। वहीं गाने के बोल समीर के हैं। गाने में माधुरी दीक्षित और मनीषा कोइराला ने डांस किया है, जिसे लोग आज भी पसंद करते हैं। राजकुमार संतोषी द्वारा निर्देशित फिल्म में रेखा, माधुरी दीक्षित, मनीषा कोइराला, महिमा चौधरी, अनिल कपूर, अजय देवगन और जैकी श्रॉफ अहम भूमिका में थे। अभिनेत्री परिधि की बात करें तो उन्होंने साल 2010 में 'तेरे मेरे सपने' से शुरुआत की थी, लेकिन घर-घर में पहचान जोधा अकबर में जोधा के किरदार से ही मिली थी। इस धारावाहिक ने उन्हें कई सारे पुरस्कार भी दिलवाए थे। करियर में उन्होंने 'रुक जाना नहीं', 'पटियाला बेब्स', 'ये कहां आ गए हम', 'जग जननी मां वैष्णो देवी', और 'चीकू की मम्मी दूर की' जैसे कई धारावाहिकों में काम किया है। हाल ही में अभिनेत्री ने फिल्म हक से बॉलीवुड में कदम रखा है। फिल्म में यामी गौतम, इमरान हाशमी और वर्तिका मुख्य भूमिका में हैं। वहीं, इसमें शीबा चड्ढा, दानिश हुसैन और असीम हत्तंगडी अहम भूमिका में हैं। फिल्म की स्क्रिप्ट रेशु नाथ ने लिखी है।

भोजपुरी एक्ट्रेस नीलम गिरी का धमाकेदार डांस देख फैंस रह गए दंग, एक्सप्रेशन ने लूटा दिल

'बिग बॉस' से बाहर आने के बाद भोजपुरी एक्ट्रेस नीलम गिरी की लोकप्रियता में इजाफा हुआ है। सोशल मीडिया पर वह पहले से कहीं ज्यादा एक्टिव नजर आ रही हैं और फैंस के साथ अपने खास पलों को शेयर कर रही हैं। नीलम ने रविवार को इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह अपने गाने 'देवरा छोहारा लागे' पर डांस करती दिख रही हैं। फैंस इस वीडियो को काफी पसंद कर रहे हैं और उनकी तारीफों के पुल बांध रहे हैं। वीडियो में नीलम गिरी को बेहद आत्मविश्वास से भरपूर देखा जा सकता है। वह गाने के हर एक बीट पर पूरे जोश के साथ डांस करती दिख रही हैं। उनके एक्सप्रेशन और डांस स्टेप्स बेहद जबरदस्त हैं। उनका हर मूवमेंट म्यूजिक के साथ पूरी तरह मेल खा रहा है। सोशल मीडिया पर इस वीडियो को फैंस खूब देख रहे हैं और जमकर कमेंट्स कर रहे हैं। 'देवरा छोहारा लागे' गाने की बात करें, तो इसे शिल्पी राज ने गाया है। वहीं. आशुतोष तिवारी ने गाने के बोल लिखे हैं और म्यूजिक प्रियांशु सिंह का है। निर्देशक और कोरियोग्राफर की जिम्मेदारी रौनक राउत ने निभाई है। नीलम गिरी की जर्नी की बात करें तो उन्होंने अपने करियर की शुरुआत टिकटॉक से की थी, जहां उनकी वीडियोज को सुपरस्टार पवन सिंह ने नोटिस किया और उन्हें ब्रेक दिया। इसके बाद उन्होंने अपना पहला भोजपुरी गाना 'धनिया हमार नया बाड़ी हो' किया, जो हिट साबित हुआ। इस गाने के बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। साल 2021 में उन्होंने भोजपुरी फिल्म 'बाबुल' में लीड एक्ट्रेस के तौर पर डेब्यू किया, और इसके बाद 2022 में तीन और फिल्मों 'इज्जत घर', 'टुन टुन' और 'कलाकंद' में काम किया। 'यूपी-61 लव स्टोरी ऑफ गाजीपुर' और 'जस्ट मैरिड' भी उनकी सफल फिल्मों में शामिल हैं।

खंड लगदी पर रानी चटर्जी ने लगाए ठुमके तो एक फैन ने खुलेआम बता दी दिली ख्वाहिश

भोजपुरी इंडस्ट्री की क्वीन कही जाने वाली रानी चटर्जी अक्सर अपने फिटनेस वीडियो, फोटोशूट और रील्स के चलते सोशल मीडिया पर चर्चा में रहती हैं। रविवार को रानी चटर्जी ने 'खंड लगदी' गाने पर ठुमके लगाए तो उन्होंने न केवल भोजपुरी, बल्कि पंजाबी म्यूजिक पसंद करने वाले दर्शकों का भी दिल जीत लिया। लगे हाथ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर रानी के एक फैन ने अपनी दिली ख्वाहिश जाहिर कर दी। दरअसल रानी चटर्जी ने इंस्टाग्राम पर अपना एक वीडियो शेयर किया। इसमें वह हाल ही में रिलीज हुई शहनाज गिल की फिल्म 'इक कुड़ी' के नए पेपी पंजाबी सॉन्ग 'खंड लगदी' पर डांस करते हुए दिख रही हैं।
वीडियो पोस्ट होते ही यह इंस्टाग्राम पर ट्रेंड होने लगा है। वीडियो में रानी चटर्जी बेहद खूबसूरत लग रही हैं। अनारकली सूट में कर्ली हेयरस्टाइल वाला उनका लुक पूरे वीडियो को एक रॉयल और फेस्टिव टच दे रहा है। वीडियो में रानी 'खंड लगदी' के बीट पर जोरदार ठुमके लगाती दिख रही हैं। उनके एनर्जेटिक डांस स्टेप्स, चेहरे की प्यारी मुस्कान और कैमरे के साथ उनके परफेक्ट लिप्सिंक से साफ है कि वह इस गाने का पूरा फील ले रही थीं। उन्होंने कैप्शन में लिखा, मैं खंड तो हां क्यों?'

क्रिस्टियानो रोनाल्डो को मिली राहत, फीफा वर्ल्ड कप 2026 में खेल सकेंगे शुरूआती मैच

एजेंसी

मियामी : पुर्तगाल के सुपरस्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो को फीफा वर्ल्ड कप 2026 के लिए बड़ी राहत मिली है। वैश्विक फुटबॉल संस्था फीफा ने मंगलवार को उनके खिलाफ लगाए गए तीन मैचों के प्रतिबंध में से दो मैचों को ह्लसस्पेंडेड बैनह्व कर दिया है। इसका मतलब है कि रोनाल्डो अब वर्ल्ड कप के शुरूआती मुकाबलों में खेल सकेंगे। रोनाल्डो को नवंबर की शुरूआत में डबलिन में आयरलैंड के खिलाफ खेले गए मैच के दौरान डारा ओ'शेया को कोहनी मारने पर रेड कार्ड मिला था। पुर्तगाल उस मुकाबले में 0-2

से हार गया था। यह 40 वर्षीय दिग्गज खिलाड़ी के 226 अंतरराष्ट्रीय मैचों में पहला रेड कार्ड था। फीफा ने तीन मैचों का प्रतिबंध लगाया था, जिसमें से एक मैच का बैन रोनाल्डो पहले ही पूरा कर चुके हैं, जब पुर्तगाल ने आर्मेनिया को हराकर वर्ल्ड कप 2026 के लिए क्वालीफाई किया। फीफा ने बयान में कहा,₹फीफा अनुशासनात्मक संहिता के अनुच्छेद 27 के अनुसार, दो मैचों का शेष प्रतिबंध एक वर्ष की परिवीक्षा अवधि के तहत निलंबित किया जाता है। इसके अनुसार, अगर रोनाल्डो इस एक वर्ष की अवधि में इसी तरह का कोई गंभीर उल्लंघन करते हैं, तो निलंबन तत्काल प्रभाव से हट जाएगा और उन्हें दो मैचों का प्रतिबंध झेलना पड़ेगा। रोनाल्डो, जो अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में 143 गोल के साथ सर्वाधिक गोल करने वाले पुरुष खिलाड़ी हैं, अगले साल अमेरिका, मेक्सिको और कनाडा में होने वाले छठे विश्व कप में खेलने की तैयारी में हैं। हालांकि उन्होंने अब तक वर्ल्ड कप ट्रॉफी नहीं जीती है, लेकिन यूरो 2016 का खिताब उनके नाम है।

बीसीए स्टेडियम के लिए 49.61 करोड़ रुपये की सब्सिडी मंजूर

वडोदरा : भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) राज्य क्रिकेट संघों को स्टेडियम के विकास के लिए सब्सिडी प्रदान करता है। इसी क्रम में बड़ौदा क्रिकेट एसोसिएशन (बीसीए) के लिए लंबित पड़ी बीसीए स्टेडियम की सब्सिडी को मंजूरी मिल गई है। अब यह पूरी राशि बीसीए को प्राप्त होगी। हाल ही में बीसीए की 85वीं वार्षिक आम सभा (अॠट) आयोजित हुई थी, जिसमें सदस्यों ने सभी प्रस्तावों को बहुमत से मंजूरी दी। नियमों के तहत बीसीए ने आवश्यक दस्तावेज बीसीसीआई को सौंप दिए थे। बीसीए के अनुसार, बीसीसीआई ने बीसीए इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम के इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास हेतु लंबित सब्सिडी राशि ?49,61,59,912 + जीएसटी स्वीकृति दे दी है। बीसीए का कहना है कि यह राशि स्टेडियम के संचालन, सुविधाओं के आधुनिकीकरण और भविष्य की योजनाओं को और मजबूत करेगी। बीसीए अध्यक्ष प्रणव अमीन ने कहा, ह्लयह रिम्बर्समेंट हमारे लिए बेहद महत्वपूर्ण है। आगामी अंतरराष्ट्रीय वनडे मैच

की तैयारियों के बीच हमारी प्राथमिकता एक आधुनिक, सुगम और खिलाड़ियों तथा दर्शकों को उत्कृष्ट अनुभव देने वाला स्टेडियम विकसित करना है।ह्व

मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज इंदौर और उज्जैन दौरे पर, विभिन्न विकास कार्यों की देंगे सौगात

एजेंसी

भोपाल : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज बुधवार को इंदौर और उज्जैन के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वे खेल, किसान कल्याण, बुनियादी ढांचा और धार्मिक-सांस्कृतिक क्षेत्र में कई बड़ी सौगातें देंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार सुबह 9 बजे भोपाल की बड़ी झील स्थित जल क्रीड़ा केंद्र जाएंगे। यहां वे 45वीं जूनियर नेशनल रोइंग चैंपियनशिप एवं 8वीं इंटर स्टेट चैलेंजर्स रोइंग चैंपियनशिप में शामिल होकर खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करेंगे। इसके बाद मुख्यमंत्री डॉ. यादव सुबह 10:20 बजे भोपाल से रवाना होकर 10:50 बजे वे इंदौर पहुंचेंगे। वे यहां लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर आयोजित नर्मदा प्रवाह यात्रा यूनिटी मार्च का स्वागत करेंगे और यात्रा में शामिल होंगे। नागपुर से निकलने वाली यह यात्रा इंदौर से होकर गुजरेगी और आगे धार, झाबुआ होते हुए गुजरात के गोधरा में प्रवेश करेगी। यात्रा का मार्ग भव्य स्वागत और उत्साह के साथ तय किया जाएगा। इंदौर में यह यात्रा सरदार पटेल प्रतिमा से प्रारंभ होगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सरदार पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण करेंगे और यात्रा का शुभारंभ करते हुए जनसभा में शामिल होंगे। यात्रा के दौरान मार्ग में सरदार पटेल के जीवन पर आधारित चित्र, स्मरण लेख, कविता पाठ, पेड़-रोपण कार्यक्रम, स्वच्छता अभियान, स्वदेशी प्रदर्शनी, सांस्कृतिक मंडलों के प्रदर्शन, लोक नृत्य, युवा संवाद और खेल गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। इसके बाद दोपहर 1 बजे वे गौतमपुरा जाएंगे, जहां गांधी चौक अचलेश्वर महादेव मंदिर से कार्यक्रम स्थल तक भव्य रोड शो होगा। दोपहर 1:45 बजे भावांतर किसान सम्मेलन को संबोधित करेंगे और किसानों को बड़ी राहत देने वाले ऐलान कर सकते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव दोपहर 3 बजे इंदौर से रवाना होकर 3:25 बजे पहुंचेंगे। यहां आकाशवाणी केंद्र का उद्घाटन, सांदीपनि विद्यालय, महाराजवाड़ा का लोकार्पण, शासकीय धन्वंतरि आयुर्वेदिक महाविद्यालय में नवीन छात्रावास भवन का भूमि पूजन, महत्वपूर्ण रेलवे ओवर ब्रिज का लोकार्पण करेंगे। इसके बाद शाम 5:25 बजे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भोपाल वापस पहुंच जाएंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मुंबई हमले की बरसी पर शहीद जवानों और दिवंगत नागरिकों को दी श्रद्धांजलि

भोपाल : मुंबई में 26 नवंबर 2008 को हुए आतंकवादी हमले की आज बुधवार को 17वीं बरसी है। इस अवसर मप्र के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वीर शहीदों और दिवंगत नागरिकों को श्रद्धाजंलि अर्पित की। उन्होंने कहा राष्ट्र उनके बलिदान को कभी नहीं भूलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया एक्स पर अपने संदेश में कहा मुंबई के 26/11 हमले में देश एवं मानवता की रक्षा करते शहीद हुए वीर जवानों और दिवंगत नागरिकों को नमन करता हूं। मेरी संवेदनाएं अपने प्रियजनों को खोने वाले नागरिकों के साथ हैं।हम सभी को राष्ट्र की अस्मिता एवं अखंडता को अक्षुण्ण रखने के लिए आतंकवाद के खिलाफ हर क्षण सतर्क और एकजुट रहना होगा। गौरतलब है कि आज ही के दिन 17 साल पहले मुंबई में यह भयावह आतंकी हमला हुआ था। 26 नवंबर 2008 को पाकिस्तान से आए 10 आतंकवादियों ने मुंबई के कई हिस्सों में एक साथ हमला किया था। जिसमें सुरक्षाकर्मियों और विदेशियों समेत 166 लोग मारे गए थे और सैंकडुों की संख्या में लोग घायल हुए थे।

रायपुर : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय आज रायपुर, ओडिशा और महासमुंद जिले के प्रवास पर

रायपुर : छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय आज बुधवार को रायपुर, उड़ीसा और महासमुंद जिले के दौरे पर रहेंगे । तय कार्यक्रम के मुताबिक सुबह 11 बजे अंबेडकर चौक में भीमराव अंबेडकर की मूर्ति पर माल्यार्पण करेंगे । उसके बाद टाउन हाल जाकर संविधान दिवस कार्यक्रम में शामिल होंगे । रायपुर से हेलीकॉप्टर से उड़ान भरकर ओडिशा के बरगढ़ जिले के बेगीबेरा पहुंचकर मां वैष्णोदेवी का दर्शन लाभ लेंगे ।

सोनपुर मेला क्विज प्रतियोगिताः दूसरे सप्ताह के तीन भाग्यशाली विजेता सम्मानित

एजेंसी

पटना : सारण जिला प्रशासन द्वारा आयोजित सोनपुर मेला क्विज प्रतियोगिता के दूसरे सप्ताह के तीन भाग्यशाली विजेता को मुख्य मंच पर पुरस्कृत किया गया। विजेताओं में मशरक की मधु पांडे (आंगनबाड़ी सेविका), सोनपुर के आरव राजदान एवं मिजार्पुर बसंत (गरखा) के श्याम गुप्ता शामिल हैं। विजेताओं का चयन एनआईसी में रैंडमाइजेशन प्रक्रिया के माध्यम से किया गया। प्रतियोगिता के तहत जिला प्रशासन, सारण के फेसबुक पेज पर सोनपुर मेला की थीम पर प्रत्येक सप्ताह सोमवार से शनिवार तक प्रतिदिन एक प्रश्न पूछा जा रहा है। सही उत्तर देने वालों में से प्रत्येक सप्ताह तीन प्रतिभागियों को लकी ड्रा के जरिए विजेता घोषित किया जाता है। प्रथम सप्ताह के विजेताओं को भी पहले ही सम्मानित किया जा चुका है। प्रतियोगिता के माध्यम से लोगों को सोनपुर मेला के इतिहास, संस्कृति और विशेषताओं से परिचित कराने का प्रयास किया जा रहा है।

मध्य प्रदेश में दो दिन बाद फिर बदलेगा मौसम, बढ़ेगी ठंड, कई शहरों में तापमान लुढ़कने की संभावना

एजेंसी

भोपाल : मध्य प्रदेश में ठंड से मिली हल्की राहत ज्यादा दिन टिकने वाली नहीं है। मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले दो दिनों बाद प्रदेश में सर्दी एक बार फिर जोर पकड़ सकती है। फिलहाल, भोपाल, इंदौर और उज्जैन जैसे बड़े शहरों में बादल छाए रहने से रात का तापमान 5 से 6 डिग्री तक बढ़ा है, हालांकि दिन में हल्की ठंडक कायम है। मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश में बादलों की मौजूदगी के बावजूद बारिश की कोई संभावना नहीं है। उत्तरी पहाड़ी राज्यों उत्तराखंड, हिमाचल और जम्मू-कश्मीर में बर्फबारी जारी है, लेकिन हवा का रुख बदलने से वहां की ठंडी बयार फिलहाल मध्यप्रदेश तक नहीं पहुंच पा रही। वहीं बंगाल की खाड़ी में सक्रिय लो-प्रेशर सिस्टम के कारण राज्य में हल्के बादल बने हुए हैं, जिससे दिन और रात के तापमान में अंतर देखने को मिल रहा है। सोमवार और मंगलवार को भोपाल का न्यूनतम तापमान 15.4 डिग्री, इंदौर का 16.8 डिग्री, उज्जैन का 16.7 डिग्री और ग्वालियर का 10 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। दूसरी ओर नौगांव, रीवा, मुरैना, खजुराहो, चित्रकूट और दतिया में पारा 10 डिग्री से नीचे रहा। नौगांव में सबसे कम 8 डिग्री दर्ज किया गया, जबकि खजुराहो और चित्रकूट में तापमान क्रमशः 9.6 और 9.7 डिग्री सेल्सियस रहा। मंगलवार को भी कई शहरों में अधिकतम तापमान 25 डिग्री के आसपास रहा, जिससे ठंड का एहसास दिन में भी बना रहा।

प्रदेश में इस बार नवंबर ने कई रिकॉर्ड तोड़े हैं। भोपाल में 84 साल की सबसे कड़ी ठंड दर्ज हुई, जबकि इंदौर ने भी 25 साल का रिकॉर्ड पीछे छोड़ दिया। 6 नवंबर से शुरू हुए शीतलहर के दौर ने लगातार 15 दिन तक पूरे प्रदेश को कंपा दिया था, हालांकि नवंबर के अंतिम सप्ताह में मौसम ने कुछ नरमी दिखाई। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि पहाड़ी राज्यों में समय से पहले हुई बर्फबारी के कारण ही नवंबर में एमपी में रिकॉर्ड ठंड पड़ी। अब दो दिन बाद उत्तर से आने वाली हवाएं तेज होने की संभावना है, जिससे प्रदेश के कई हिस्सों में पारा फिर तेजी से नीचे जा सकता है। दिसंबर के पहले सप्ताह में कड़ाके की ठंड का दौर फिर से शुरू हो जाएगा।

शीतलहर के बढ़ते प्रकोप के कारण प्रदेश में बढ़ी ठंड, श्रीनगर में इस मौसम की सबसे ठंडी रात दर्ज

श्रीनगर : जम्मू-कश्मीर में शीतलहर के बढ़ते प्रकोप के कारण प्रदेश में ठंड बढ़ती ही जा रही है। इसी बीच श्रीनगर में इस मौसम की सबसे ठंडी रात रही जहाँ कम से कम तापमान शून्य से नीचे 3.9 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया है। कश्मीर मौसम कार्यालय के अनुसार घाटी के कई हिस्सों में तापमान जमावट बिंदू से कईं डिग्री नीचे दर्ज किया गया। बारामूला में शून्य से नीचे 5.9 डिग्री सेल्सियस, पुलवामा में शून्य से नीचे 5.8 डिग्री सेल्सियस, पंपोर और अनंतनाग में शून्य से नीचे 5.5 डिग्री सेल्सियस जबकि शोपियां में शून्य से नीचे 6.2 डिग्री सेल्सियस के साथ सबसे ठंडा रहा। मशहूर हिल रिसॉर्ट पहलगाम में शून्य से नीचे 4.6 डिग्री सेल्सियस और कुपवाड़ा में शून्य से नीचे 4.0 डिग्री सेल्सियस रहा।ऊँचे इलाकों में हालात और भी खराब हैं जोजिला दर्रे में तापमान शून्य से नीचे 16 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया जो इस मौसम के सबसे कम तापमान में से एक है।सेंट्रल और साउथ कश्मीर में भी तापमान जमावट बिंदू से काफी नीचे रहा। बडगाम में शून्य से नीचे 4.2 डिग्री सेल्सियस, बांदीपोरा में शून्य से नीचे 4.2 डिग्री सेल्सियस, अवंतीपोरा में शून्य से नीचे 5.0 डिग्री सेल्सियस, गांदरबल में शून्य से नीचे 2.8 डिग्री सेल्सियस और सोनमर्ग में शून्य से नीचे 3.1 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

बांग्लादेश में खंगाले गए शेख हसीना के बैंक लॉकर, 9.704 किलोग्राम स्वर्ण आभूषण मिले

एजेंसी

ढाका : बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण-1 के अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को मौत की सजा का फैसला सुनाने के बाद अंतरिम सरकार ने उनकी चल-अचल संपत्ति को जब्त करने की प्रक्रिया शुरू की है। नेशनल बोर्ड ऑफ रेवेन्यू के सेंट्रल इंटेलिजेंस सेल ने मोतीझील में अग्रणी बैंक की प्रमुख शाखा में शेख हसीना के नाम पर पंजीकृत दो लॉकर्स से 832.51 भोरी सोने (9.704 किलोग्राम) के गहने बरामद किए हैं। द डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार, नेशनल बोर्ड ऑफ रेवेन्यू के सेंट्रल इंटेलिजेंस सेल के अधिकारियों ने सोमवार को यह कार्रवाई की। इसके विवरण में बताया गया कि अधिकारियों ने नियमानुसार लॉकर नंबर 751 और 753 को खोला। इन लॉकर्स से स्वर्ण आभूषणों के अलावा देश-विदेश से मिले अवॉर्ड और तोहफे भी बरामद हुए हैं। हसीना के नाम पर पंजीकृत एक और लॉकर सोमवार को ही पुबाली बैंक में खोला गया। अधिकारियों ने कहा कि वहां कोई संपत्ति नहीं मिली। उल्लेखनीय है कि बांग्लादेश में भोरी सोना मापने की पारंपरिक इकाई है। एक भोरी को लगभग 11.664 ग्राम के बराबर माना जाता है। यह इकाई भारत और नेपाल जैसे अन्य दक्षिण एशियाई देशों में भी इस्तेमाल होती है। आभूषणों को बनाने और उनकी कीमत निर्धारित करने के लिए इस इकाई का बड़े पैमाने पर उपयोग किया जाता है।

मणिपुर में सुरक्षा बलों ने तीन जिलों से भारी मात्रा में हथियार-विस्फोटक बरामद किए

एजेंसी

इंफाल : मणिपुर में सुरक्षा बलों ने पिछले 24 घंटों में तीन जिलों से भारी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक बरामद किए हैं। यह कार्रवाई चुराचांदपुर, कांगपोकपी और इंफाल पश्चिम जिले में हुई। इस दौरान एक उग्रवादी को गिरफ्तार करने में सुरक्षा बल सफल रहे। चुराचांदपुर जिले के गेलमोल गांव में तलाशी अभियान के दौरान सुरक्षा बलों ने करीब 40 किलोग्राम विस्फोटक से युक्त एक लॉन्ग-रेंज रॉकेट, रॉकेट लॉन्चिंग स्टैंड, बैटरी पीस और पांच रेत की बोरियां बरामद कीं। कांगपोकपी जिले के गेलबुंग जंगल में सुरक्षा बलों ने एक सीएमजी कार्बाइन और मैगजीन, एक .303 रायफल, दो पिस्टल और दोनों की मैगजीन, नौ देशी बोल्ट-एक्शन सिंगल बैरल बंदूकें, एक देशी एसबीबीएल, एक लोकल मेड ग्रेनेड, 46 जिंदा कारतूस, 80 खाली खोखे, एक सेफ्टी फ्यूज, एक डेटोनेटर, तीन पीस पीईके, चार पम्पी, एक पम्पी स्टैंड, दो बाओफेंग हैंडसेट, एक जोड़ी जंगल बूट और एक मैगजीन पाउच बरामद किया।

कांगचुप थाना क्षेत्र अंतर्गत सोंगलुंग गांव के आसपास भी एक बड़ा ऑपरेशन चलाया गया। यहां से सुरक्षा बलों ने एक हेकर एंड कोच जी3 रायफल और मैगजीन, दो बोल्ट-एक्शन रायफलें, चार पुल मैकेनिज्म रायफलें, एक इम्प्रोवाइज्ड मोर्टार, दो-दो नंबर.36 हैंड ग्रेनेड, आर्मिंग रिंग और डेटोनेटर, दो जी3 लाइव राउंड और एक हैंडहेल्ड रेडियो सेट बरामद किया। इस बीच मणिपुर पुलिस ने इंफाल पश्चिम जिले के वांगोई थाना क्षेत्र के चंद्रनदी लामखई इलाके से केसीपी (पीडब्ल्यूजी) के एक कैडर रोनाल्डो थौडम उर्फ लामजिंग्बा (23) को गिरफ्तार किया। वह हाओरेबी मयाई लाइकै का रहने वाला है।

मप्रः आईएएस संतोष वर्मा के ब्राह्मण बेटियों वाले बयान पर मचा बवाल, कई संगठनों ने जताया आक्रोश

एजेंसी

भोपाल : मध्य प्रदेश में ब्राह्मण बेटियों को लेकर आईएएस संतोष वर्मा के विवादित बयान ने बड़ा राजनीतिक और सामाजिक हंगामा खड़ा कर दिया है। अजाक्स नेता वर्मा ने बीते रविवार को कहा था कि ॠजब तक मेरे बेटे को कोई ब्राह्मण अपनी बेटी दान नहीं देता या संबंध नहीं बनाता, तब तक आरक्षण जारी रहना चाहिए।ॠ उनके इस बयान के बाद कई संगठनों में आक्रोश है। आईएएस वर्मा को लेकर प्रतिक्रिया देते हुए हिंदू उत्सव समिति, भोपाल के अध्यक्ष चंद्रशेखर तिवारी भी आपा खो बैठे और उन्होंने कहा कि संतोष वर्मा को अपनी पत्नी को ब्राह्मणों के यहां भेज देना चाहिए। तिवारी का यह बयान भी महिला विरोधी बताकर सोशल मीडिया पर तीखी प्रतिक्रिया का कारण बना है। कई लोग सवाल उठा रहे हैं कि समाज का प्रतिनिधित्व करने वाले पद पर बैठे व्यक्ति को ऐसी टिप्पणी नहीं करनी चाहिए। चंद्रशेखर तिवारी ने यह जरूर कहा कि आईएएस संतोष वर्मा को अपने बयान पर सार्वजनिक माफी मांगनी चाहिए, लेकिन खुद द्वारा की गई टिप्पणी को लेकर वे विरोध के घेरे में आ गए हैं। संतोष वर्मा का बयान जाति और बेटियों को लेकर अत्यंत आपत्तिजनक बताया गया। तिवारी का बयान महिलाओं की मयार्दा को ठेस पहुंचाने वाला माना गया।दोनों ही बयानों को सामाजिक संगठनों और बुद्धिजीवियों ने अनुचित बताया है। हालांकि, अजाक्स के प्रांताध्यक्ष आईएएस अधिकारी संतोष वर्मा ने ब्राह्मण की बेटियों को लेकर अपने बयान पर माफी मांगी है। उन्होंमें कहा है कि मेरे बयान को तोड़-मरोड़कर पेश किया गया है। मेरा भाषण 27 मिनट का था, लेकिन 2 सेकंड की क्लिप को चलाकर इसे प्रचारित किया गया है। वर्मा के इस बयान पर सपाक्स के राष्ट्रीय संयोजक डॉ. हीरालाल त्रिवेदी ने कहा कि इससे घटिया, निकृष्ट और निंदनीय स्टेटमेंट कोई और नहीं हो सकता। जो अपनी बेटी और दूसरे की बेटी में इतना फर्क करता हो, उसके लिए कोई शब्द नहीं है। अजाक्स हो, सपाक्स हो या अपाक्स हो, कोई भी वर्ग वाले हों, ऐसे लोगों का बहिष्कार होना चाहिए। सरकार को भी इन्हें बाहर करना चाहिए क्योंकि ऐसे आदमी को सार्वजनिक पद पर रहने का अधिकार नहीं है। पुलिस को एफआईआर दर्ज कर इसे गिरफ्तार करना चाहिए।

'मुंह काला करने पर 51 हजार का इनाम घोषित'

वहीं, राष्ट्रीय सनातन सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष भगवती प्रसाद शुक्ल ने कहा कि इस तरह के बयान जब देश में आते हैं तो कहीं न कहीं समाज को तोड़ने का काम करते हैं। संतोष वर्मा का का बयान घोर निंदनीय है। यह ब्राह्मण समाज को टारगेट करके बहन बेटी का बयान गलत है। उन्होंने मुख्यमंत्री से संतोष वर्मा के खिलाफ कार्रवाई की मांगी। साथ ही कहा कि जो वर्मा का मुंह काला करेगा उसे 51000 रुपये का इनाम दिया जाएगा। राष्ट्रीय सनातन सेना ने संतोष वर्मा को आतंकवादी कहा। सनातन सेना ने उग्र आंदोलन करने की चेतावनी दी।

बयान घोर आपत्तिजनक है: केंद्रीय मंत्री दुबे

आईएएस संतोष वर्मा के बयान पर केंद्रीय कोयला राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे ने एक्स पर लिखा कि एक वरिष्ठ अधिकारी का इस प्रकार का जातिगत और स्त्री विरोधी बयान न केवल घोर आपत्तिजनक है, बल्कि समाज को बांटने वाली मानसिकता का खुला प्रमाण भी है। मैं स्वयं एक ब्राह्मण हूं और हमारी परंपरा ॠसम्मानॠ सिखाती है, ॠअपमानॠ नहीं। आप जैसे लोग

न्यूज IN ब्रीफ

छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा में सड़क हादसा, पांच की मौत, तीन गंभीर

कोरबा/जांजगीर-चांपा : छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले के ग्राम सुकली में ट्रक और स्कॉर्पियो की आमने-सामने की भिड़ंत में पांच लोगों की मौत हो गई। दुर्घटना में तीन लोग घायल हो गए। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों ने घायलों की हालत नाजुक बताई है। जांजगीर पुलिस ने बताया कि यह हादसा बीती रात नेशनल हाइवे 49 पर सुकली गांव में हुआ है। स्कॉर्पियो सवार लोग बारात से लौट रहे थे। इसी दौरान स्कॉर्पियो और ट्रक में भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भयंकर थी कि स्कॉर्पियों के परखच्चे उड़ गए। पुलिस के मुताबिक मृतकों की पहचान नवागढ़ क्षेत्र के सड़क पारा और शांति नगर निवासी विश्वनाथ देवागन (43), राजेंद्र कश्यप (27), पोमेश्वर जलतारे (33), भूपेंद्र साहू (40) और कमलनयन साहू (22) के रूप में हुई है।

सात दशक बाद नियोरा वैली नेशनल पार्क में कस्तूरी हिरन की मौजूदगी दर्ज

कोलकाता : पश्चिम बंगाल के कालिम्पोंग जिले में स्थित नियोरा वैली नेशनल पार्क में लगभग सात दशक बाद कस्तूरी हिरन कैमरे में कैद हुआ है। वन विभाग द्वारा लगाए गए गोपनीय कैमरे में इसकी तस्वीर सामने आते ही अधिकारियों और कर्मचारियों में उत्साह का माहौल है। राज्य में कस्तूरी हिरन की आखिरी उपस्थिति 1955 में दर्ज हुई थी। उत्तर बंगाल के मुख्य वनसंरक्षक भास्कर जे. वी. ने बताया कि वाइल्डलाइफ इंस्टिट्यूट आफ इंडिया द्वारा दो वर्ष तक किए गए सर्वेक्षण में नियोरा वैली के वनों में कस्तूरी हिरन की मौजूदगी के संकेत मिले थे। इसके बाद पहाडी क्षेत्रों में लगभग 50 ट्रैप कैमरे लगाए गए, जिनमें से एक में यह दुर्लभ प्रजाति दिखाई दी। वन अधिकारियों का कहना है कि इस विषय पर और शोध की आवश्यकता है। विशेष रूप से यह पता किया जा रहा है कि यह किस प्रजाति का हिरन है और इनकी संख्या कितनी है। वन विभाग के अनुसार कस्तूरी हिरन को राज्य में आखिरी बार दार्जिलिंग के सिंगालिला नेशनल पार्क में 1955 में देखा गया था। वाइल्डलाइफ इंस्टिट्यूट आफ इंडिया ने 2023 से 2024 के बीच नियोरा वैली में रेड पांडा गणना के लिए सर्वेक्षण किया था। समुद्र तल से 3112 मीटर की ऊंचाई वाले इस क्षेत्र में 17 दिसंबर 2024 को लगाए गए ट्रेल कैमरे में कस्तूरी हिरन की तस्वीर दर्ज हुई। कस्तूरी हिरन को अंतरराष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ की आईसीयूएन रेड लिस्ट में संकटग्रस्त श्रेणी में रखा गया है। नियोरा वैली के अलावा देश में अरुणाचल प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर, सिक्किम और उत्तराखंड के वनों में भी कस्तूरी हिरन पाए जाते हैं।

संविधान दिवस पर मुख्यमंत्री ने दी शुभकामनाएं

पटना : मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने संविधान दिवस पर सभी देशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने अपने शुभकामना संदेश में कहा है कि सभी देशवासियों को संविधान दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। भारतीय संविधान के निर्माण में अपना अमूल्य योगदान देने वाले महान स्वतंत्रता सेनानियों, संविधान निमार्ताओं एवं संविधान सभा के सभी विद्वानों को शतझ्रशत नमन। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इस अवसर पर कहा कि भारतीय संविधान हमारे लोकतंत्र की आधारशिला है, जो सभी नागरिकों को समानता, न्याय और स्वतंत्रता का संरक्षण प्रदान करता है। उन्होंने संविधान की मूल भावना के अनुरूप राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल आज सागर प्रवास पर, विभिन्न बैठकों को करेंगे संबोधित

भोपाल : बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल आज बुधवार को सागर प्रवास पर रहेंगे। इस दौरान आप सागर में आयोजित विभिन्न बैठकों को संबोधित करेंगे। भाजपा मीडिया प्रदेश प्रभारी आशीष उषा अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल बुधवार को दोपहर 12 बजे सागर भाजपा कार्यालय में सागर एवं सागर ग्रामीण जिले की संयुक्त बैठक को संबोधित करेंगे। बैठक में सांसद, विधायक, जिला पंचायत अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, जनपद पंचायत अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, नगर पालिका अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, नगर परिषद अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, एस.आई.आर. के जिला संयोजक, बी.एल.ए.-1 एवं एस.आई.आर. के मंडल प्रभारी शामिल रहेंगे। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दोपहर 2 बजे सांसद, जिला अध्यक्ष एवं विधानसभा 2023 के प्रत्याशियों की बैठक को संबोधित करेंगे।

ग्वालियरः संविधान दिवस पर बाल भवन में जिला स्तरीय कार्यक्रम

ग्वालियर : मध्य प्रदेश के ग्वालियर जिले में भी आज बुधवार को संविधान दिवस के अवसर पर वृहद स्तर पर कार्यक्रम आयोजित होंगे। इन कार्यक्रमों में संविधान की उद्देशिका का सामूहिक वाचन किया जायेगा। साथ ही भारतीय संविधान पर केन्द्रित परिचचार्यें होंगीं। जिला स्तरीय कार्यक्रम बाल भवन में प्रातः 11 बजे आयोजित होगा। कलेक्टर रुचिका चौहान ने बताया कि बाल भवन में संविधान दिवस पर आयोजित होने जा रहे जिला स्तरीय कार्यक्रम में राज्य शासन के दिशा-निर्देशों के तहत संविधान पर केन्द्रित प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। साथ ही इस आयोजन में जनप्रतिनिधिगण, समाजसेवी व स्वयंसेवी संगठनों के प्रतिनिधिगण व गणमान्य नागरिकों को भी आमंत्रित किया जाएगा। इस अवसर पर तहसील, पंचायत व ग्राम स्तर पर भी कार्यक्रम आयोजित होंगे, जिनमें संविधान की उद्देशिका का सामूहिक वाचन कराया जाएगा।

नई रेल लाइन से वडोदराझ्रइंदौर यात्रा होगी और आसान, घटेगा सफर का समय

छोटाउदेपुर : छोटाउदेपुर से धार तक बनने वाली नई 157 किलोमीटर लंबी रेल लाइन गुजरात और मध्य प्रदेश को सीधे जोड़ेगी। इस महत्वपूर्ण परियोजना के पूरा होने पर वडोदरा और इंदौर जैसे दो बड़े शहरों के बीच यात्रा का समय और दूरी दोनों कम हो जाएंगे। रेलवे विभाग के जनसंपर्क अधिकारी, जो आज छोटाउदेपुर दौरे पर थे, उन्होंने बताया कि यह नई लाइन अलीराजपुर और धार जैसे आदिवासी एवं ग्रामीण क्षेत्रों को भारतीय रेल के मुख्य नेटवर्क से जोड़ेगी। इससे कृषि उत्पादों, कच्चे माल और अन्य सामान के परिवहन में आसानी होगी तथा स्थानीय उद्योगों और व्यापार को मजबूती मिलेगी। बेहतर कनेक्टिविटी से लॉजिस्टिक्स में आने वाली रुकावटें घटेंगी और ग्रामीणझ्रशहरी अर्थव्यवस्था के बीच की दूरी भी कम होगी। साथ ही, आतिथ्य क्षेत्र तथा सहायक सेवाओं में निवेश बढ़ने की भी संभावना है। इस परियोजना की कुल लंबाई 157 किमी है, जिसमें मध्य प्रदेश का हिस्सा 72 किमी होगा। परियोजना में छोटाउदेपुर, अलीराजपुर और धार जिलों का समावेश है।

न्यूज IN ब्रीफ

मत्स्य कार्यालय में मनाया गया संविधान दिवस

जमशेदपुरः बुधवार को जिला मत्स्य कार्यालय, जमशेदपुर में संविधान दिवस के अवसर पर एक गरिमापूर्ण समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान भारतीय संविधान के सिद्धांतों और मूल्यों को याद करते हुए सभी कर्मचारियों ने संविधान के प्रति अपनी निष्ठा को दोहराया।कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जिला मत्स्य पदाधिकारी श्रीमती अल्का पन्ना ने सभी उपस्थित कर्मचारियों को संविधान दिवस की शपथ दिलाई।इस अवसर पर मत्स्य प्रसार पदाधिकारी अमरेन्द्र कुमार सहित सभी कर्मियों ने मिलकर भारतीय संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक पाठ किया।सभी पदाधिकारी एवं कर्मियों ने संविधान निमार्ताओं के आदर्शों को स्मरण करते हुए संविधान के प्रति अपनी निष्ठा और सम्मान को एक बार फिर दोहराया। इस मौके पर बिद्धभुषण सिंह मुण्डा, प्रताप कुमार, मो० गौहसीन अंसारी, अकलेश कैवर्त और पिंकी कैल सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित थे।

डिजिटल क्रॉप सर्वे में राज्य में पहले स्थान पर धनबाद

धनबाद : धनबाद समेत पूरे राज्य में डिजिटल फसल सर्वे की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। डिजिटल क्रॉप सर्वे में झारखंड में धनबाद पहले स्थान पर चल रहा है। जिले में 16 लाख 54 हजार 270 प्लॉट के सर्वे का लक्ष्य तय किया गया था, जिसमें विभागीय रिपोर्ट में नौ लाख एक हजार 361 प्लॉट का सर्वे हो चुका है। विभागीय रिपोर्ट के अनुसार धनबाद डिजिटल क्रॉप सर्वे में पहले स्थान पर चल रहा है, जबकि दूसरे स्थान पर लोहरदगा और तीसरे स्थान पर हजारीबाग है। राज्य के 12 जिलों में डिजिटल क्रॉप सर्वे चल रहा है, जिनमें धनबाद, लोहरदगा, हजारीबाग, बोकारो, सिमडेगा, गढ़वा, रांची, सरायकेला, पूर्वी सिंहभूम, साहिबगंज, गोड्डा और दुमका शामिल हैं।

इस बाबत डीएओ अभिषेक मिश्रा ने बताया कि अधिक जानकारी के लिए किसान अपने प्रखंड विकास पदाधिकारी, प्रखंड कृषि पदाधिकारी, प्रखंड तकनीकी प्रबंधक एवं सहायक तकनीकी प्रबंधक से संपर्क कर सकते हैं। क्या है डिजिटल क्रॉप सर्वे : डिजिटल क्रॉप सर्वे (डीसीएस) आधुनिक प्रणाली है, जो खेतों से सीधे फसल की जानकारी इकट्ठा करती है। यह मोबाइल एफपीओ, कृषि सखी और सीएससी जैसे प्लेटफॉर्म के जरिए किसानों को जोड़ती है, जिससे उनकी जानकारी सुरक्षित रहती है और उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ मिलता है। यह प्रणाली फसल की पैदावार का सही अनुमान लगाने में मदद करेगी। साथ ही किसानों को उनकी फसल के बारे में सटीक जानकारी प्रदान करती है।

किसानों को होगा फायदा : डिजिटल क्रॉप सर्वे पूरा होने पर किसानों को कई सुविधाएं मिलेंगी। इससे साफ हो जाएगा कि किस इलाके में कौन-सी फसल कितनी मात्रा में बोई जा रही है। किसानों को सरकार की योजना और सब्सिडी का लाभ सीधे मिलेगा और फसल बीमा की प्रक्रिया भी आसान होगी। राहत और मुआवजा तय करने में भी विभाग को सटीक आंकड़े मिल सकेंगे।

धालभूमगढ़ एयरपोर्ट के लिए फेडरेशन ने मुख्यमंत्री को भेजा पत्र

जमशेदपुर : फेडरेशन ऑफ झारखण्ड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा ने मुख्यमंत्री को पत्र देकर धालभूमगढ़ हवाई अड्डा जल्द बनाने का मुद्दा उठाया है। व्यवसायी ने कहा कि, धालभूमगढ़ हवाई अड्डा शुरू नहीं होने से सिर्फ यात्रियों को दिक्कत नहीं हो रही है बल्कि उद्योग व्यवसाय भी प्रभावित हो रहा है। अध्यक्ष के अनुसार रांची के बिरसा मुंडा हवाई अड्डा, के दैनिक यात्रियों में लगभग 40 प्रतिशत यात्री जमशेदपुर एवं उसके आसपास के क्षेत्रों के होते हैं। इससे धालभूमगढ़ हवाई अड्डा की उपयोगिता सामने आती है। इससे राज्य सरकार को संबंधित विभागों से संवाद कर प्रशासनिक अड़चनों का समाधान करने के साथ हवाई अड्डे का निर्माण शुरू करना चाहिए।

रामगढ़ में होगा 101 गरीब बेटियों का सामूहिक विवाह, 8 फरवरी को होगा भव्य आयोजन

हजारीबाग : लोकसभा क्षेत्र में सेवा और सामाजिक सरोकार का एक और ऐतिहासिक अध्याय 8 फरवरी 2026 को लिखा जाएगा, जब रामगढ़ के सिद्धो कान्हू मैदान में बीजेपी सांसद मनीष जायसवाल की अनूठी पहल पर सांसद सामूहिक विवाह उत्सव भव्य रूप से आयोजित होगा। यह कार्यक्रम लगातार तीसरी बार आयोजित हो रहा है और इस बार भी 101 निर्धन बेटियों के सपनों को नई उड़ान मिलने जा रही है।

सांसद मनीष जायसवाल ने इस सेवा कार्य की शुरूआत साल 2024 में की थी, जब हजारीबाग के डीपीएस स्कूल में 25 गरीब बेटियों का विवाह कराया गया था। उसके बाद 2025 में कंचन ग्राउंड में 101 असहाय बेटियों का विवाह कराया गया था। अब 2026 का समारोह, रामगढ़ की धरती पर होने जा रहा है। शहर में उत्साह और उमंग का वातावरण है। सिद्धोझकान्हू मैदान को दुल्हन की तरह सजाने की तैयारी चल रही है। पूरा मैदान पारंपरिक थीम, रोशनी, रंगीन कलाकृतियों और आकर्षक पंडालों से सजकर एक भव्य विवाह स्थल में तब्दील किया जाएगा।

दरअसल, पिछले दो सालों के कार्यक्रमों में कोलकाता के आचार्य राघव पंडित जी द्वारा म्यूजिकल फेरों के माध्यम से विवाह की रस्में संपन्न कराई गई थी। उनकी अनूठी शैली और संगीत के साथ किए जाने वाले फेरों ने कार्यक्रम की गरिमा और भी बढ़ा दी थी। इस भव्य कार्यक्रम में रामगढ़ की धरती पर आचार्य राघव पंडित जी भी शामिल होंगे।

बीजेपी सांसद मनीष जायसवाल ने बताया कि सेवा का कोई अंत नहीं होता। सेवा की तारीखें दर्ज नहीं होती, यह कब शुरू हुई, याद रहती है लेकिन समाप्त कब होगी? यह कहना थोड़ा मुश्किल है। जब तक प्रभु श्रीराम और जनता का आशीर्वाद मिलता रहेगा, सेवा का प्रवाह सतत जारी रहेगा। रामगढ़ इस साल एक नए इतिहास का साक्षी बनने जा रहा है। 8 फरवरी 2026 वह दिन होगा, जब 101 बेटियों के जीवन में खुशियों की नई सुबह होगी और समाज फिर एक बार यह साबित करेगा कि सच्ची पुकार सेवा, संवेदना और सहयोग की होती है।

रामगढ़ के फुटबॉल ग्राउंड से 101 लड़कों की बारात निकलेगी, जो गाजे बाजे और आतिशबाजी के साथ रामगढ़ के सिद्धो कान्हू ग्राउंड पहुंचेगी, जहां पर 101 दूल्हे अपनी होने वाली अर्द्धांगिनी से मिलेंगे और शादी संपन्न कराई जाएगी।

रजिस्ट्रेशन के लिए हजारीबाग सांसद कार्यालय और रामगढ़ में बनाए गए रजिस्ट्रेशन कार्यालय में संपर्क किया जा सकता है, जहां वैसे परिवार को तवज्जो दी जा रही है जो आर्थिक रूप से बहुत कमजोर है या दिव्यांग हैं या जिनके माता-पिता नहीं हैं या लड़कियों में जिसके पिता नहीं हैं।

व्यापार मेले में झारखंड दिवस का भव्य आयोजन, पवेलियन बना आकर्षण का केंद्र

बिनय मिश्रा

नई दिल्ली : भारतीय व्यापार मेला में झारखंड पवेलियन में झारखंड दिवस समारोह का भव्य आयोजन किया गया। इस विशेष अवसर पर झारखंड के मुख्य सचिव अविनाश कुमार, की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिन्होंने प्रदेश की समृद्ध परंपराओं, आदिवासी सांस्कृतिक विरासत और विकास यात्रा की इस प्रस्तुति को विशेष रूप से सरहा, जिससे कार्यक्रम की भव्यता और भी बढ़ गई। नाट्यशाला थिएटर में आयोजित सांस्कृतिक संध्या में झारखंड के लोक कलाकारों ने अपने पारंपरिक नृत्य और संगीत की प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। संगीत और विरासत से सजी इन प्रस्तुतियों ने झारखंड की सांस्कृतिक विविधता को प्रभावशाली रूप में उजागर किया। पवेलियन पहुँचकर सबसे पहले भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की और दीप प्रज्वलित कर स्थापना दिवस समारोह का शुभारंभ किया। इसके बाद उन्होंने पवेलियन में लगे सभी 32 स्टॉलों का अवलोकन किया, जहाँ उन्होंने राज्य के कारीगरों, उद्यमियों और स्वयं सहायता समूहों द्वारा प्रस्तुत उत्पादों की सराहना की। उन्होंने कहा कि झारखण्ड राज्य भी इस फेयर में अपने विकास को प्रदर्शित कर रहा है। मुख्य सचिव ने हर क्षेत्र में अग्रणी बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। हमारी संस्कृति, परंपरा और विकास मॉडल-तीनों को समान प्राथमिकता देते हुए हम शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, खेल, पेयजल, तकनीक और हवाई कनेक्टिविटी जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में आधुनिक और उपयोगी इंफ्रास्ट्रक्चर को तेजी से विकसित कर रहे हैं। हमारा लक्ष्य झारखंड को एक सक्षम, समृद्ध और भविष्य-उन्मुख राज्य के रूप में स्थापित करना है'।

एम्फीथियेटर झारखंड की लोक सांस्कृतिक रंगत से गुलजार रहा। दर्शकों ने झारखंड की विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का आनंद लिया, जिनमें झारखण्ड के तपन नायक और टीम का छक नृत्य, किशोर नायक और टीम का नागपुरी नृत्य, सुखराम पहन और टीम का मुंडारी नृत्य कृष्ण भगत और टीम का उरांव नृत्य और अशोक कच्चाप का पाइका नृत्य ने लोगो को मंत्रमुग्ध किया। इस अवसर उद्योग सचिव आरवा राजकमल, उद्योग निर्देशक विशाल सागर तथा अन्य पदाधिकारी भी माजूद रहे। झारखंड पवेलियन में इस वर्ष विविधता और रचनात्मकता का अनूठा संगम देखने को मिल रहा है, जहाँ राज्य के दर्जनों स्टॉल संचालक अपनी विशिष्ट कला और उत्पादों के साथ मजबूत उपस्थिति।

समाहरणालय सभागार में पढ़ा गया संविधान का प्रस्तावना

संवाददाता

सिमड़ेगा : संविधान दिवस के अवसर पर उपायुक्त सिमडेगा कंचन सिंह के नेतृत्व में समाहरणालय सभागार में गरिमामय संविधान का प्रस्तावना पढ़ने का कार्यक्रम आयोजित किया गया। उपायुक्त के साथ उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मियों द्वारा भारतीय संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन किया गया तथा संविधान को अंगीकृत,अधिनियमित और आत्मार्पित करने की शपथ ली गई।

उपायुक्त श्रीमती कंचन सिंह ने कहा कि संविधान निमार्ताओं ने 2 वर्ष 11 माह 18 दिन की अथक मेहनत के बाद निर्मित संविधान को 26 नवंबर 1949 को अंगीकृत,अधिनियमित और आत्मार्पित की गई।अतःयह संविधान दिवस देश के संविधान की आत्मा का दिवस है, जो हर नागरिक को सामाजिक,आर्थिक और राजनीतिक न्याय ,विचार,अभिव्यक्ति,विश्वास,धर्म और उपासना की स्वतंत्रता,प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने का काम करता है। उपस्थित पदाधिकारियों एवं कर्मियों ने संविधान में निहित राष्ट्र की एकता और अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प लिया ।

संविधान दिवस पर उद्देशिका का वाचन केवल जिला मुख्यालय तक सीमित नहीं रहा, बल्कि पूरे जिले एवं सभी प्रखंडों में बड़े उत्साह और सम्मान के साथ वाचन किया गया। विभिन्न सरकारी कार्यालयों, विद्यालयों और संस्थानों में भी प्रस्तावना का वाचन एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। मौके पर जिले के सभी पदाधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे ।

संविधान दिवस पर समाहरणालय में सामूहिक रूप से पढ़ी गई संविधान की प्रस्तावना

जमशेदपुर : संविधान दिवस के अवसर पर समाहरणालय, जमशेदपुर में उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी, उप विकास आयुक्त नागेन्द्र पासवान, अपर उपायुक्त भगीरथ प्रसाद सहित अन्य जिला स्तरीय पदाधिकारियों एवं कर्मियों ने भारतीय संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक पाठ किया। सभी अधिकारियों ने संविधान के प्रति अपनी निष्ठा दोहराते हुए संविधान निमार्ताओं के आदर्शों को स्मरण किया।उपायुक्त ने कहा कि संविधान देश के लोकतांत्रिक ढांचे की आधारशिला है और इसके मूल्यों—न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व—को व्यवहार में उतारना हर अधिकारी-कर्मी की जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी को कर्तव्यनिष्ठा, पारदर्शिता और सेवा भाव के साथ कार्य करने का संदेश दिया।इसी क्रम में जिले के सभी अनुमंडल कार्यालयों, प्रखंड मुख्यालयों, विभागीय दफ़्तरों, शैक्षणिक संस्थानों और सरकारी प्रतिष्ठानों में भी प्रस्तावना का पाठ किया गया।

स्टेशन से गिरफ्तार अवैध हॉकर पर लगा जुर्माना

जमशेदपुर : टाटानगर के आरपीएफ जवानों ने मंगलवार देर शाम तक 11 लोगों को रेलवे प्रावधान उल्लंघन के आरोप में गिरफ्तार किया है। इनमें अवैध हॉकर और महिला बोगी पर चढ़ने वाले पुरुष तथा दिव्यांग बोगी में यात्रा करने वाले सामान्य लोग शामिल है। जानकारी के अनुसार आरपीएफ के हत्थे चढ़े यात्री एवं अवैध हॉकर के खिलाफ पोस्ट में रेलवे एक्ट के तहत केस दर्ज हुआ है, लेकिन वे सभी जुमार्ना देकर छूट गए। आरपीएफ ने सभी को रेलवे अदालत में पेश होकर जमानत कराने का सुझाव दिया अन्यथा फिर से कार्रवाई होगी। बताया जाता है कि, स्टेशन सुरक्षा और स्वच्छता योजना से आरपीएफ लगातार स्टेशन और ट्रेनों में जांच अभियान चला रही है।

जगजीवन सुमन के निधन पर समाजसेवी रामप्रताप वर्मन ने शोक व्यक्त किया

संवाददाता

चक्रधरपुर अनुमंडल में वर्ष 2006 से लेकर 2009 तक पदस्थापित रहने वाले लोकप्रिय अनुमंडल पदाधिकारी के रूप में पहचाने जाने वाले जगजीवन सुमन के आकस्मिक निधन पर चक्रधरपुर के समाजसेवी राम प्रताप वर्मन ने शोक व्यक्त किया है और पुरानी यादों को साझा करते हुए बताया की- जगजीवन सुमन जब चक्रधरपुर के अनुमंडल पदाधिकारी के रूप में पदस्थापित थे तब उनके द्वारा किए गए सामाजिक कार्य को लोग आज भी याद करते हैं श्री बर्मन ने बताया कि ठंड के दिनों में असहाय लाचार लोगों की सुधि लेते हुए उनके बीच कंबल वितरण करना इस पुनीत कार्य में वह भी शामिल रहते थे यही नहीं मोहर्रम के समय लकड़ी की व्यवस्था और ठंड के दिनों में राहगीरों की सुधि लेते हुए अलाव की व्यवस्था करने में भी मुख्य रूप से शामिल रहे थे । इसके अलावे इनके अनुमंडलीय आवास में इफ्तार की दावत ,होली मिलन जैसे सौहार्द्र पूर्ण कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता था जो सर्वधर्म एकसमान का एक उत्कृष्ट उदाहरण रहा।

यह सब अनुमंडल वासियों को आज भी भली भांति याद है श्री बर्मन बताते हैं कि पूर्व अनुमंडल पदाधिकारी जगजीवन सुमन व्यवहार कुशल, मृदभाषी और आम जनों के बीच काफी लोकप्रिय इसलिए भी थे कि उनका व्यवहार और बेहतर कार्यों से सबों का मन जीत लिया था अपने पदस्थापना काल के तीन वर्षों में उन्होंने अनुमंडल चक्रधरपुर अनुमंडल में अपने बेहतर कार्यों से अपनी सशक्त पहचान और लोगों के बीच अपनी जबरदस्त पकड़ बनाई थी जिसे पारदर्शी प्रशासन और अनुशासन दोनों का सामाजिक रूप का उत्कृष्ट उदाहरण देखने को मिलता था । आज भले ही वह हमारे बीच नहीं है किंतु उनके द्वारा किए गए कार्यों को हमेशा लोगों के बीच याद किया जाएगा।

संविधान दिवस पर पदाधिकारियों व कर्मियों को दिलायी गई शपथ

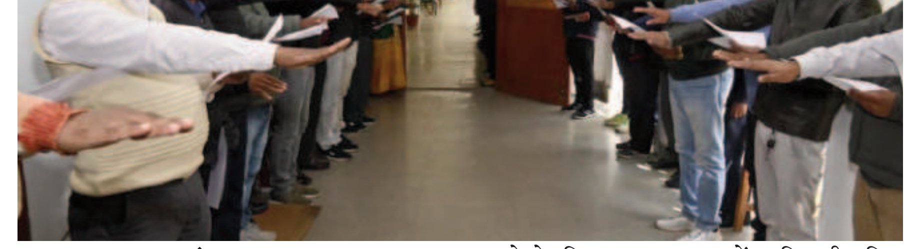

संवाददाता

लोहरदगा : भारतीय संविधान दिवस (26 नवंबर) के मौके पर उपायुक्त डॉ ताराचंद द्वारा आज बुधवार को समाहरणालय परिसर में सभी पदाधिकारियों व कर्मियों को भारत देश को संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न समाजवादी, पंथ निरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए तथा देश के समस्त नागरिकों को सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक न्याय, विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता और अखंडता सुनिश्चित करनेवाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़संकल्प होकर संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करने की शपथ दिलायी गई। यह शपथ कार्यक्रम जिला व प्रखंड के अन्य कार्यालय में भी आयोजित की गयी। आज इस अवसर पर आइटीडीए परियोजना निदेशक सुषमा नीलम सोरेंग, उप निर्वाचन पदाधिकारी समेत जिला स्तरीय पदाधिकारी व कर्मी उपस्थित थे।

सेवा का अधिकार सप्ताह पर 982 आवेदन का हुआ निष्पादन

धनबाद : झारखण्ड राज्य स्थापना के रजत जयंती वर्ष (रजत पर्व) के शुभ अवसर पर तथा सेवा का अधिकार सप्ताह के चौथे दिन धनबाद जिला अंतर्गत विभिन्न प्रखंडों के पंचायतों एवं नगर निकाय के वार्डों में आपकी योजना-आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं शहरवासी उमड़े। इसकी जानकारी देते हुए उपायुक्त आदित्य रंजन ने बताया कि आज 982 आवेदनों का निष्पादन किया गया। वहीं 3440 लाभुकों के बीच ऑन द स्पॉट परिसंपत्तियों का वितरण किया गया। चौथे दिन शिविरों में 9505 आवेदन प्राप्त हुए। उन्होंने बताया कि आज जाति प्रमाण पत्र के 241, आय प्रमाण पत्र के 181, जन्म प्रमाण पत्र के 100, मृत्यु प्रमाण पत्र के 30, दाखिल खारिज वादों के 77, जमीन मापी के 9, भूमि धारण प्रमाण पत्र 9, नया राशन कार्ड 1307, स्थानीय निवासी प्रमाण पत्र के 161, वृद्धा पेंशन के 826, विधवा पेंशन के 51, दिव्यांगता पेंशन के 31, कंबल के 10, धोती साड़ी लूंगी के 247, झारखंड राज्य सेवा देने की गारंटी अधिनियम 2011 से जुड़े 252, विभिन्न लोक कल्याणकारी योजनाओं के लिए 5973 सहित 9505 आवेदन प्राप्त हुए।

संविधान दिवस के अवसर पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी द्वारा पीसीआर, यातायात, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कार्यालय के पुलिस पदाधिकारियों एवं कर्मियों को पीसीआर कैंपस में संविधान की प्रस्तावना का पठन कराया गया।